नई दिल्ली
रविवार 10 मई 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष, अष्टमी वर्ष : 30, अंक : 21
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 39.4
न्यून. 18.2

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

आईओआर में प्रचंड रूप से गूंजी मिसाइल, एक साथ अलग-अलग दिशाओं में मौजूद लक्ष्यों पर साधा निशाना

भारत ने किया एमआईआरवी प्रणाली से लैस उन्नत 'अग्नि मिसाइल' का सफल परीक्षण

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योग जगत का बढ़ाया हौसला, दी बधाई

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

एक ओर पूरी दुनिया पश्चिम-एशिया संकट से उत्पन्न चुनौतियों से जूझ रही है। तो वहीं, दूसरी ओर भारत इन सबके बावजूद अपनी रणनीतिक क्षमता को युद्धस्तर पर मजबूत बनाने में लगा हुआ है।

जिसकी ताजा मिसाल उसने बीते शुक्रवार को ओडिशा के डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम द्वीप से 'मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल' (एमआईआरवी) प्रणाली से लैस उन्नत 'अग्नि मिसाइल' के सफल उड़ान परीक्षण के साथ पेश की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय सेना ने इसे अपनी एक बड़ी रणनीतिक सफलता माना है। जबकि रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर बताया कि कई विस्फोटकों के साथ मिसाइल के इस परीक्षण को अंजाम दिया गया था। जिनका लक्ष्य हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र में फैले हुए विभिन्न लक्ष्यों पर केंद्रित था।

एमआईआरवी का अर्थ और फायदा

गौरतलब है कि एमआईआरवी एक बैलिस्टिक मिसाइल 'पेलोड' है। जिसका सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि इसमें मिसाइल तो एक ही होती है। लेकिन उसमें एक साथ कई हथियारों के जरिए दुश्मन के तय किए गए और अलग-अलग दिशा में मौजूद लक्ष्यों पर सटीकता से हमला कर उन्हें नष्ट किया जा सकता है। यहां एक ध्यान देने वाली बात यह भी है कि मिसाइल से निकलने वाले हर हथियार का अपना एक पृथक रडार और नेविगेशन सिस्टम होता है। जिसकी मदद से वह अपने तय लक्ष्य पर वार करता है। अमूमन यह देखा जाता है कि एक मिसाइल से एक ही हथियार निकलता है और वह संभवतः एक ही लक्ष्य के खात्मे पर केंद्रित रहता है।

पूरे हुए मिशन के सभी उद्देश्य

मंत्रालय ने बताया कि परीक्षण के दौरान मिसाइल पर कई जमीनी और जहाज आधारित स्टेशनों ने टेलीमेट्री और ट्रैकिंग से निगरानी रखी गई थी। जिन्होंने मिसाइल के प्रक्षेपण से लेकर इसके साथ भेजे गए विस्फोटकों के प्रभाव तक की पूरी यात्रा पर पैनी नजर रखी। अंत में सामने आए उड़ान डेटा से पता चला कि परीक्षण के समय पर उड़ान के सभी उद्देश्य पूरे हुए।

रक्षा तैयारियों को मिलेगी मजबूती: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, सेना और उद्योग जगत की सराहना की है। साथ ही कहा कि इसकी मदद से बढ़ते खतरे के मद्देनजर देश की रक्षा तैयारियों को और अधिक मजबूती मिलेगी।

पुनः स्थापित हुई क्षमता

भारत ने अपनी इस सफलता के साथ ही एक बार फिर से एक ही मिसाइल प्रणाली का प्रयोग कर कई महत्वपूर्ण लक्ष्यों को निशाना बनाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। इस उन्नत अग्नि मिसाइल को संगठन की प्रयोगशालाओं ने देशभर के उद्योगों के सहयोग से विकसित किया है। परीक्षण के दौरान डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक और भारतीय सेना के जवान मौजूद थे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
सीएसके एलएसजी
दोपहर 3.30 बजे से
शाम 7.30 बजे से
आरसीबी एमआई

सुवेंदु बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री, पीएम मोदी ने बंगाल की जनता का कुछ इस अंदाज में जताया आभार

आपने जिताया, आपको 'दंडवत प्रणाम'

पीएम ने कहा कि हम सभी के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान को याद करना स्वाभाविक है। उनके विजन को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी

पीएम मोदी ने मंच पर दंडवत प्रणाम किया

रवींद्रनाथ टैगोर को पुष्पांजलि अर्पित

एजेंसी ⏭ कोलकाता

सुवेंदु अधिकारी शनिवार को पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बन गए। सुवेंदु ने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झुककर प्रणाम किया। सुवेंदु के साथ 5 और विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू और निषिथ प्रमाणिक शामिल रहे। कार्यक्रम में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान समेत कई केंद्रीय मंत्री मौजूद थे। एनडीए और भाजपा शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम में पहुंचे। ⏩ शेष पेज 5 पर

शपथ लेने भगवा कुर्ता पहनकर आए सुवेंदु अधिकारी

पीएम मोदी ने सुवेंदु की पीठ थपथपाई

दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू, निषिथ प्रमाणिक मंत्री बने, बांग्ला में शपथ ली

पीएम रोड शो करते हुए कार्यक्रम में पहुंचे, मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

पीएम भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और पैर छुए

पीएम ने कहा

माखनलाल सरकार ने डॉ. मुखर्जी के साथ काम किया, जीवन पार्टी को समर्पित किया

पीएम ने लिखा कि कोलकाता में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मुझे माखनलाल सरकार से मिलने का अवसर मिला। एक कट्टर राष्ट्रवादी के तौर पर उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ काम किया और उनके साथ रहते हुए जम्मू-कश्मीर में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। उन्होंने अपना पूरा जीवन हमारी पार्टी को समर्पित कर दिया। उन्होंने पूरे पश्चिम बंगाल में पार्टी का आधार ⏩ शेष पेज 5 पर

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा

राज्य की अस्मिता को सुरक्षित करने वाले एक नए युग का सूत्रपात हुआ

नई दिल्ली। सुवेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंची दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी और मंत्रिमंडल के सभी सहयोगियों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के इतिहास में आज नए स्वर्णिम अध्याय की शुरुआत हो रही है। यह राज्य की सांस्कृतिक एवं गौरवशाली अस्मिता को सुरक्षित करने वाले एक नए युग का सूत्रपात भी है। हमारे प्रेरणा पुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की पावन जन्मभूमि पर आज उन्हीं की विचारधारा की सरकार का गठन होना हम सभी के लिए अत्यंत भावुक क्षण है। यह ऐतिहासिक अवसर उन सैकड़ों बलिदानी कार्यकर्ताओं के संघर्ष, समर्पण और तपस्या का स्मरण कराता है, जिन्होंने बंगाल की अस्मिता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया।

नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुवेंदु को दी बधाई

बड़ा एक्शन : 100 करोड़ से अधिक के फर्जी जीएसटी बिल और मनी लांड्रिंग मामले में चंडीगढ़ सहित कई ठिकानों पर छापेमारी

ईडी ने पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा को किया गिरफ्तार

लगभग 2 दर्जन गाड़ियों में पहुंचे थे अधिकारी

एजेंसी ⏭ चंडीगढ़

संजीव अरोड़ा

पंजाब के स्थानीय सरकार एवं संसदीय कार्य मंत्री संजीव अरोड़ा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, ईडी की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी। ईडी की टीम अरोड़ा से लंबे समय तक पूछताछ करती रही और उन्हें आगे की जांच के लिए दिल्ली ले जाया जा सकता है। शनिवार सुबह करीब सात बजे ईडी की टीमों ने चंडीगढ़ स्थित सेक्टर-2 आवास समेत दिल्ली, गुरुग्राम और अन्य ठिकानों पर एक साथ छापामारी शुरू की थी। कार्रवाई के दौरान सीआईएसएफ और सीआरपीएफ के जवान भी सुरक्षा में तैनात रहे। टीमों ने कई घंटों तक वित्तीय दस्तावेजों, कारोबारी लेनदेन और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच की। यह कार्रवाई कथित फर्जी जीएसटी खरीद, मनी लांड्रिंग और निर्यात से जुड़े लेन-देन की जांच के तहत की गई। जांच एजेंसी को संदेह ⏩ शेष पेज 5 पर

आप बोली- यह राजनीतिक प्रतिशोध

ईडी की कार्रवाई के बाद पंजाब की राजनीति भी गरमा गई है। आम आदमी पार्टी ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया है, जबकि विपक्ष लगातार सरकार पर निशाना साध रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान पहले ही केंद्र सरकार और भाजपा पर एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा चुके हैं। वहीं विपक्षी दलों का कहना है कि यदि जांच हो रही है तो सच्चाई सामने आनी चाहिए। बताया जा रहा है कि आने वाले 24 घंटों में ईडी की ओर से मामले में आधिकारिक जानकारी साझा की जा सकती है। फिलहाल पूरे घटनाक्रम पर पंजाब की राजनीतिक नजरें टिकी हुई हैं।

सीएम मान बोले-केंद्र की चालों के आगे पंजाब नहीं झुकेगा

भगवंत मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट कर कहा कि एक बार फिर भाजपा की ईडी संजीव अरोड़ा के घर पहुंची है। एक साल में यह तीसरी बार है, जब भाजपा की ईडी उनके घर आई है। पिछले एक महीने में दूसरी बार। फिर भी उन्हें कुछ नहीं मिला। मैं मोदी जी से कहना चाहता हूं कि पंजाब गुरुओं की धरती है, जिसे औरंगजेब भी झुका नहीं सका। यह भगत सिंह की धरती है, जिन्होंने कभी अंग्रेजों के सामने सिर नहीं झुकाया, इसलिए पंजाब मोदी की चालों के आगे कभी नहीं झुकेगा। ईडी-भाजपा के इस अनैतिक गठजोड़ का अंत पंजाब से ही शुरू होगा।

खबर संक्षेप

डब्ल्यूएफआई ने विनेश को थमाया नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय महिला रेसलर विनेश फोगाट को भारतीय कुश्ती महासंघ ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिसमें उनसे कई जवाब मांगे गए हैं। ये नोटिस जारी किया उसमें उन्होंने विनेश फोगाट पर अनुशासनहीनता और डोपिंग विरोधी नियमों के उल्लंघन के आरोपों के बारे में उनसे जवाब मांगा है। इसके अलावा विनेश फोगाट को भारतीय कुश्ती महासंघ ने जून 2026 में होने वाले घरेलू टूर्नामेंट में वापसी पर भी रोक लगा दी,जिसमें उनको अयोग्य घोषित कर दिया।

क्रूज शिप में हंता वायरस तीन लोगों की मौत हो गई

नई दिल्ली। क्रूज शिप में फैले हंता वायरस संक्रमण ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक एमवी होंडियस शिप में हंता वायरस का संक्रमण सामने आया था। इसमें पांच लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई जिसमें से तीन की मौत भी हो चुकी है। चालक दल सदस्यों में दो भारतीयों के भी हंता वायरस से संक्रमित होने की सूचना है। यह क्रूज शिप अर्जेंटीना से अपनी यात्रा पर निकला था। इस क्रूज पर करीब 150 यात्री और क्रू सदस्य सवार थे, लेकिन 24 अप्रैल को दर्जनों लोग सेंट हेलेना द्वीप पर उतर गए।

पीएमजीएसवाई के तहत 18,907 करोड़ रु. के आवंटन के साथ ग्रामीण कनेक्टिविटी को मिलेगी नई सौगात

मध्य प्रदेश के भेरूंदा, जिला सीहोर से ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे शुभारंभ

- 25 वर्षों की उपलब्धियों के उत्सव में शिवराज सिंह के साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव भी होंगे शरीक

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के भेरूंदा, जिला सीहोर से आज रविवार को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के 25 वर्ष पूरे होने का रजत जयंती समारोह मनाया जाएगा और इसी मंच से पीएमजीएसवाई-4 का शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान देश के गांवों को मजबूत, टिकाऊ और बारहमासी पक्की सड़कों से जोड़ने के राष्ट्रीय संकल्प को नई ऊर्जा देंगे। इस महत्वपूर्ण आयोजन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शरीक होंगे। ⏩ शेष पेज 5 पर

नवजात शिशु मृत्यु दर में सुधार लाने की दिशा में सकारात्मक पहल

एक ही दिन में दस हज़ार से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों को नवजात शिशु देखरेख में दिया जाएगा प्रशिक्षण

- राष्ट्रव्यापी एनआरपी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आज दिया जाएगा प्रशिक्षण

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

एक ही दिन में देशभर के दस हज़ार से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सा पेशेवरों को रविवार 10 मई को नवजात शिशु देखभाल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह विशाल राष्ट्रव्यापी अभियान नेशनल नियो नेटल फोरम (एनएनएफ) इंडिया की प्रेसिडेंशियल एक्शन प्लान 2026 का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देशभर में नवजात के जीवन की रक्षा करने का व्यापक प्रशिक्षण देकर नवजात शिशुओं की जीवन रक्षा प्रणाली को मजबूत करना है। इस उद्देश्य से एनएनएफ इंडिया 10 मई 2026 को "राष्ट्रव्यापी एनआरपी प्रशिक्षण दिवस" का आयोजन कर रहा है। इस अनूठी राष्ट्रव्यापी पहल को भारत सरकार, इंडियन एकेडमी ऑफ़ पीडियाट्रिक्स, भारतीय फेडरेशन ऑफ़ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनीकॉलॉजिस्ट्स , ट्रेंड नर्सिज एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन तथा यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। एनएनएफ इंडिया के कोर्स ⏩ शेष पेज 5 पर

हैदराबाद में रैली को संबोधित करने के साथ 9,400 करोड़ की सौगात देंगे

आज तेलंगाना और कर्नाटक जाएंगे पीएम मोदी, कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

प्रधानमंत्री बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कर्नाटक और तेलंगाना की यात्रा पर जाएंगे। सुबह लगभग 11 बजे प्रधानमंत्री बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेंगे और इस अवसर पर सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री हैदराबाद में एक रैली को संबोधित करने के साथ 9,400 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। यह 2024 के लोकसभा चुनाव और इसी माह पश्चिम ⏩ शेष पेज 5 पर

कल सोमनाथ मंदिर पहुंचेंगे पीएम

प्रधानमंत्री 10-11 मई, 2026 को गुजरात का दौरा करेंगे वे 10 मई की रात को जामनगर पहुंचेंगे 11 मई को प्रधानमंत्री सुबह लगभग 10:15 बजे सोमनाथ मंदिर में सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लेंगे इसके बाद प्रधानमंत्री वडोदरा के लिए रवाना होंगे, जहां वे शाम लगभग 6 बजे सरदारधाम छात्रावास का उद्घाटन करेंगे। वे दोनों अवसरों पर जनसभाओं को संबोधित भी करेंगे।

28 से 31 मई तक राष्ट्रीय राजधानी में होगा आयोजन, अफ्रीका महाद्वीप के सभी देशों के दिग्गज नेता, प्रतिनिधि करेंगे शिरकत

नई दिल्ली को है पूरा भरोसा, भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन के अंत में जारी होगा संयुक्त घोषणापत्र

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

मई के अंतिम सप्ताह में राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किए जाने वाले चौथे 'भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन' (आईएएफएस-4) के अंत सर्वसम्मति से संयुक्त घोषणापत्र के साथ ही कई अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जारी किए जाएंगे। भारत की मेजबानी में वैश्विक स्तर का यह आयोजन होने जा रहा है और वह इस संबंध में पूरी तरह से आश्वस्त है। मामले पर उसके और अफ्रीकी पक्ष के बीच कोई गलतफहमी नहीं है। महाद्वीप के सभी देशों को सम्मेलन में भागीदारी करने के लिए आमंत्रित किया गया है। सरकारी सूत्रों ने शनिवार को बताया कि सम्मेलन 28 से लेकर 31 मई तक चलेगा। जिसकी शुरुआत 28 मई को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक के साथ होगी, 29 मई को भारत-अफ्रीकी देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक होगी और उसके बाद 30-31 मई को मुख्य शिखर सम्मेलन होगा। जिसमें भारत की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अफ्रीकी देशों के शीर्ष नेता और संगठनों के प्रमुख शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी की आम सहमति से एक संयुक्त घोषणापत्र जारी किया जाएगा। सम्मेलन भारत के 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य और अफ्रीका के ⏩ शेष पेज 5 पर

यह जानकारी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर दी है

30 मई को सेवानिवृत्त होंगे मौजूदा सीडीएस जनरल चौहान, उनकी जगह पर कार्यभार संभालेंगे लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि

31 मई को सेवानिवृत्त होंगे एडमिरल डी.के. त्रिपाठी, उनकी जगह पर अपना पदभार ग्रहण करेंगे वाइस एडमिरल स्वामीनाथन

लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि होंगे देश के अगले सीडीएस, कृष्णा स्वामीनाथन को मिली नौसेनाप्रमुख की जिम्मेदारी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

एनएस राजा सुब्रमणि

कृष्णा स्वामीनाथन

पश्चिम-एशिया संकट और देश की सीमाओं पर मौजूद सुरक्षा चुनौतियों के बीच केंद्र सरकार ने शनिवार को रक्षा क्षेत्र के दो महत्वपूर्ण शीर्ष पदों पर नई नियुक्तियों की घोषणा की है। जिसमें सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एन.एस.राजा सुब्रमणि को भारत के अगले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) और रक्षा मंत्रालय में सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। जबकि नए नौसेनाप्रमुख के रूप में मौजूदा उप-नौसेनाप्रमुख वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन की नियुक्ति की गई है। लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि, इस महीने के अंत में 30 मई को अपने विस्तारित कार्यकाल के साथ सेवानिवृत्त हो रहे मौजूदा सीडीएस जनरल अनिल चौहान की जगह लेंगे और वाइस एडमिरल स्वामीनाथन वर्तमान नौसेनाध्यक्ष एडमिरल दिनेश कुमार ⏩ शेष पेज 5 पर

नौसेना की दक्षिणी कमांड का रहा अनुभव

रियर एडमिरल के पद पर पदोन्नति से पहले वाइस एडमिरल स्वामीनाथन नौसेना की कोच्चि में मौजूद दक्षिणी कमांड में चीफ स्टाफ अधिकारी (ट्रेनिंग) के रूप में कार्यरत थे। जिसमें उन्होंने नौसेना में बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण की अहम जिम्मेदारी संभाली। साथ ही इंडियन नेवी सेफ्टी टीम का भी गठन किया। जो बल की तमाम शाखाओं में रणनीतिक सुरक्षा का काम देखती है। समुद्री प्रशिक्षण के फ्लैग अधिकारी के रूप में वह संगठन प्रमुख भी रहे। जिसके बाद उन्हें पश्चिमी नौसेना कमांड के प्रमुख के रूप में पदोन्नत किया गया। उन्होंने फ्लैग ऑफिसर ऑफशोर डिफेंस एडवाइजरी ग्रुप एंड एडवाइजर तथा सरकार के ऑफशोर सिक्योरिटी एंड डिफेंस के पद पर भी अपने दायित्व को बखूबी संभाला है।

खबर संक्षेप

आईपीएल टिकटों की कालाबाजारी करने वाले तीन अरेस्ट

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों के टिकटों की कालाबाजारी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। कॉम्प्लिमेंटरी पास और सामान्य टिकट अत्यधिक कीमतों पर बेचने वाले आरोपियों के नाम मुकीम (35), गुफरान उर्फ साजिद (36) और मोहम्मद फैसल (38) बताये गये हैं। पुलिस के अनुसार क्राइम ब्रांच की एक टीम ने आईपीएल टिकटों की अवैध बिक्री के बारे में सूचना मिलने के बाद आठ मई को दिल्ली गेट के पास एक जाल बिछाया। आरोपी खुद को दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अधिकृत प्रतिनिधि बताकर बढ़ी हुई कीमतों पर टिकट बेच रहे थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से 33 'कॉम्प्लिमेंटरी पास' समेत 54 आईपीएल टिकट बरामद किए गए। कॉम्प्लिमेंटरी पास' पर नॉट फॉर सेल लिखा था यानि वे बेचने के लिये नहीं थे। इसके अलावा उनके पास से 25 हजार रुपये नकदी भी बरामद हुई। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 'कॉम्प्लिमेंटरी पास' को लगभग 20 हजार रुपये प्रति पास और सामान्य टिकट को उनके मुद्रित मूल्य से दोगुने अधिक दाम में बेचा। आरोपी उन अलग-अलग शहरों में आईपीएल टिकटों की कालाबाजारी करने वाले नेटवर्क का हिस्सा थे, जहां मैच आयोजित किए जाते थे। पुलिस के अनुसार आरोपी कथित तौर पर विमान से विभिन्न मैच स्थलों पर जाते थे और अलग-अलग स्रोतों के जरिए टिकट तथा पास जुटाते थे।

कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भजनपुरा मेट्रो स्टेशन के नजदीक एक कार ने मोटर साइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में मोटर साइकिल पर सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को जानकारी दी कि हादसा आठ और नौ मई की दरमियानी रात खजूरी खास इलाके में हुआ। पुलिस के अनुसार घटनास्थल पर एक बुलेट मोटरसाइकिल और एक मारुति सेलेरियो कार मिली। जांच में सामने आया कि कार ने पीछे से मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मारी, जिससे दोनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। पीसीआर वैन से दोनों को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान करावल नगर निवासी रोहित (31) और हेमंत (33) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना कर सबूत जुटाए और शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। कार चालक हिमांशु (27) को गिरफ्तार कर लिया गया है और वाहन जब्त कर लिया है। पुलिस ने बताया कि हादसे की सही परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

काला जठेड़ी गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिले की बाबा हरिदास नगर पुलिस ने संदीप उर्फ काला जठेड़ी गिरोह के दो बदमाशों को दिचाऊं रोड, यूईआर फ्लाईओवर से गिरफ्तार किया है। बदमाशों के नाम अंकित (19) और विनोद उर्फ बौना (28) बताये गये, जो नजफगढ़ के झड़ौदा कलां के रहने वाले हैं। दोनों को रात्रि गश्ती टीम ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक तमंचा और एक कारतूस बरामद किया, जबकि विनोद से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और एक कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे काला जठेड़ी गिरोह के लिए काम करते हैं।

दूरदर्शन भवन में ट्रांसफार्मर में आग लगी

नई दिल्ली। मंडी हाउस इलाके में दूरदर्शन भवन के ट्रांसफार्मर में शनिवार को आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग के अनुसार दोपहर दो बजकर पांच मिनट पर दूरदर्शन भवन में आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंची। दोपहर दो बजकर 25 मिनट तक आग पर काबू पा लिया गया।

दिल्ली सरकार ने सेंट्रल रिज के 673 हेक्टेयर क्षेत्र को दिया आरक्षित वन का दर्जा

रिज क्षेत्रों में लगाए जाएंगे देसी वृक्ष, जैव विविधता व पर्यावरण संतुलन होगा मजबूतः रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार और प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में दिल्ली सरकार ने एक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 20 के तहत सेंट्रल रिज क्षेत्र के लगभग 673.32 हेक्टेयर क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित कर दिया है। यह क्षेत्र वन विभाग के पश्चिमी वन प्रभाग के अधीन है। आरक्षित वन क्षेत्र सरदार पटेल मार्ग तथा राष्ट्रपति भवन एस्टेट के आसपास के हिस्सों से जुड़ा हुआ है। इस बात की जानकारी शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दी है। मुख्यमंत्री के अनुसार सरकार पहले ही निर्णय ले चुकी है कि आरक्षित वन घोषित किए गए रिज क्षेत्रों में जहां भी उपयुक्त और खाली भूमि उपलब्ध होगी, वहां बड़े स्तर पर देसी एवं पर्यावरण के अनुकूल प्रजातियों के वृक्ष लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि दिल्ली सरकार का यह निर्णय राजधानी की प्राकृतिक विरासत, जैव विविधता और पर्यावरणीय सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली के पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील रिज क्षेत्रों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करने का विषय कई दशकों से लंबित था। हमारी सरकार ने प्रतिबद्धता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ सेंट्रल रिज क्षेत्र के लगभग 673.32 हेक्टेयर क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित किया है। यह निर्णय पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित व संतुलित भविष्य सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी की हरित संपदा को संरक्षित करने और पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों को सुरक्षित रखने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सेंट्रल रिज क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित किए जाने के साथ ही तीन दशक से अधिक समय से लंबित एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया अब पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 में रिज क्षेत्रों को प्रारंभिक अधिसूचना जारी किए जाने के बावजूद लंबे समय तक इन्हें अंतिम कानूनी संरक्षण नहीं मिल सका था। वर्तमान सरकार ने इस दिशा में ठोस पहल करते हुए सेंट्रल रिज क्षेत्र को भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 20 के तहत आरक्षित वन घोषित कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेंट्रल रिज क्षेत्र राजधानी के मध्य में स्थित है और यह अपर रिज रोड के दोनों ओर फैला हुआ है। यह क्षेत्र सरदार पटेल मार्ग और राष्ट्रपति भवन एस्टेट के आसपास के महत्वपूर्ण हिस्सों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली रिज, प्राचीन अरावली पर्वतमाला का विस्तार है और इसे राजधानी का 'ग्रीन लंग्स' माना जाता है। यह क्षेत्र वायु गुणवत्ता सुधारने, जैव विविधता को संरक्षित करने, भूजल स्तर को मजबूत करने, जलवायु परिवर्तन और शहरी प्रदूषण के दुष्प्रभावों को कम करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आरक्षित वन घोषित किए गए रिज क्षेत्रों में जहां भी उपयुक्त और खाली भूमि उपलब्ध होगी, वहां बड़े स्तर पर देसी एवं पर्यावरण के अनुकूल प्रजातियों के वृक्ष लगाए जाएंगे। इनमें नीम, पीपल, शीशम, जामुन, इमली और आम जैसे पेड़ शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि रिज क्षेत्रों की पारिस्थितिकी को मजबूत करना, जैव विविधता का संरक्षण करना तथा भूमि की उर्वरता और प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना है।

जल्द ही अन्य रिज क्षेत्रों को आरक्षित वन घोषित किया जाएगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के अन्य रिज क्षेत्रों को भी शीघ्र ही धारा 20 के तहत आरक्षित वन घोषित किया जाएगा और इसके लिए प्रक्रिया तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि वर्ष 1994 में दिल्ली के सभी पांच रिज क्षेत्रों को भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 4 के तहत अधिसूचित किया गया था। इसके बाद पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में पिछले वर्ष 24 अक्टूबर को दक्षिणी रिज क्षेत्र के लगभग 4080.82 हेक्टेयर क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित किया गया था। अब सेंट्रल रिज के 673.32 हेक्टेयर क्षेत्र की अधिसूचना के साथ वर्तमान सरकार अब तक कुल 4754.14 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को आरक्षित वन का दर्जा प्रदान कर चुकी है।

दिल्ली के पर्यावरणीय संतुलन को स्थायी रूप से करना है मजबूत

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेंट्रल रिज क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित किए जाने से अब इस क्षेत्र को अधिक मजबूत वैधानिक सुरक्षा प्राप्त होगी। इससे अतिक्रमण, अवैध गतिविधियों तथा पर्यावरणीय क्षरण पर प्रभावी रोक लगाने में सहायता मिलेगी। साथ ही वन विभाग द्वारा रिज क्षेत्रों में चलाए जा रहे संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन कार्यों को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार वैज्ञानिक वन प्रबंधन, पारिस्थितिकी संरक्षण और हरित क्षेत्र विस्तार को लेकर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि दिल्ली के पर्यावरणीय संतुलन को स्थायी रूप से मजबूत करना है। यह निर्णय आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, सुरक्षित पर्यावरण और बेहतर जीवन गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

ठगी की रकम के लेनदेन में शामिल तीन खातों के संचालक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने फर्जी आईपीओ निवेश, डिजिटल अरेस्ट और विदेशी मुद्रा कारोबार के नाम पर साइबर ठगी करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर ठगी की करीब 1.22 करोड़ रुपये की रकम के लेनदेन में शामिल तीन खातों के संचालन का आरोप है। गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश से आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार क्राइम ब्रांच की साइबर टीम ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के तीन मामलों का खुलासा किया है, जिनमें पीड़ितों से सोशल मीडिया समूहों, फर्जी वेबसाइट और प्रतिरूपण के माध्यम से फर्जी वित्तीय योजना का प्रलोभन देकर ठगी की थी। पुलिस ने बताया कि 30 मई 2025 को दर्ज कराई गई पहली प्राथमिकी के मुताबिक पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर के रहने वाले एक शख्स से कथित तौर पर फर्जी शेयर बाजार और आईपीओ योजना का प्रलोभन देकर करीब 46.66 लाख रुपये की ठगी की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि ठगी करने के बाद 6.71 लाख रुपये की राशि सूरत स्थित एक कंपनी के बैंक खाते में जमा कराई गई थी। खाते के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता की पहचान राजेश रत्नाभाई हाडिया के रूप में हुई। उसे गुजरात से गिरफ्तार किया गया। हाडिया ने कथित तौर पर कमीशन के आधार पर साइबर अपराध से प्राप्त राशि के लेनदेन को अंजाम देने के लिए बैंक खाता उपलब्ध कराया था। यह खाता राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर दर्ज तीन शिकायतों से जुड़ा पाया गया, जिनमें वर्तमान मामला भी शामिल हैं।

14 अप्रैल को दर्ज कराई गई दूसरी प्राथमिकी के मुताबिक शिकायतकर्ता को कथित तौर पर मुंबई अपराध शाखा, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) के अधिकारियों के रूप में खुद को पेश करने वाले साइबर ठगों ने 'डिजिटल अरेस्ट' किया। गिरफ्तारी का डर दिखाकर पीड़ित से ठगों ने कई बैंक खातों में 36.19 लाख रुपये स्थानांतरित कराएं। जांच में राजस्थान के कोटा स्थित एक फर्म से जुड़े खातों में 5.90 लाख रुपये जमा कराने की जानकारी मिली। मामले में पुलिस ने मुसावीर खान को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर कमीशन के आधार पर धोखाधड़ी से प्राप्त राशि के लेनदेन के लिए एक वित्तीय परामर्श फर्म के माध्यम से कई बैंक खाते संचालित करता था।

पुलिस के मुताबिक नवंबर 2025 में दर्ज तीसरे मामले में गगन विहार एक्सटेंशन के एक निवासी ने सोशल मीडिया के माध्यम से विदेशी मुद्रा का कारोबार करने के नाम पर 40.12 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाया था। पीड़ित को शुरू में विश्वास हासिल करने के लिए छोटी-छोटी रकम निकालने की अनुमति दी गई थी, लेकिन बाद में बड़ी रकम जारी करने के लिए अतिरिक्त शुल्क और कर जमा करने के लिए कहा गया। धोखाधड़ी से प्राप्त 8.82 लाख रुपये की राशि शुभम राठौर के खाते में जमा की गई थी, जिसे भोपाल से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि अक्टूबर और नवंबर 2025 के बीच उसके खाते में 1.38 करोड़ रुपये की संदिग्ध लेनदेन की जानकारी मिली। यह खाता कथित तौर पर एनआरसीपी पोर्टल पर दर्ज 15 साइबर अपराध शिकायतों से जुड़ा हुआ मिला। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान राठौड़ ने खुलासा किया कि उसने कमीशन के आधार पर 50 हजार रुपये में बैंक खाता किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया था।

आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचे एलजी संधू ने परिचालन सिस्टम की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के संचालन को लेकर संचालन कंपनी जीएमआर एयरो द्वारा रखी गई प्रस्तूती की समीक्षा करने उपराज्यपाल हवाई अड्डा पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित कंपनी द्वारा विभिन्न तरीकों से दी गई प्रस्तूती व रिपोर्ट की गहराई से समीक्षा की। जानकारी अनुसार एलजी ने कहा कि तकनीकी रूप से उन्नत विमानन क्षेत्र के लिए पीएम नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप, दिल्ली एयरपोर्ट की परिचालन उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता देखी। एलजी ने कहा कि यहां काफी प्रभावशाली तरीके से लैंडफिल में शून्य कचरा (जीरो वेस्ट टू लेंडफिल) नीति का वास्तविक तरीके से कार्यान्वयन और जल संचयन की मज़बूत संरचनाओं ने भारत में सतत बुनियादी ढांचे के लिए एक सराहनीय मानक स्थापित किया है। उपराज्यपाल ने दिल्ली में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यवसायों को आकर्षित करने के लिए हमारे विश्व-स्तरीय हवाई अड्डे और एयरोसिटी इकोसिस्टम का लाभ उठाने के महत्व पर ज़ोर दिया। एलजी के अनुसार इससे वाणिज्य, पर्यटन और निवेश के वैश्विक केंद्र के रूप में राजधानी की स्थिति और मज़बूत होगी। एलजी ने कहा कि अपनी इस यात्रा के दौरान, मैंने फ़ूड कोर्ट में यात्रियों से भी बातचीत की, ताकि हवाई अड्डे पर उनके आने जाने के अनुभव के बारे में उनके विचार और प्रतिक्रियाएँ सीधे जान सकूँ। एलजी ने कहा कि विमानों के आवागमन से होने वाले ध्वनि प्रदूषण की समस्या का समाधान करते हुए, तेज़ विकास और निवासियों के कल्याण के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया गया है। एलजी ने दोहराया कि हम एक ऐसे विमानन केंद्र को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो एक वैश्विक व्यावसायिक आकर्षण होने के साथ-साथ पर्यावरणीय रूप से भी ज़िम्मेदार हो।

बायोएनर्जी वैल्यू चेन के 5वें अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन और एक्सपो को संधू ने किया संबोधित

नई दिल्ली। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने बायोएनर्जी वैल्यू चेन 2026 (बीबीबी) पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन और एक्सपो को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए एलजी ने कहा कि यहां संबोधन करना मेरे लिए खुशी की बात है। यह पीएम नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु दायित्व के क्षेत्र में एक अग्रणी वैश्विक आवाज बनकर उभरा है। उनके दृढ़ विश्वास से प्रेरित होकर, हम निर्णायक कदमों और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों के माध्यम से, धीरे-धीरे एक नेट-जीरो भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते दिल्ली को दुनिया भर के आधुनिक शहरों जैसी कई पर्यावरणीय और शहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जैसे वायु प्रदूषण, शहरी गर्मी का तनाव, कचरा प्रबंधन, आवागमन का दबाव और पारिस्थितिक स्थिरता। लेकिन दिल्ली के पास शहरी पर्यावरण में बदलाव का एक मॉडल बनने का अवसर भी है। एलजी ने कहा कि एक ज्यादा हरा-भरा दिल्ली, जीवन की गुणवत्ता और जलवायु लचीलापन दोनों के लिए ही केंद्र बिंदु बनना चाहिए। इस संबंध में, यमुना नदी के बाढ़ वाले मैदानों में जैव विविधता क्षेत्रों का विकास और पारिस्थितिकी बहाली के प्रयास विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि यमुना केवल एक जल निकाय नहीं है, यह एक पारिस्थितिकी जीवन रेखा है। जिसकी बहाली दिल्ली के पर्यावरणीय भविष्य से गहराई से जुड़ी हुई है। इसी तरह, शहरी बागवानी, पेड़ों का विस्तार, छाया देने वाले बुनियादी ढांचे और मियावाकी-शैली के घने वृक्षारोपण गर्मी के तनाव को कम करने, हवा की गुणवत्ता में सुधार करने और शहरी लचीलेपन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण उपाय हैं।

डीडीएमए सख्त : यमुना बाढ़ क्षेत्र में 52 अवैध ढांचों को खाली करने का नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

जीवन, संपत्ति व सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बने यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र (ओ-जोन) में हो रहे अवैध कब्जे को लेकर दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने बेहद सख्त रुख अपनाया है और यमुना बाजार घाटों पर बाढ़-नियंत्रण सीमा दीवार के अंदर बने 52 असुरक्षित ढांचों को खाली करने के नोटिस किया है। अधिकारियों के मुताबिक 2023 और 2025 में यमुना में आई बार-बार की बाढ़ ने राजधानी को भारी नुकसान पहुंचाया था। इन बाढ़ों के दौरान बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाए गए, जिससे सरकारी संसाधनों पर भारी बोझ पड़ा। बाढ़ प्रभावित इलाकों में अवैध निर्माणों के कारण न केवल स्थानीय निवासियों की जान-माल को खतरा हुआ, बल्कि बचाव कार्यों में भी बाधा उत्पन्न हुई। कई परिवारों को बार-बार विस्थापित होना पड़ा और सरकारी खर्च में आश्चर्यजनक वृद्धि दर्ज की गई। डीडीएमए अधिकारियों के अनुसार बाढ़-नियंत्रण क्षेत्र के अंदर किसी भी प्रकार के स्थायी या अस्थायी ढांचे बनाना खतरनाक और अवैध है। इन 52 ढांचों में रह रहे लोगों को नोटिस में 7 से 15 दिनों के अंदर स्वेच्छा से स्थान खाली करने को कहा गया है। यदि अनुपालन नहीं किया गया तो प्रशासन मजबूरन बुलडोजर कार्रवाई करेगा।

■ वर्ष 2023 और 2025 में यमुना में आई बार-बार की बाढ़ ने राजधानी को भारी नुकसान पहुंचाया था : अधिकारी

अधिकारी ने बताया कि मानव जीवन की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बाढ़ क्षेत्र को खाली कराकर इसे उसके प्राकृतिक स्वरूप में बहाल करना जरूरी है, ताकि भविष्य में बाढ़ की स्थिति में तेजी से राहत कार्य किए जा सकें। पर्यावरणविदों और विशेषज्ञों का कहना है कि यमुना बाढ़ क्षेत्र में अवैध कब्जे न केवल बाढ़ के खतरे को बढ़ाते हैं, बल्कि नदी की पर्यावरणीय व्यवस्था को भी बिगाड़ते हैं। इन क्षेत्रों में सीमेंट-कंक्रीट के निर्माण जल निकासी को अवरुद्ध कर देते हैं, जिससे बाढ़ का पानी तेजी से फैलता है। स्थानीय निवासियों में मिश्रित प्रतिक्रियाएं हैं। कुछ लोगों ने सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन के कदम का स्वागत किया है, जबकि कुछ प्रभावित परिवार वैकल्पिक पुनर्वास की मांग कर रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पुनर्वास की प्रक्रिया संबंधित योजनाओं के तहत की जाएगी, लेकिन बाढ़ क्षेत्र को किसी भी हाल में खाली कराया जाएगा। यह कार्रवाई दिल्ली को बाढ़ से सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रेलवे अंडर ब्रिज की बदहाल सफाई व्यवस्था को देखकर महापौर ने लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में सफाई व्यवस्था को लेकर 'सिंधोरा कला गाँव स्थित रेलवे अंडर ब्रिज की बदहाल सफाई व्यवस्था को देखकर दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने मौके पर ही अधिकारियों और कर्मियों को फटकार लगाई तथा स्वयं वहाँ खड़े रहे जब तक अंडरपास से गंदगी हटाने का कार्य प्रारंभ नहीं हो गया। सफाई का कार्य शुरू होने व निगम के कूड़ा उठाने वाले ट्रकों के पहुँचने के बाद महापौर वहाँ से दूसरे स्थान पर निरीक्षण के लिए रवाना हुए।' बता दें कि महापौर पद संभालने के बाद से ही प्रवेश वाही ने जमीनी स्तर पर निरीक्षण शुरू कर दिए हैं। इसी कड़ी में शनिवार को जमीनी स्तर पर सफाई व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए महापौर ने केशवपुरम जोन के अंतर्गत कमला नगर (वार्ड संख्या-69) क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने सर्वप्रथम नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं एवं उनके

■ केशवपुरम जोन के अंतर्गत कमला नगर क्षेत्र का किया निरीक्षण

त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि दिल्ली नगर निगम, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में नागरिकों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि निगम पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ जनता की सेवा कर रहा है तथा सभी निगम पार्षद दिन-रात नागरिकों की सेवा के लिए संकल्पित हैं। प्रवेश वाही ने नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया। केशवपुरम जोन के अंतर्गत कमला नगर क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय निगम पार्षद रेनू अग्रवाल, अपर आयुक्त लीलाधर मेघवाल, क्षेत्रीय उपायुक्त मोहित बंसल सहित निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

तत्काल कार्रवाई से क्षेत्रीय नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया

रेलवे अंडर ब्रिज में फैली गंदगी के विरुद्ध महापौर की तत्काल कार्रवाई से क्षेत्रीय नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया तथा क्षेत्र की महिलाओं ने महापौर का आभार प्रकट किया। इसके साथ ही महापौर ने अधिकारियों को अंडर ब्रिज में समुचित प्रकाश व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके बाद महापौर ने सिंधोरा कला में बने ढलाव की अत्यंत खराब स्थिति पर गहरा असंतोष व्यक्त किया।

स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए चार टीमें गठित

दिल्ली सरकार के अस्पतालों का वरिष्ठ अधिकारी करेंगे निरीक्षण

दया राम ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने राजधानी के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और व्यवस्थाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से बड़ा फैसला लिया है। अब दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने वरिष्ठ अधिकारियों की चार विशेष टीमें गठित की हैं, जो समय समय पर एक-एक अस्पताल का दौरा करेंगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अस्पतालों में चिकित्सा सेवाओं की प्रभावी निगरानी और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह कदम उठाया गया है। निरीक्षण टीमें अस्पतालों की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपेंगी।

स्वास्थ्य विभाग ने विभिन्न अस्पतालों के निरीक्षण के लिए चार टीमों का गठन किया है, जिनमें आईएएस अधिकारी, डिप्टी सेक्रेटरी और सेक्शन ऑफिसर भी शामिल हैं।

निरीक्षण में इन बिंदुओं पर रहेगा विशेष फोकस

निरीक्षण के दौरान डॉक्टरों, पैरामेडिकल और अन्य कर्मचारियों की उपलब्धता व उपस्थिति, ओपीडी, आईपीडी, इमरजेंसी और आईसीयू सेवाओं की कार्यप्रणाली, आवश्यक दवाइयों, उपकरणों और उपभोग सामग्री की उपलब्धता, अस्पतालों में सफाई, सैनिटेशन और संक्रमण नियंत्रण व्यवस्था, मरीजों की देखभाल, शिकायत निवारण प्रणाली और मरीज संतुष्टि, रिकॉर्ड रखरखाव और मानक उपचार प्रोटोकॉल का पालन, लैब और डायग्नोस्टिक सेवाओं की स्थिति, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट और सुरक्षा मानकों का पालन आदि व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी।

मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी

स्वास्थ्य विभाग ने सभी अस्पतालों के मेडिकल सुपरिटेंडेंट और विभागाध्यक्षों को निरीक्षण टीमों को पूर्ण सहयोग देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आईटी शाखा को सात दिनों के भीतर ऑनलाइन निरीक्षण मॉड्यूल विकसित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। दिल्ली सरकार का मानना है कि इस पहल से अस्पतालों में जवाबदेही बढ़ेगी और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

ठंडा पानी और ओआरएस की सुविधा से मिलेगी हीट वेव से राहत : रेखा

दिल्ली सरकार ने जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन के पास बनाया कूलिंग जोन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार लगातार बढ़ रही गर्मी और हीट वेव की स्थिति को देखते हुए पूरी गंभीरता के साथ हीट वेव एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है। इसी दिशा में ओल्ड दिल्ली डिस्ट्रिक्ट की पहल पर पुरानी दिल्ली क्षेत्र में जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन के पास आम लोगों की सुविधा और राहत के लिए विशेष कूलिंग जोन तैयार किया गया है। इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल व्यवस्थाएं बनाना नहीं, बल्कि लोगों तक वास्तविक राहत पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान बाजारों, धार्मिक स्थलों और पर्यटन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में पुराने दिल्ली क्षेत्र जैसे संवेदनशील और अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले इलाकों में इस प्रकार की सुविधाएं लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रही हैं। यह कूलिंग जोन, मोबाइल हीट वाहन से अलग एक स्थायी राहत केंद्र के रूप में तैयार किया गया है, जहां लोगों को बैठने, आराम करने और गर्मी से तत्काल राहत पाने की सुविधा मिल रही है। यहां लगभग 70 से 80 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है ताकि राहगीर, पर्यटक, रिक्शा चालक, श्रमिक, बुजुर्ग और अन्य लोग कुछ समय रुक कर राहत महसूस कर सकें। उन्होंने कहा कि कूलिंग जोन में वाटर कूलर के माध्यम से लगातार ठंडे पानी की व्यवस्था की गई है। साथ ही लोगों को ओआरएस युक्त पानी भी उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि शरीर में पानी और आवश्यक लवणों की कमी न हो तथा हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं से बचाव किया जा सके। सरकार की प्राथमिकता है कि गर्मी के इस कठिन दौर में कोई भी व्यक्ति असुविधा महसूस न करे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राजधानी के उन सभी इलाकों की पहचान की जाए जहां लोगों की अधिक आवाजाही होती है और वहां इसी प्रकार की राहत सुविधाएं विकसित की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार हीट वेव से निपटने के लिए बहुस्तरीय रणनीति पर काम कर रही है। इसके तहत विभिन्न जिलों में राहत सुविधाएं, पेयजल उपलब्धता, जागरूकता अभियान और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष प्रबंधन किया जा रहा है।

'सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश'

सरकार का प्रयास है कि गर्मी के प्रभाव को कम करने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय रहे। आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने की संभावना को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि तेज धूप के दौरान आवश्यक सावधानी बरतें, पर्याप्त पानी पीते रहें और जरूरत पड़ने पर सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही राहत सुविधाओं का उपयोग करें।

फिर मौसम का बदल सकता है मिजाज

राजधानी में तेज हवाएं और बारिश की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी में एक बार फिर मौसम करवट लेने वाला है। सोमवार व मंगलवार को दिल्ली में बारिश व तेज हवाओं की संभावना को लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। जबकि वीकेंड यानी रविवार को आसमान साफ सुथरा रहने की संभावना व्यक्त की गई है। आईएमडी के अनुसार शनिवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 36.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 2.4 डिग्री नीचे है। जबकि न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस रहा जो इस मौसम के सामान्य से 1.3 डिग्री नीचे है। वहीं निजी मौसम विज्ञान अनुमान कंपनी स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलावत का कहना है कि एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस पहाड़ों पर अगले 24 घंटे के दौरान पहुंचने वाला है। जिससे 10 मई से जम्मू कश्मीर में बारिश शुरू हो जाएगी। जिसके बाद 11 और 12 को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी बारिश देखेंगे। 11 मई से पंजाब हरियाणा, दिल्ली तथा राजस्थान के कुछ जिलों में गरज और चमक के साथ धूल भरी आंधी तथा बारिश आने की संभावना बन रही है।

दिल्ली के आश्रयों में लगाए गए 'रैन बसेरा ऐप' के क्यूआर कोड

नई दिल्ली। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) ने रैन बसेरों के पास स्थित सरकारी अस्पतालों की पहचान कर ली है और राजधानी के आश्रयों में 'रैन बसेरा ऐप' के क्यूआर कोड लगाए हैं, ताकि प्रतिकूल मौसम के दौरान वहां रहने वाले लोग आपातकालीन सहायता प्राप्त कर सकें। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आश्रय स्थलों पर आस-पास के अस्पतालों की जानकारी, आपातकालीन प्रतिक्रिया नंबर और डूसिब के ग्रीष्मकालीन नियंत्रण कक्ष के संपर्क विवरण प्रदर्शित करने वाले बैनर लगाए गए हैं, ताकि आपात स्थिति में समय पर चिकित्सा सहायता सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में भीषण गर्मी की आशंका के मद्देनजर आश्रय गृहों में रहने वाली बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए डूसिब ने उपायों पर अमल तेज कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि सभी आश्रय गृह में वहां रहने वाले लोगों के लिए दिन में तीन बार भोजन, स्वच्छता, पीने का पानी और बिस्तर सहित बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

खबर संक्षेप

दिल्ली नगर निगम ने अवैध प्रचार सामग्री पर की कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के विज्ञापन विभाग ने रोहिणी और नरेला जोन के कई इलाकों में अवैध विज्ञापनों और अवैध प्रचार सामग्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। निगम सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले एक सप्ताह के दौरान कई मुख्य मार्गों पर बड़ी संख्या में अवैध प्रचार सामग्री जैसे विज्ञापन बोर्ड, होर्डिंग्स को हटाया। निगम सूत्रों के अनुसार इन विज्ञापनों में निगम की विज्ञापन नीति का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा था, जिसको लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के संज्ञान में आने के बाद निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से लगाए गए बोर्ड और फ्लेक्स हटाए। कार्रवाई के दौरान कई स्थानों पर बिना अनुमति के लगाए गए विज्ञापन ढांचे भी तोड़े गए।

पार्कों का होगा सौंदर्यीकरण: यादव

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के बेगमपुर वार्ड-27 के अंतर्गत रोहिणी सेक्टर-24 स्थित पॉकेट 15ए एवं पॉकेट 12 के पार्कों में निगम में नेता सदन एवं स्थायी समिति सदस्य जय भगवान यादव बाउंड्री व ट्रैक निर्माण कार्य का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर नेता सदन यादव ने स्थानीय निवासियों और आरडब्ल्यूए सदस्यों के साथ पार्कों का निरीक्षण भी किया। कार्यक्रम में आरडब्ल्यूए पदाधिकारी, स्थानीय निवासी तथा एमसीडी के अधिकारी मौजूद रहे। जय भगवान यादव ने कहा कि वार्ड के सभी पार्कों का चरणबद्ध तरीके से सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि लोगों को स्वच्छ, सुंदर और बेहतर वातावरण मिल सके।

बंगला साहिब में सस्ती एंडोस्कोपी और मिनी ओटी सेवा की शुरुआत

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा 50 रुपये में एमआरआई सेवा के बाद अब बंगला साहिब में सस्ती एवं सुलभ एंडोस्कोपी और मिनी ऑपरेशन थिएटर सेवा की शुरुआत हो गई है। इस बारे में कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका व जनरल सेक्रेटरी जगदीप सिंह काहलो ने बताया कि शनिवार को बंगला साहिब में गुरु हरकृष्ण पोलिक्लिनिक में एंडोस्कोपी और मिनी ओटी सेवा की शुरुआत कर दी गई है। इसके बाद एंडोस्कोपी के साथ-साथ ब्रोंकोस्कोपी और अन्य टेस्ट भी बाजार की तुलना में कम दरों पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि इन टेस्टों की शुरुआत के लिए हमारे गुरु हरकृष्ण पोलिक्लिनिक के चेयरमैन सरदार भूपिंदर सिंह भुल्लर और उनकी टीम ने कड़ी मेहनत की है।

सीएम ने 15 महीनों के कार्यकाल में घोषणाओं के सिवा कुछ नहीं किया: यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाए है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खुद ही स्वीकार कर लिया है कि उनके अपने 15 महीनों के कार्यकाल में कुछ विकास कार्य नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सीएम ने माना है कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पेयजल, स्वच्छ शौचालयों, भवनों के स्ट्रक्चर, अग्नि सुरक्षा उपायों, शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता सहित गर्मी से निपटने की व्यवस्था पर घोषणाओं के सिवा कुछ किया ही नही है।

यादव ने कहा कि रेखा गुप्ता को सरकारी स्कूलों के व्यापक संरचनात्मक ऑडिट कराने के आदेश की बजाय तुरंत स्कूलों में पर्याप्त शिक्षकों की नियमित नियुक्ति और वहां पढ़ने वाले गरीब बच्चों की मौलिक सुविधाओं और व्यवस्थाओं को लागू करने के लिए काम करना चाहिए। यादव ने शक जाहिर करते हुए कहा कि सीएम द्वारा रुप नगर के सर्वोदय विद्यालय में औचक निरीक्षण के बाद स्कूलों में व्यवस्थाओं की भारी कमी, बदहाली, शिक्षकों की कमी और मौलिक सुविधाओं की कमी होने पर सभी सरकारी स्कूलों के व्यापक संरचनात्मक ऑडिट की घोषणा करना पूरी तरह नियोजित कार्यक्रम दिखाई पड़ता है। क्योंकि पिछले 15 महीनों में जब भाजपा सरकार ने दिल्ली के स्कूलों में पेयजल, स्वच्छ शौचालयों, भवनों के स्ट्रक्चर, अग्नि सुरक्षा उपायों, शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता सहित गर्मी से निपटने की व्यवस्था पर घोषणाओं के सिवा कुछ किया ही नही है, फिर ऑडिट कराने का आदेश कोरा ढकौसला है। यादव ने कहा कि राजधानी में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों की दिल्ली के कुल स्कूलों में हिस्सेदारी लगभग 22.9 प्रतिशत है।

'जनगणना अभियान को लेकर डीएम कार्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के राजस्व विभाग अलीपुर स्थित एसडीएम कार्यालय में जनगणना अभियान को लेकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को जनगणना प्रक्रिया, सेल्फ एन्यूमरेशन (स्व-गणना) और नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर डीएम विशाखा यादव, एसडीएम मुख्यालय नीलम, एडीएम तथा एसडीएम नरेला सहित आउटर नॉर्थ जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में जनगणना के प्रचार-प्रसार और लोगों को जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। इनमें छत्रसाल स्टेडियम के एशियाई और कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन गोल्ड मेडलिस्ट एवं दिल्ली खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित प्रदीप कुमार, गोल्ड मेडलिस्ट वीरेंद्र कुमार, समाजसेवी एवं रेसलर मास्टर राजवीर, इंटरनेशनल प्लेयर और इंटरनेशनल कोच दीपक चाहर, अंडर-15 नेशनल चैंपियनशिप गोल्ड मेडलिस्ट अरमान, वंश स्कूल नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट तथा दिल्ली के रमेश चंद शामिल रहे, जिन्होंने पैदल चलकर अपना वजन 137 किलो से घटाकर 67 किलो किया।

■ दिल्ली के नागरिकों से पूछे जाएंगे लगभग 35 सवाल

लोगों को घर-घर जाकर जागरूक करने का संदेश दिया

कार्यक्रम के दौरान सभी खिलाड़ियों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों ने लोगों से अपील की कि वे जनगणना अभियान का सक्रिय हिस्सा बनें और सेल्फ एन्यूमरेशन (स्व-गणना) प्रक्रिया को समझें। अधिकारियों ने बताया कि जनगणना के दौरान नागरिकों से लगभग 35 सवाल पूछे जाएंगे, जिन्हें मोबाइल के माध्यम से स्वयं भी भरा जा सकता है। इस मौके पर अधिकारियों और खिलाड़ियों ने लोगों को घर-घर जाकर जागरूक करने का संदेश दिया और कहा कि हर नागरिक को जिम्मेदारी के साथ इस राष्ट्रीय अभियान में भाग लेना चाहिए।

उपराज्यपाल ने की डीडीए द्वारा तैयार वॉटर बॉडी एक्शन प्लान की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आगामी दिनों में पड़ने वाली भीषण गर्मी को देखते हुए उपराज्यपाल द्वारा दिए गए 77 वॉटर बॉडी के कायाकल्प के निर्देश पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा दी गई एक प्रेजेंटेशन की समीक्षा एलजी तरनजीत सिंह संधू ने की। एलजी ने इस समीक्षा में डीडीए से कही कि सभी कार्य समय पर और सही तरीके से पूरे होने चाहिए। क्योंकि गर्मियों के इस मौसम में यह सीधे सीधे लाखों लोगों के जीवन से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि डीडीए तत्काल ही 77 जल-निकायों पर कार्य शुरू कर रहा है। एलजी ने कहा कि इनमें से 6 का जीर्णोद्धार अगले 30 दिनों के भीतर कर दिया जाएगा।

जबकि 48 जल-निकायों का जीर्णोद्धार अगले 60 दिनों के भीतर और शेष 23 का 48 जल-निकायों का जीर्णोद्धार आगामी 90 दिनों के भीतर कर दिया जाएगा। जानकारी अनुसार समीक्षा के दौरान एलजी ने विकास से जुड़ी कुछ अन्य महत्वपूर्ण पहलों पर भी डीडीए अधिकारियों से चर्चा की है। विशेष रूप से उन पहलों पर, जिनका उद्देश्य द्वारका, रोहिणी और नरेला जैसी उप-नगरों में आमूलचूल परिवर्तन लाना है। बता दें कि हाल ही में एलजी संधू ने डीडीए को निर्देश दिए थे कि दिल्ली में अनेक अनमोल जल-निकाय है लेकिन वह बुरी हालत में पड़े है। तेज़ी से खराब हो रही जल-संपदाओं के पुनरुद्धार और जीर्णोद्धार के लिए एक ठोस कार्ययोजना को तेज़ी से लागू करने के दिशा निर्देश एलजी ने दिए थे। दस दौरान एलजी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया था कि वे सभी योजनाओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने के लिए कार्य शुरू करें।

स्कूल में धूमधाम से मनाया गया मातृ दिवस

नई दिल्ली। माँ बच्चों के जीवन की पहली गुरु होती है, जिनके संस्कार और मार्गदर्शन बच्चों के जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। दिल्ली देहात के नरेला-सफियाबाद मार्ग स्थित आर. के. इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से आयोजित मातृ दिवस कार्यक्रम के दौरान स्कूल की प्रबंध निदेशक (एमडी) सुनीता शर्मा ने यह संबोधन दिया। इस अवसर पर भावुक हुई सुनीता शर्मा ने कहा कि माँ का प्रेम और त्याग शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। माँ अपने बच्चों के लिए हर कठिनाई सहकर भी सदैव उनके सुख, सफलता एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है। उन्होंने विद्यार्थियों को सदैव अपने माता-पिता का सम्मान करने तथा उनके प्रति कृतज्ञ रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन हर्ष एवं उल्लास के साथ हुआ। इस अवसर पर विभिन्न मनोरंजक खेलों एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें माताओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। खेलों के दौरान हंसी-खुशी और उल्लास का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में माताओं को विशेष टाइटल्स भी प्रदान किए गए।

हर घर तक शुद्ध पानी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : इंद्राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक परिवार तक साफ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है। यह बात शनिवार को दिल्ली के कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने रोहिणी सेक्टर-24, पॉकेट-21 में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा नई पाइपलाइन डालने के कार्य के शुभारंभ के अवसर पर कही।

■ रोहिणी सेक्टर-24 में नई जल पाइपलाइन कार्य का शुभारंभ

इस अवसर पर मंत्री इंद्राज ने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से क्षेत्र में स्वच्छ, नियमित एवं निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया गया है, जिससे हजारों स्थानीय नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार द्वारा जल आपूर्ति व्यवस्था को अधिक मजबूत एवं आधुनिक बनाने के लिए नई पाइपलाइन बिछाने, पुरानी पाइपलाइनों को बदलने तथा संपूर्ण जल नेटवर्क को सुदृढ़ करने हेतु बड़े स्तर पर कार्य किया जा रहा है। मंत्री इंद्राज ने कहा कि जल जैसी मूलभूत सुविधा को मजबूत करना सरकार की जिम्मेदारी है और इस दिशा में निरंतर कार्य जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि गांव–देहात एवं शहरी क्षेत्रों के संतुलित विकास को ध्यान में रखते हुए सरकार आधारभूत ढांचे को मजबूत कर रही है ताकि प्रत्येक नागरिक को बेहतर जीवन सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल आपूर्ति व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संवेदनशीलता सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी क्षेत्र के नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े।

'पंजाब ही भाजपा और ईडी के बीच अनैतिक गठजोड़ को करेगा खत्म'

भाजपा के अत्याचारों के आगे पंजाब नहीं झुकेगा : केजरीवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब सरकार में मंत्री संजीव अरोड़ा के घर ईडी की रेड पड़ने पर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ईडी के सहारे भाजपा ने पंजाब को ललकारा है। पंजाब न पहले झुका था और न अब झुकेगा। पंजाब ही भाजपा और ईडी के बीच अनैतिक गठजोड़ को खत्म करेगा।

पंजाब गुरुओं की धरती है। पंजाब ने औरंगजेब को भी जवाब दिया था और अब 2027 के चुनाव में भाजपा को भी जवाब देगा। उन्होंने कहा कि अशोक मित्तल और संजीव अरोड़ा के घर एक साथ ईडी की रेड हुई थी। अशोक मित्तल भाजपा में शामिल हो गए तो रेड बंद हो गई, लेकिन संजीव अरोडा ने इन्कार कर दिया तो फिर से रेड हो गई। शनिवार को प्रैसवार्ता में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब से इस देश के अंदर भाजपा राज आया है, सीबीआई भ्रष्टाचार को रोकने के लिए काम नहीं करती और न ईडी मनी लॉन्ड्रिंग रोकने के लिए काम करती है। वे सिर्फ और सिर्फ दूसरी पार्टियों को तोड़ने, उनके नेताओं को डराने-धमकाने और उन्हें भाजपा में शामिल कराने का काम करती हैं।

केजरीवाल ने कहा कि शनिवार सुबह से संजीव अरोड़ा के घर पर ईडी की रेड चल रही है, यह भी उसी दिशा में एक कार्रवाई है। संजीव अरोड़ा के घर पर ईडी कोई मनी लॉन्ड्रिंग की जांच करने नहीं आई है। संजीव अरोड़ा के यहां पिछले एक महीने के अंदर ईडी की यह दूसरी रेड है। इससे पहले 17 अप्रैल को ईडी आई थी और संजीव अरोड़ा के गुड़गांव, लुधियाना व दिल्ली के सभी ठिकानों पर रेड की। ये रेड तीन दिन चली। उन तीन दिनों की रेड में ईडी को क्या नहीं मिला, जो आज ढूंढने आए हैं। उसी वक्त अशोक मित्तल के यहां रेड हुई थी। उनके यहां भी तीन दिन रेड चली और उस रेड के बाद अशोक मित्तल ने भाजपा ज्वाइन कर ली। इसके बाद उनके यहां रेड खत्म हो गई और उनका सारा मामला रफा-दफा हो गया। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा खासतौर पर पंजाब को टारगेट कर रहे हैं।

पंजाब के लोगों के साथ धक्का, नाइंसाफी और अन्याय किया जा रहा है। पंजाब के लोगों को कुचलने की कोशिश की जा रही है। पिछले चार साल से ग्रामीण विकास का हजारों करोड़ रुपया, जिससे मंडियों और गांव-गांव की सड़कें बननी होती हैं, वह भाजपा की केंद्र सरकार ने रोक दिया।

उगाही षड्यंत्र के मास्टर माइंड तो खुद केजरीवाल ही होते हैं प्रतीत : सचदेवा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल की प्रेस वार्ता में उनके चेहरे की हवाईयां उड़ रहीं थी और साफ था कि वह जान रहे हैं कि यह ई.डी. जांच संजीव अरोड़ा से होते हुए उन तक भी पहुंचेगी क्योंकि इस सारे उगाही षड्यंत्र के मास्टर माइंड तो खुद अरविंद केजरीवाल ही प्रतीत होते हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष सचदेवा ने शनिवार को केजरीवाल पर निशाना साधते हुए यह प्रतिक्रिया जारी की। सचदेवा ने कहा है कि आज जिस तरह पंजाब में मंत्री संजीव अरोड़ा बिल्डरों से साजिश करके मनी लांड्रिंग रेड के बाद गिरफ्तार हुए हैं यह बिल्कुल वैसे है जिस तरह दिल्ली ने दस साल भ्रष्टाचार की सरकार झेली जिसमें मुख्यमंत्री, उप मुख्य मंत्री, सांसद शराब घोटाले में जेल गये। सचदेवा ने कहा है कि विगत चार साल से पंजाब टीम अरविंद केजरीवाल की लूट का केन्द्र बना हुआ है और जिस तरह दिल्ली में 'आप' सरकार ने शराब ठेकेदारों से मिलकर हजारों करोड़ का घोटाला किया था ठीक उसी तरह पंजाब में बड़े बिल्डरों को भूमि उपयोग बदलने की छूट से लेकर अत्याधिक एफ.ए.आर. एवं प्लाट काटने की छूट देकर हजारों करोड़ की लूट का खेल चल रहा है।

आईपीयू ने एचआईवी पर जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स (यूएसएलए) ने एचआईवी, एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसने छात्रों के बीच खुली बातचीत, जागरूकता और सहानुभूति को प्रोत्साहित किया। आईपीयू प्रवक्ता से मिली जानकारी के अनुसार इस सत्र के दौरान दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (डीएसएसीएस) के विशेषज्ञों और छात्रों के बीच बातचीत हुई। छात्रों ने बिना किसी पूर्वाग्रह के माहौल में मिथकों, डर, कलंक, सुरक्षित विकल्पों और शीघ्र परीक्षण एवं रोकथाम के महत्व पर खुलकर चर्चा की। वास्तविक कहानियों, प्रासंगिक उदाहरणों और बेबाक चर्चा के माध्यम से, इस सत्र ने युवा मनों को कलंक-मुक्त समाज के निर्माण के लिए अधिक जागरूक, जिम्मेदार और सहयोगी बनने हेतु प्रेरित किया।

खबर संक्षेप

अवैध हथियार रखने के मामले में 3 पकड़ाए

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अपराध शाखाओं की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3 देसी कट्टे बरामद किए हैं। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि अवैध देसी कट्टा सहित एनएचपीसी चौक बाईपास रोड फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है।

गांजा बेचने के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखा एवीटीएस-2 की टीम द्वारा गांजा बेचने के 2 अलग-अलग मामलों में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जा से 692 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार कार्रवाई करते हुये फहिम निवासी आशियाना फ्लैट सेक्टर-56 को 304 ग्राम गांजा सहित आशियाना फ्लैट सेक्टर-56 से, वहीं जसवीर निवासी राजीव कालोनी सेक्टर-56 को 388 ग्राम गांजा सहित गुड़गांव कैनाल सेक्टर-56 एरिया से गिरफ्तार किया है।

ठगी के मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। महिला को डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर 24,02,000 रुपए की ठगी के एक मामले में साइबर थाना एनआईटी की टीम ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान अमित, सुमित, मयंक व विशाल निवासी राजस्थान के रुप में हुई है। पुलिस के अनुसार सेक्टर-21 निवासी एक महिला ने साइबर थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में बताया कि 24 मार्च को उसके पास एक अंजान नंबर से कॉल आया आया जिसने अपने आप को पंचकूला पुलिस का इंस्पेक्टर बताया और कहा कि आपके खिलाफ केस दर्ज कर अरेस्ट वारंट जारी हुए है।

सोशल मीडिया पर अवैध गतिविधियों की हो रही जांच

अनाधिकृत कॉलोनियों में प्लॉट-फ्लैट का विज्ञापन करने वाले सोशल हैंडल संचालकों पर होगी कार्रवाईः धीरेंद्र खड़गटा

निगम नहीं बसने देगा अवैध कॉलोनी, होगी तोड़फोड़ की कार्रवाई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अवैध प्लॉटिंग के विज्ञापनों के चक्कर में न फंसे नागरिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने फरीदाबाद शहरवासियों को जागरूक करते हुए बताया कि नगर निगम फरीदाबाद के संज्ञान में आया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब तथा अन्य माध्यमों पर अवैध प्लॉटिंग, अनधिकृत कॉलोनियों और बिना स्वीकृति वाले प्लॉट-फ्लैट की बिक्री से संबंधित अनेक विज्ञापन एवं वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं।

निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा है कि निगम प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया पर डाली गई इस प्रकार की सभी पोस्टों की सूची तैयार कर उनका विश्लेषण किया जा रहा है। संबंधित मामलों की जांच के लिए इन पोस्टों को फील्ड अधिकारियों के पास भेजा गया है। जांच के दौरान जो भी व्यक्ति इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इन भ्रामक विज्ञापनों के माध्यम से आम नागरिकों को बहुत कम कीमत पर जमीनए प्लॉट और फ्लैट खरीदने के लिए लालच दिया जा रहा है। निगम आयुक्त ने जानकारी दी कि इस प्रकार के भ्रामक विज्ञापन करने वाले सोशल मीडिया संचालकों और संबंधित व्यक्तियों की सूची नगर निगम द्वारा तैयार की जा चुकी है और जल्द ही उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम फरीदाबाद आम जनता को सावधान करता है कि वे किसी भी अनधिकृत या अवैध रूप से विकसित कॉलोनी, प्लॉट या फ्लैट में निवेश करने से पहले संबंधित सक्षम प्राधिकरण से उसकी वैधता और स्वीकृति की पूरी जांच अवश्य कर लें। ऐसे अवैध निर्माण और विकास कार्यों को कानून के अनुसार ध्वस्त किया जा सकता हैए जिससे निवेश करने वाले लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

अवैध कार्यों की निगरानी

निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने यह भी कहा कि इस प्रकार की अवैध संपत्तियों का प्रचार-प्रसार, विज्ञापन या बिक्री करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संबंधित एसडीओ एनफोर्समेंट, नगर निगम फरीदाबाद द्वारा दोषी व्यक्तियों, संस्थाओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 तथा हरियाणा नगर निगम अधिनियम 1994 के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा एआई तकनीक के माध्यम से भी ऐसे अवैध कार्यों की निगरानी की जा रही है।

कर्मचारियों ने एक नंबर बाजार में जुलूस निकाला, सरकार को दी चेतावनी

नगर निगम कर्मचारियों की हड़ताल का नौंवा दिन, बाजारों में लगे कूड़े के ढेर

- हड़ताल का 9वां दिन
- हड़ताल के चलते सफाई सीवर का काम पूरी तरह से बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

शहर के सबसे प्रमुख बाजार एनएच-1 में भीषण गर्मी के बीच नगर निगम कर्मचारियों ने नौवें दिन की हड़ताल में निकाला विशाल जलूस आम जनता और व्यापारी भाइयों को करवाया कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत। नगर निगम के कर्मचारियों की हड़ताल आज नौवें दिन भी जारी रही। आज नौवें दिन की हड़ताल की अध्यक्षता सफाई कर्मचारी यूनियन के वरिष्ठ उपप्रधान श्रीनन्द ढ़कोलिया ने कि एवं संचालन ऑडिटर लक्ष्मण पार ने किया।

हड़ताल के चलते शहर में सफाई सीवर का काम पूरी तरह से बंद शहर के मुख्य बाजारों में कूड़े के ढेर लगे हुए हैं एवं कॉलोनी की गलियों में नालियों का पानी सड़कों पर आया बदबू और गंदगी से जनता का हुआ बुरा हाल। इस प्रदर्शन में नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य उप महासचिव सुनील चिंडालिया ने नगर निगम मुख्यालय पर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सरकार को दी चेतावनी और कहा कि सरकार पालिका, परिषद, निगमों एवं फायर कर्मचारियों की मांगों का समाधान करें। अन्यथा संघ हड़ताल को आगे बढ़ाकर आंदोलन को तेज करेगा। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला सचिव अनिल चिंडालिया एवं सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलबीर बालगुहेर ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफाई कर्मचारी

प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य की चिंता करता है, आज जो शहर के बाजारों में गंदगी का आलम है उसकी जिम्मेदारी सरकार की है। संघ ने 16 अप्रैल 2026 को प्रदेश की पालिका, परिषद, निगमों के प्रमुखों को मुख्यमंत्री के नाम हड़ताल का नोटिस देकर कहा था कि सरकार पालिका, परिषद, निगमों के कर्मचारियों की मांग समस्याओं का निपटान करें अन्यथा संघ 1 मई से हड़ताल पर चला जाएगा। संघ सरकार द्वारा किए गए भेदभाव वायदा खिलाफी के बाद भी हड़ताल को अनिश्चितकालीन हड़ताल घोषित नहीं कर रहा है। नेताओं ने कहा कि हमने सरकार से बार-बार अपील की है कि वह बातचीत कर हमारी न्यायोचित मांगों को पूरा करें। लेकिन सरकार पालिका परिषद नगर निगम एवं फायर के कर्मचारियों के प्रति उदासीन रवैया अख्तियार करते हुए आंदोलन को लंबा करने एवं आंदोलनकारी को डराने धमकाने का काम कर रही सरकार सफाई कर्मचारियों की मांगों को एवं फायर कर्मचारी की मांगों का समाधान नहीं करना चाहती। सभा को संबोधित करते हुए प्रदर्शन के अध्यक्ष श्रीनन्द ढ़कोलिया ने कहा कि आज हमारी हड़ताल का 9 वां दिन है, निगम प्रशासन चोरी छुपे शहर में काम करने की कोशिश कर रहा है, उसको बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। सरकार ने हड़ताल में दखल देकर अभी तक हमारे नेताओं से कोई वार्ता करने का प्रयास नहीं किया है यदि सरकार ने हड़ताली कर्मचारियों की समस्या का हल नहीं निकाला है तो हड़ताल को आगे बढ़ाने पर संघ मजबूर होगा। आज की हड़ताल में अन्य के अलावा अनूप चिंडालिया राज्य सचिव एवं प्रधान सीवरमैन कर्मचारी यूनियन, परसराम राज्य ऑडिटर, उप प्रधान सुदेश कुमार जैनवाल, जिला कोषाध्यक्ष रघुबीर चौटाला, राकेश चिंडालिया , हरियाणा टूरिज्म विभाग के नेता सुभाष देशवाल, कल्लू राम, दिगम्बर डागर मुरारी प्रधान, पार्ट टाइम कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान तेजराम, सफाई कर्मचारी यूनियन सचिव महेंद्र कुडिया, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र छाबड़ा, देवीचरण शर्मा प्रधान वॉटर सप्लाई यूनियन, महेश शर्मा, हेमवती नंदन प्रधान बेलदार कर्मचारी यूनियन, सुरेन्द्र, जयबीर मनोज शर्मा, चालक यूनियन के प्रधान महेश फोगाट, वेद भड़ाना, फायर कर्मचारी नेता बृजमोहन डागर मेघश्याम, सीवरमैन यूनियन से मनोज सौदे, विशाल मास्टर अनिल, ओमपाल खांडिया, सौराज सीवरमैन, ठेकेदारी कर्मचारी सफाई कर्मचारी यूनियन से जोन प्रधान नरेश भगवाना, राजबीर चिंडालिया, दर्शन सोया, सुरेन्द्र चौटाला, हरिसिंह खंडिया, धर्म सिंह मुल्ला, सुरेश, मनोज बालगुहेर, कृष्ण चिंडालिया, सैनिटेशन स्टाफ से वरिष्ठ उपप्रधान मदन लाल, राकेश जोन प्रधान, बिजेंद्र भंडारी, देवेन्द्र पहलवान, दीपचंद हंस, श्यामवीर, सुनील खंडेलवाल, शिवराज, दीपक चिंडालिया, प्रदीप भंडारी आदि।

अविशी ने शानदार प्रस्तुति देकर सबका मनमोहा

झपताल की लय में आत्मविश्वास की चमक, अविशी अग्रवाल ने पेश की सशक्त प्रस्तुति

लय के प्रति गहरी समझ ने प्रस्तुति को मजबूती प्रदान की

अभ्यास की निरंतरता को नई पीढ़ी आगे बढ़ा रही हैं

स्पष्ट तकनीक के साथ कथक के ताल पक्ष को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

अंतरंग 2026 के मंच पर अविशी अग्रवाल ने अपनी सधी हुई लयकारी और स्पष्ट तकनीक के साथ कथक के ताल पक्ष को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जहां हर गत और हर ठहराव में अभ्यास की गहराई झलकती रही। सुर, ताल और पदचाप की गूंज से सजी इस प्रस्तुति ने जैसे ही गति पकड़ी, दर्शक एकाग्र होकर हर बीट को महसूस करने लगे। अविशी की प्रस्तुति 'झपताल' (10 मात्राएं) पर आधारित थी, जिसमें उन्होंने जटिल लय संरचना को बेहद संतुलित और आत्मविश्वास के साथ निभाया। उनकी सटीक पदचाप, नियंत्रित गति और लय के प्रति गहरी समझ ने प्रस्तुति को मजबूती प्रदान की। टुकड़ा, परन और तिहाई जैसे पारंपरिक अंगों की प्रस्तुति में उनकी स्पष्टता और पकड़ दर्शकों को अंत तक बांधे रखने में सफल रही। पिछले 12 वर्षों से गुरु रानी खानम के मार्गदर्शन में कथक का प्रशिक्षण ले रहीं अविशी वर्तमान में आमद (एएएमएडी) से डिप्लोमा कर रही हैं। उनकी प्रस्तुति में लंबे अभ्यास, अनुशासन और शास्त्रीय समझ का संतुलित रूप स्पष्ट दिखाई दिया। कुल मिलाकर, अंतरंग 2026 एक ऐसा मंच बनकर उभरा जहां परंपरा और अभ्यास की निरंतरता को नई पीढ़ी आगे बढ़ा रही है—और अविशी अग्रवाल की प्रस्तुति इसी यात्रा का सशक्त उदाहरण रही।

युवक की हत्या कर शव को छिपाने के मामले में फरार दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल की

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

थाना वेव सिटी पुलिस ने 19 वर्षीय युवक की हत्या करने के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने युवक की हत्या सिर्फ इस लिए की था कि उसने उनके साथ मारपीट की थी। असफाक आलम राय निवासी साकिन बलुआ जागीर निवासी किशनगंज, बिहार ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके 19 वर्षीय पुत्र गुलाम अशरफ की हत्या कर शव को छिपा दिया था। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल की और रेहान राय पुत्र बेचन राय 18 वर्ष व अकिल राय 19 वर्ष निवासी किशनगंज, बिहार को किशनगंज, बिहार क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया तथा पुलिस ने न्यायालय, किशनगंज, बिहार के समक्ष पेश कर ट्रांजिट रिमाण्ड प्राप्त किया गया। अभियुक्तगण ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि हम तीनों (रेहान राय, अकिल राय एवं मृतक गुलाम अशरफ) एक ही गाँव बलुआ जागीर, वार्ड नं० 06, थाना टेढ़ागाछ, जनपद किशनगंज, बिहार के निवासी हैं तथा दीनानाथपुर पुठी गाँव स्थित खेत में मोहम्मद फजर की फैक्ट्री में कार्य करते थे। कुछ दिन पूर्व शराब के नशे में गुलाम अशरफ ने हम दोनों के साथ मारपीट की गई थी, जिससे हम दोनों उसके प्रति अंदर ही अंदर रंजिश रखने लगे थे और मौके की तलाश में थे। 28 अप्रैल को हम तीनों ने एक साथ शराब पी। गुलाम अशरफ को अधिक शराब पिला दी गई।

मातृदिवस के अवसर पर

शिवमती धर्मार्थ हॉस्पिटल समिति ने वृद्ध एवं विधवा माताओं के लिए लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

मातृ दिवस के पावन अवसर पर शिवमती धर्मार्थ हॉस्पिटल समिति द्वारा एसी नगर सामुदायिक भवन में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर समाज सेवा और मातृ सम्मान की अनूठी मिसाल पेश की गई। शिविर में क्षेत्र की वृद्ध एवं विधवा माताओं के स्वास्थ्य की विशेष जांच की गई, वहीं उन्हें निःशुल्क दवाइयां एवं विभिन्न प्रकार की लैब जांच सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम में जीडी गोयंका इंस्टिट्यूट की चेयरमैन प्रभा त्रिखा एवं उनके स्टाफ ने पूर्ण सहयोग देते हुए शिविर को सफल बनाने में अहम भूमिका

निभाई। शिविर में बड़ी संख्या में माताओं ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। स्वास्थ्य जांच के उपरांत 100 से अधिक वृद्ध एवं विधवा माताओं को उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक आहार के रूप में गुड़ और चना वितरित किया गया। मातृदिवस को यादगार बनाने के लिए माताओं के साथ केक काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस भावुक और स्नेहपूर्ण पल ने पूरे वातावरण को मातृ सम्मान, अपनत्व और खुशी से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि मां का स्थान जीवन में सर्वोच्च होता है और मातृ शक्ति के सम्मान एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए समाज को हमेशा आगे आना चाहिए। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद माताओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें सम्मान और अपनापन महसूस कराना भी रहा। मुख्य रूप से कांग्रेस नेत्री पराग शर्मा, अतुल त्रिखा, संस्था की प्रधान डॉ. विंध्यवासिनी, नीमा के प्रधान डॉ. अनिल शर्मा, राजीव पाठक, अनिल गुप्ता, डॉ. इंद्र कुमार, डॉ. विकास, सुनीता, लिली आदि।

इंस्टाग्राम व टिंडर ऐप पर लड़की की फेक प्रोफाईल से करते थे चैट

सेक्सटॉर्शन रैकेट का भंडाफोड, मुख्य आरोपी सहित 5 गिरफ्तार, साइबर थाना सेंट्रल टीम की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने 45,308 रुपए की ठगी के एक मामले में मुख्य आरोपी सहित 5 को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान भगवान सिंह, देवा गुर्जर, बिजेंद्र, धीरज व मनीष निवासी जिला करौली राजस्थान के रुप में हुई है। जिनको 8 मई को लोटस व्हाईट सोसायटी जगतपुरा जयपुर से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि भगवान सिंह इस गिरोह का सरगना है। गिरोह के सदस्य इंस्टाग्राम व टिंडर ऐप पर लडकी की फोटो लगाकर फेक प्रोफाइल बनाते थे और जब भी कोई उनकी प्रोफाइल पर बात करता तो पहले उसे लुभाते फिर उससे सेक्स चैट करते तथा जब कॉल पर बात करनी होती तो भगवान सिंह लडकी की आवाज में बात करता था। देवा गुर्जर, बिजेंद्र व धीरज सेक्स चैट करते थे। मनीष गिरोह के लिये खाता उपलब्ध कराता था। आरोपियों ने शिकायतकर्ता के साथ ऐसा ही किया और फिर पुलिस अधिकारी बनकर फोन कर ठगी की वारदात को अंजाम दिया। जिनको न्यायालय में पेश कर 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। एक व्यक्ति की शिकायत पर साइबर थाना सेंट्रल में अभियोग पंजीकृत किया गया था, जिसने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और फ्रॉड ट्रांजेक्शन के मामले में एफआईआर दर्ज होने और सेक्स चैट करने का भय दिखाकर मामले से बचने के नाम पर उससे पैसों की मांग की गई।

लोगों को कोर्ट गेट के बाहर रोका, फरियादी परेशान, 3 दिन से हड़ताल पर थे वकील

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद जिला कोर्ट में शनिवार को लगने वाली लोक अदालत वकीलों की हड़ताल के कारण तय समय पर शुरू नहीं हो सकी। सुबह 9 बजे से शुरू होने वाली लोक अदालत वकीलों के विरोध के चलते प्रभावित रही। करीब छह घंटे बाद दोपहर करीब 3 बजे जाकर शुरू हो पाई। इस दौरान अपने लंबित चालान और अन्य मामलों के निपटारे के लिए अदालत पहुंचे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। जानकारी के अनुसार जिला अदालत में लोक अदालत के लिए तीन अदालतें तय की गई थीं, जहां पेंडिंग चालान और अन्य मामलों का निपटारा किया जाना था। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग अपने मामलों को लेकर अदालत पहुंच गए थे, लेकिन कोर्ट गेट पर ही उन्हें रोक दिया गया। वकीलों की हड़ताल के कारण कई लोगों को कोर्ट परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया गया और लोग बाहर ही खड़े होकर इंतजार करते रहे। काफी देर तक लोगों को यह भी उम्मीद रही कि थोड़ी देर बाद लोक अदालत शुरू हो जाएगी, इसलिए कई लोग घंटों तक कोर्ट के गेट के बाहर ही खड़े रहे। कुछ लोग मायूस होकर वापस भी लौट गए। कई लोगों का कहना था कि उन्हें पहले से यह जानकारी नहीं थी कि वकीलों की हड़ताल के कारण लोक अदालत समय पर नहीं लगेगी। बताया जा रहा है कि वकील पिछले तीन दिनों से हड़ताल पर थे। वकीलों का आरोप था कि एक जज द्वारा बार एसोसिएशन के प्रधान और अन्य वकीलों के साथ दुर्व्यवहार किया गया था। वकीलों की हड़ताल के चलते शनिवार को लगने वाली लोक अदालत भी प्रभावित हो गई और तय समय पर शुरू नहीं हो सकी। इस बीच मामले को सुलझाने के लिए बैंच और बार के बीच बातचीत की गई। बातचीत के बाद जज द्वारा वकीलों से अपने व्यवहार को लेकर माफी मांग ली गई। इसके बाद वकीलों ने अपनी हड़ताल खत्म करने का फैसला लिया और दोबारा काम पर लौट आए। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान राजेश बैंसला ने बताया कि जज द्वारा माफी मांगने के बाद बैंच और बार के बीच आपसी सहमति बन गई है।

मधुबन बापूधाम में जीडीए देगा सांस्कृतिक गतिविधियों को नया मंच

एक करोड़ की लागत से बनेगा आधुनिक ओपेन एयर थियेटर ,निर्माण कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) शहर में आधुनिक एवं जनोपयोगी सुविधाओं के विकास की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में शनिवार जीडीए नेमधुबन बापूधाम योजना के इंडस्ट्रियल पॉकेट स्थित शहीद स्मारक पार्क में ओपेन एयर थियेटर निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया ।

शुभारंभ कार्यक्रम में प्राधिकरण की अभियंत्रण जोन-3 के अधिशाषी अभियंता व टीम, राष्ट्रीय सैनिक संस्था के अध्यक्ष कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी, संस्था के सदस्यगण एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल के मुताबिक

एक करोड़ की लागत से निर्मित होने वाला यह ओपेन एयर थियेटर क्षेत्रवासियों के लिए सांस्कृतिक, सामाजिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। इस परियोजना के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को अपने ही क्षेत्र में एक सुव्यवस्थित एवं आधुनिक खुला मंच उपलब्ध होगा, जहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाटक, संगीत संध्या, कवि सम्मेलन, योग शिविर, देशभक्ति कार्यक्रम तथा जन-जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जा सकेगा। यह पहल विशेष रूप से बच्चों एवं युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का अवसर प्रदान करेगी। सामुदायिक सहभागिता एवं सामाजिक समरसता को भी नई मजबूती मिलेगी। क्षेत्र में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होने के साथ-साथ नागरिकों को मनोरंजन एवं सामाजिक आयोजनों के बेहतर अवसर स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि जीडीए का उद्देश्य केवल आधारभूत संरचनाओं का विकास करना ही नहीं, बल्कि ऐसे सार्वजनिक स्थलों का निर्माण करना भी है ।

पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू की

शराब पीने के दौरान हुए विवाद में युवक की पीट-पीटकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सेक्टर-40 थाना एरिया में शराब पीने के दौरान हुए विवाद में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही सेक्टर-40 थाना पुलिस हरकत में आई और मृतक के भाई की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस को दी शिकायत में करोली राजस्थान के रहने वाले अमर सिंह बैरवा ने बताया कि वह मजदूरी करते हैं। उनका भाई नरेश बैरवा गुड़गांव के सैनीखेड़ा एरिया में रहकर मजदूरी करता था। 29 अप्रैल को उसका भाई नरेश व गहलौद कुमार बैरवा, विक्रम व हेमराज ने शराब पी थी। इस दौरान उनके बीच कोई विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि इन सभी ने मिलकर नरेश को बेरहमी से पीटा जिसके कारण उसकी हालत खराब हो गई। इसके बाद उनका रिश्तेदार नरेश को लेकर सेक्टर-10 सिविल अस्पताल ले गया ।

सैन्य केंद्र में घुसा युवक, सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

डबुआ स्थित फोर्स स्टेशन में सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश का मामला सामने आया है। युवक ने बाहरी दीवार फांदकर परिसर में घुसने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान डबुआ कॉलोनी के निवासी इरफान अली के रूप में हुई है। अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर रविंदर छापारिया की शिकायत पर कार्रवाई की गई।

आवश्यक सूचना

दी बल्लबगढ़ सहकारी विपणन समिति लि. बल्लबगढ़ के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति के निदेशक मण्डल का चुनाव दिनांक 21.06.2026 को समिति कार्यालय में होना निश्चिय हुआ है। चुनाव कार्यक्रम सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां फरीदाबाद एवं निर्वाचन अधिकारी द्वारा बनाया गया है जो निम्नलिखित है। दिनांक 22.05.2026 को दो बजे तक नामांकन भरे जायेगे व 25 मई 2026 को दो बजे तक नामांकन की जांच की जायेगी। तीन बजे नामांकन भरने वाले उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी। 29 मई 2026 को नामांकन वापस लिये जा सकेंगे। इसके बाद 29 मई को दोपहर बाद तीन बजे तक उम्मीदवारों को निशान दे दिये जायेंगे। शाम चार बजे चुनाव निशान के साथ उम्मीदवारों की अन्तिम सूची जारी कर दी जायेगी।
यह कार्यक्रम सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां फरीदाबाद के कार्यालय में होगा।

मैनेजर
दीपक कुमार

खबर संक्षेप

लालच देकर जीजा ने किया बच्चे का अपहरण

पटना। मुंगेर में शुक्रवार को हुए दस वर्षीय आर्यन अपहरण कांड का पुलिस ने महज छह घंटे के

भीतर सफल खुलासा कर दिया। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया, जबकि मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। चौंकाने वाली बात यह रही कि आरोपी कोई और नहीं, बल्कि बच्चे का चचेरा जीजा निकला।

ऑटो से गिरी महिला इलाज के दौरान मौत

पटना। पूर्णिया जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने दो छोटे बच्चों से उनकी मां का साया छीन लिया। सदर थाना क्षेत्र के रामबाग

की रहने वाली महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका के ससुराल और मायके, दोनों जगहों पर मातम पसरा हुआ है। मृतका की पहचान रामबाग निवासी हरिनंदन पासवान की पत्नी खुशबू देवी के रूप में हुई है। खुशबू देवी अपने मायके कटिहार जिले के डूमर छोहर गई हुई थीं।

जंगली लोमड़ी ने 3 महीने के मासूम को नोच डाला

रांची। पाकुड़ जिले के तारानगर पंचायत अंतर्गत लखी नारायणपुर गांव में एक बेहद दर्दनाक और दिल

दहला देने वाली घटना सामने आई है। रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए एक जंगली लोमड़ी ने करीब तीन महीने के मासूम बच्चे को अपना शिकार बना लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, रामचंद्रपुर निवासी मुसफेरा बीबी अपने बच्चों के साथ मायके लखी नारायणपुर आई हुई थीं। शुक्रवार देर रात जब पूरा परिवार सो रहा था, एक जंगली लोमड़ी घर में घुस आई और करीब तीन महीने के मासूम बच्चे को उठाकर अपना शिकार बना लिया।

बंगाल का मुख्यमंत्री बनते ही शुभेंदु अधिकारी को सीएम योगी ने दिया खास तोहफा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उन्हें भगवा अंगवस्त्र पहनाया है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ/कोलकाता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उन्हें भगवा अंगवस्त्र पहनाया है. कोलकाता में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में बंगाल की पहली भाजपा सरकार का आज भव्य शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं. एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अधिकारी को मंच पर भगवा अंगवस्त्र भी पहनाया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक किर्तनिया, क्षुदीराम टुडू, निशीथ प्रमाणिक को भी बधाई दी।

शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी, उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं

अधिकारी ने भगवा वस्त्र पहनाकर किया था सीएम योगी का स्वागत

आपको बता दें कि, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान अधिकारी ने एक जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भगवा अंगवस्त्र पहनाकर उनका बंगाल की धरती पर स्वागत किया था। आज शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को भगवा अंग वस्त्र पहनाकर उन्हें बधाई दी है।

पीएम के मार्गदर्शन में 'सोनार बांग्ला' का संकल्प सिद्ध होगा

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शुभेंदु अधिकारी के शपथ लेने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर शुभेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन एवं आपके ऊर्जावान नेतृत्व में 'सोनार बांग्ला' का संकल्प सिद्ध होगा और प्रदेश सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं आर्थिक उत्थान के अमृतकाल में प्रवेश करेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, आपका कार्यकाल बंगाल के जन-जन की आकांक्षाओं की पूर्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का स्वर्णिम अध्याय बने, माँ काली से यही प्रार्थना है।

यूपी में आज हो सकता है मंत्रिमंडल विस्तार!

अटकलों के बीच राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

नए चेहरों को लेकर यूपी में सियासत हुई तेज

8 से 9 नए मंत्रियों के शपथ लेने की संभावना

यूपी में कल मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। इसमें कृष्णा पासवान, पूजा पाल और मनोज पांडेय समेत छह विधायक मंत्री बन सकते हैं। वही 8 से 9 नए मंत्री शपथ ले सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक कुछ मौजूदा मंत्रियों की छुट्टी भी हो सकती है, जबकि कई नए चेहरों को कैबिनेट में जगह मिलने की चर्चा है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अहम जानकारी निकलकर सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, 10 मई को यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। इस मौके पर छह मंत्री शपथ लेंगे। इससे पहले शनिवार को शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात की। हालांकि, इसे एक शिष्टाचार

भेंट बताया जा रहा है। दरअसल, यूपी में फिलहाल 54 मंत्री हैं। छह मंत्रियों की जगह खाली है। यहां पर कुल 60 मंत्री हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, जिन छह नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है, उनमें कृष्णा पासवान, पूजा पाल, मनोज पांडेय, भूपेंद्र चौधरी, अशोक कटारिया और रोमी साहनी का नाम शामिल है। बीते अप्रैल महीने में भी मंत्रिमंडल विस्तार के दावे किए जा रहे थे। खबरों के अनुसार, प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही संगठन में भी फेरबदल किए जाएंगे।

मंत्रिमंडल में फिलहाल 54 मंत्री शामिल

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में फिलहाल 54 मंत्री शामिल हैं। जानकारी के अनुसार प्रदेश में 60 मंत्रियों को जगह मिल सकती है। विधानसभा के कुल सदस्यों की संख्या के 15 प्रतिशत तक मंत्रियों की नियुक्ति की जा सकती है। बंगाल चुनाव के बाद अब यह चर्चा तेज हो गई है कि यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार के साथ-साथ बीजेपी संगठन में भी बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इस मुद्दे पर बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिवेदी ने कहा कि राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच मुलाकातें समय-समय पर होती रहती हैं। हालांकि, मंत्रिमंडल विस्तार और संगठनात्मक फेरबदल को लेकर फिलहाल किसी तरह की अटकलों पर टिप्पणी नहीं की जा सकती।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का ऐलान

शहर की तरह गांवों और अमीरों की तरह गरीबों को मेडिकल सुविधाएं देंगे

■ मंत्री अचानक स्वास्थ्य विभाग के दफ्तर पहुंचे अधिकारियों के साथ बैठक की

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार सरकार में पहली बार स्वास्थ्य मंत्री बने निशांत कुमार ने पदभार ग्रहण करने के दूसरे दिन अचानक सचिवालय स्थित स्वास्थ्य विभाग के दफ्तर पहुंच गए। इसके बाद कई अधिकारी भी फौरन दफ्तर पहुंचे।

उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान बड़ी बात कह दी। उन्होंने कहा कि गांव में शहरों जैसी और गरीबों को अमीरों से जैसी मेडिकल सुविधाएं देने की कोशिश करूंगा। अमीर-गरीब में बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक जरूरतमंद को उच्च कोटि की स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है,

उसे मैं पूरी ईमानदारी से निभाने का प्रयास कर रहा हूं। मैं स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की कोशिश करूंगा। गरीब हो या अमीर, ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी इलाका, हर जगह बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। निशांत का यह बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

शहर से लेकर गांव तक एक समान होगी मेडिकल सुविधा

एक दिन पहले जब निशांत कुमार ने स्वास्थ्य विभाग जाकर अपना पदभार ग्रहण किया था। तब उन्होंने कहा था कि मैं पूरी ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाऊंगा। पिताजी ने सात निश्चय और समृद्धि यात्रा के दौरान जो वादा जनता से किया है, उसे निभाने का प्रयास करूंगा। विकास के काम को आगे बढ़ाने का काम करूंगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसका पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके पिता नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में राज्य में जो भी ईमानदारी पूर्वक विकास कार्य किए, उसे भविष्य में भी जारी रखा जाएगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं और योजनाओं को थोड़ा समझना पड़ेगा

निशांत कुमार ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं और योजनाओं को थोड़ा समझना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में कराए जाने वाले विकास कार्यों में पूरी ईमानदारी और संवेदना बरती जाएगी। निशांत ने आज भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के कामकाजों की जानकारी ली।

झारखंड : ट्रक ने सड़क किनारे चल रहे 28 लोगों को कुचला, 6 की मौत

दर्दनाक हादसे से मची अफरा-तफरी

एजेंसी ▶▶ रांची

गिरिडीह जिले में शुक्रवार देर शाम एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। ईसरी बाजार इलाके में तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंद दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत की पुष्टि

हुई है, जबकि 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। कई लोगों के वाहन या मलबे के नीचे दबे होने की भी आशंका जताई जा रही है। गिरिडीह जिले में शुक्रवार देर शाम एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। ईसरी बाजार इलाके में तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंद दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

मौके पर मची चीख-पुकार

हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया। सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य तेज कर दिया गया।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है और ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

पेज एक का शेष

आपने जिताया ...

पीएम रोड शो करते हुए कार्यक्रम में पहुंचे, मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और पैर छुए। शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मारे गए भाजपा कार्यकर्ता देबाशीष मंडल, सौमित्र घोषाल और आनंद पॉल के परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार ने शपथ ली है तो हम सभी के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान को याद करना स्वाभाविक है। उनके विजन को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

माखनलाल सरकार ...

बढ़ाया और जीवन के हर क्षेत्र से लोगों को पार्टी में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। भाजपा में हम इस बात पर गर्व महसूस करते हैं कि हमारे पास ऐसी प्रेरणादायक हस्तियां हैं, जिन्होंने लोगों के बीच रहकर काम किया और पार्टी को मजबूत बनाया। वहीं, उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री के रूप में शपथ लेने पर दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टुडू और निशीथ प्रमाणिक को बधाई दी। पीएम मोदी ने लिखा कि इन नेताओं ने जमीनी स्तर पर अथक परिश्रम किया है और लोगों की सेवा की है। मुझे विश्वास है कि मंत्री के रूप में ये पश्चिम बंगाल की विकास यात्रा को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। मेरी ओर से शुभकामनाएं।

सुवेंदु अधिकारी को दी बधाई, कहा- सांस्कृतिक पुनरोदय की ओर बंगाल: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर सुवेंदु अधिकारी को बधाई। उन्होंने एक ऐसे नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जो लोगों से गहराई से जुड़े रहे हैं और उनकी आकांक्षाओं को बहुत करीब से समझा है। उनके आगामी कार्यकाल के सफल होने के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'पोचिशे बोइशाख' के पावन अवसर पर गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को याद करना विशेष महत्व रखता है। उन्होंने टैगोर को भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत का महान प्रतीक बताया।

ईडी ने पंजाब...

है कि मोबाइल फोन कारोबार से जुड़े फर्जी बिलों के जरिए करोड़ों रुपए के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) और जीएसटी रिफंड का लाभ लिया गया। मामले में दुबई से जुड़े कथित फंड ट्रांजैक्शन और राउंड ट्रिपिंग की भी जांच की जा रही है।

मध्य प्रदेश के भेरूंदा...

384 किमी सड़क परियोजनाओं का आवंटन : मंत्रालय के अनुसार यह आयोजन केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवर्तन, सामाजिक समावेशन और बुनियादी ढांचे के माध्यम से विकास को अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता का विराट उत्सव होगा। समारोह में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह द्वारा पीएमजीएसवाई-4 के अंतर्गत म.प्र. के लिए 2,117 किलोमीटर लंबाई की 973 सड़कों तथा 987 बसावटों को लाभ पहुंचाने वाले स्वीकृति पत्र और वित्तीय आवंटन मुख्यमंत्री मोहन यादव को सौंपे जाएंगे, वहीं पीएम-जनमन के तहत 384 किलोमीटर से अधिक सड़क परियोजनाओं का आवंटन भी किया जाएगा, जिससे 168 पिछड़ी बसावटों को सीधा लाभ मिलेगा।

मप्र के विकास के लिए 803 करोड़ : कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए वर्ष 2026-27 हेतु कुल 18,907 करोड़ रु. के सांकेतिक आवंटन की घोषणा की जाएगी, जिसमें से 830 करोड़ रुपये म.प्र. के विकास के लिए समर्पित हैं। यह आवंटन ग्रामीण संपर्क, आर्थिक गतिविधियों, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि विपणन की पहुंच को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

समारोह आज दोपहर 12 बजे : समारोह की शुरुआत 10 मई को दोपहर 12 बजे होगी, जिसमें केंद्रीय मंत्री चौहान, मुख्यमंत्री यादव के साथ ही केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी और केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान, म.प्र. के ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा म.प्र. सरकार के अन्य जनप्रतिनिधि और केंद्र तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहेंगे।

एक ही दिन में दस ...

समन्वयक डॉ. बलराज सिंह यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत रविवार को एक ही दिन में देश के दस हजार से अधिक स्वास्थ्य पेशेवरों को बेसिक नियोनेटल रिससिटेशन प्रोग्राम (एनआरपी) कौशल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य देश में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) को कम करना है।

"गोल्डन मिनट" के दौरान जान बचाने की ट्रेनिंग : आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को जन्म के तुरंत बाद "गोल्डन मिनट" के दौरान नवजात शिशु की जान बचाने हेतु आवश्यक व्यावहारिक कौशल प्रदान करने पर केंद्रित है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में जन्म लेने वाले प्रत्येक 10 में से एक शिशु को जन्म के समय सांस लेने में दिक्कत होती है और उसे स्वास्थ्य कर्मियों की सहायता की आवश्यकता होती है। डॉ. बलराज सिंह यादव के अनुसार यह अभियान देश के 18 से अधिक राज्यों में संचालित किया जाएगा, जहां अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। गुरुग्राम में यह कार्यक्रम कृष्णा मेडिकेयर के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जो इस पहल में ज्ञान एवं क्रियान्वयन साझेदार के रूप में सहयोग कर रहा है। इस पहल का नेतृत्व एन एनएफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. ललन के भारती कर रहे हैं । उनके साथ महासचिव डॉ. अमित उपाध्याय, नेशनल चेयर पर्सन डॉ. एस निम्बालकर, नेशनल कॉर्डिनेटर डॉ. विकास गोयल तथा कन्वीनर डॉ. शरण्या मैनिकराज सहयोग कर रहे हैं। गुरुग्राम कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. बलराज सिंह यादव द्वारा किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण पहल से डॉ. जेपी दधीचि, डॉ.गोपाल अग्रवाल तथा डॉ विनीता यादव भी जुड़े हुए हैं। डॉ. बलराज सिंह यादव ने कहा कि प्रसव एवं नवजात देखभाल से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का प्रशिक्षित होना आवश्यक है, क्योंकि जन्म के समय त्वरित एवं सही जीवन रक्षा प्रक्रिया से नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य परिणामों में उल्लेखनीय सुधार होता है तथा नवजात मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है । उन्होंने कहा कि यह पहल सुनिश्चित करेगी कि स्वास्थ्यकर्मी जन्म के बाद के सबसे महत्वपूर्ण पहले 'गोल्डन मिनट' में नवजात शिशु के जीवन से जुड़ी आपात स्थिति का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। यह निःशुल्क बेसिक एनआरपी कोर्स बाल रोग विशेषज्ञों एवं नियोनेटोलॉजिस्ट, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों, चिकित्सकों, एनेस्थीसियोलॉजिस्ट, मेडिकल अधिकारियों, रेजिडेंट डॉक्टरों, नर्सों, दाइयों तथा प्रसव कक्ष एवं नवजात देखभाल सेवाओं से जुड़े स्वास्थ्यकर्मियों के लिए तैयार किया गया है। कार्यक्रम में भारत सरकार के एनएनएसके मॉड्यूल के अनुरूप पाठ्यक्रम, मैनिकिन पर व्यावहारिक सिमुलेशन प्रशिक्षण, छोटे समूहों में एक-से-एक प्रशिक्षक संवाद, प्रारंभिक नवजात जीवन रक्षा तथा बैग-एंड-मास्क वेंटिलेशन का प्रशिक्षण शामिल होगा। सफल प्रतिभागियों को नेशनल न्नोनेटोलॉजिकल फोरम का बेसिक एनआरपी प्रोवाइडर प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जिसकी वैधता दो वर्ष तक रहेगी। इससे प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर के नवजात देखभाल मिशन एवं अभिलेख का हिस्सा बन सकेंगे।

आज तेलंगाना और ...

बंगाल व असम विधानसभा चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद तेलंगाना में उनकी पहली जनसभा है। पीएम मोदी हैदराबाद-पणजी आर्थिक गलियारे और जहीराबाद औद्योगिक क्षेत्र की आधारशिला रखेंगे। साथ ही, वह काजीपेट-विजयवाड़ा के बीच तीसरी लाइन परियोजना के विभिन्न खंडों, हैदराबाद में ग्रीनफील्ड पीओएल टर्मिनल और वारंगल में पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन करेंगे। बाद में, वह यहां परेड ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में लगभग दो लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

नई दिल्ली को है पूरा...

2063 के एजेंडे को संरेखित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच होगा।

1 जून को होगा आईबीसीए सम्मेलन : इस वर्ष आईएएफएस-4 सम्मेलन की थीम 'आईए स्प्रिट' यानी 'इनोवेशन, रेसिलियंस एंड इंक्लूसिव ट्रांसफॉर्मेशन के लिए भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी' रखी गई है। आईएएफएस की शुरुआत 2008 में हुई थी। जिसके बाद वर्ष 2011 और 2015 में इसका आयोजन किया गया था। लेकिन इस वर्ष का मुख्य उद्देश्य भारत के अफ्रीकी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों, सहयोग और साझेदारी को मजबूती प्रदान करना है। 2015 के बाद सम्मेलन के आयोजन में हुई दस वर्ष की देरी को लेकर सूत्रों ने कहा, कोरोना महामारी और उसके प्रभाव इसकी वजह रहे हैं। वहीं, आईएएफएस-4 के तुरंत बाद जून की शुरुआत में इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) का सम्मेलन होगा। अफ्रीका महाद्वीप से भारत की इस अंतरराष्ट्रीय पहल में कुल 25 देश शामिल हैं। आईबीसीए के जरिए चीता, तेंदुआ, जगुआर, बाघ, शेर, हिम तेंदुआ, प्यूमा का संरक्षण किया जाता है।

चीन की हर चाल पर कड़ी नजर : सूत्रों ने चीन का नाम लिए बगैर बताया कि अफ्रीका महाद्वीप में बाकी देशों की मौजूदगी और भागीदारी को लेकर उन्हें पूरी जानकारी है। लेकिन अफ्रीका के साथ भारत का प्राचीन और सभ्यता कालीन संबंध रहा है। जिसे आधुनिक समय में हम अपनी स्वयं की उपस्थिति के जरिए आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। इस सम्मेलन की मदद से हमें इस दिशा में और आगे बढ़ने के लिए नई गति मिलेगी।

मजबूत होगा व्यापार, ऊर्जा, रक्षा सहयोग : उन्होंने कहा कि भारत अफ्रीका महाद्वीप के तमाम देशों के साथ अपना व्यापार, निवेश, ऊर्जा और रक्षा संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के पक्ष में है। महाद्वीप के 39 देश अंतरराष्ट्रीय सौर संघ (आईएसए) से जुड़े हैं। दोनों पक्षों के बीच व्यापार संबंधी व्यवस्था भी मौजूद है। हालांकि विभिन्न देशों के साथ अलग से हमारा मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) नहीं है। लेकिन नई दिल्ली ने 33 अफ्रीकी देशों (बहुत कम विकसित हुए देश) के देश में निर्यात को ड्यूटी फ्री यानी शुल्क मुक्त कर दिया है। अब भारत में इनके 98% निर्यात को शुल्क मुक्त किया गया है। जबकि 22 अन्य देशों के साथ भारत व्यापार के संबंध में नई व्यवस्था करेगा। हमारी भागीदारी का एक अहम स्तंभ व्यापार और निवेश है। जिसे आगे बढ़ाने को लेकर हम नए उपायों की तलाश कर रहे हैं। भारत की कोशिश अब इस मामले में निजी क्षेत्र की कंपनियों को भी आगे बढ़ाने की है। दुर्लभ खनिजों और प्राकृतिक संसाधनों के विषय में भी संवाद बना हुआ है।

अंगोला से हो रही भारत की तेल खरीद : पश्चिम-एशिया संकट के दौर में भारत ने अपने ऊर्जा (कच्चे तेल, डीजल) खरीद के विकल्पों में विविधता लाई है। अफ्रीका महाद्वीप के देश अंगोला से भी हम तेल खरीद रहे हैं। जिसका मकसद मौजूदा खतरे के बीच खाड़ी देशों पर बनी हुई निर्भरता को कम करना है।

अफ्रीका को दी गई 600 मिलियन की ग्रांट : सूत्रों ने कहा कि तीसरे सम्मेलन के तहत भारत द्वारा अफ्रीका के लिए तय की गई घोषणाओं में से अब तक उसे कुल करीब 600 मिलियन की ग्रांट, 5 हजार छात्रवृत्तियां दी हैं। इसके अलावा 10 बिलियन डॉलर के लाइन ऑफ क्रेडिट (एलओसी) में से अभी तक भारत ने 4.5 बिलियन डॉलर की परियोजनाओं को पूरा कर अफ्रीका को सौंप दिया है। महाद्वीप के करीब 5 देशों में 5 हजार भारतीय सेना के रणबांकुरे यूएन शांति सैनिकों के रूप में तैनात हैं। वहीं, 3.5 मिलियन प्रवासी भारतीय क्षेत्र में रह रहे हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल..

त्रिपाठी के स्थान पर देश की समुद्री सेना के नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे। एडमिरल त्रिपाठी 31 मई को अपना कार्यकाल पूरा कर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने 9 मई को एक आधिकारिक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि जनरल अनिल चौहान ने सितंबर 2022 में सीडीएस के रूप में पदभार ग्रहण किया था। पिछले साल 2025 में उनका कार्यकाल समाप्त होने से ठीक पहले सरकार ने 24 सितंबर को उन्हें 8 महीने का सेवा विस्तार दिया था। जो 30 मई को समाप्त हो रहा है। इसके पूर्व में वह सेना की कोलकाता स्थित पूर्वी कमांड के प्रमुख के रूप में कार्य करने के बाद सेना से सेवानिवृत्त हुए थे।

यह होंगी दोनों की प्राथमिकताएं : सीडीएस के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि के सामने सबसे पहली प्राथमिकता मोदी सरकार के बहुप्रतीक्षित और महत्वाकांक्षी रक्षा सुधारों में से एक माने जाने वाले तीनों सशस्त्र सेनाओं के एकीकरण यानी थिएटर कमांड के गठन की योजना के क्रियान्वयन, सेनाओं के बीच समन्वय और तालमेल बढ़ाने की होगी। इस बाबत एक प्रस्ताव जनरल चौहान ने हालिया समय में रक्षा मंत्रालय की मंजूरी के लिए सौंप दिया है। आगामी समय में अगर इसे मंत्रालय की स्वीकृति मिल जाती है। तो उसके बाद प्रस्ताव को पीएम की अध्यक्षता वाली समिति, सीसीएस की हरीझंडी के लिए भेजा जाएगा। वहीं, वाइस एडमिरल स्वामीनाथन के समक्ष नौसेना के तीव्र गति से आधुनिकीकरण, नए प्लेटफार्म को नौसेना में शामिल करने और आत्मनिर्भरता को और अधिक बढ़ाने पर केंद्रित रहेगी।

चीन-पाक सेक्टर के विशेषज्ञ हैं सुब्रमणि : लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि भारतीय सेना की गढ़वाल राइफल्स की 8वीं बटालियन में 14 दिसंबर 1985 को कमीशन हुए थे। सेना में उन्हें 4 दशक से अधिक समय तक कार्य करने का लंबा अनुभव है। जिसमें उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों जैसे कमांड, स्टाफ और प्रशिक्षण प्रमुख के रूप में अपने दायित्व का निर्वाह किया है। संख्या बल के मामले में सैनिकों, अधिकारियों व अन्य कर्मियों को मिलाकर कुल करीब 12 लाख के आकार वाली सेना के भीतर ले.जनरल सुब्रमणि को एक सैनिक से लेकर विषय विशेषज्ञता में निपुण अधिकारी के रूप में जाना जाता है। उन्हें चीन और पाकिस्तान सेक्टर का व्यापक अनुभव रहा है।

सुरक्षा सचिवालय में सुरक्षा सलाहकार : मंत्रालय ने बताया कि सीडीएस के रूप में नियुक्त किए जाने से पहले लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि पिछले साल 1 सितंबर से राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) में सैन्य सलाहकार के पद पर तैनात हैं। इसके पूर्व में 1 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2025 तक वह सेना में उप-प्रमुख के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे। सेना में उप-प्रमुख बनाए जाने से पहले ले.जनरल सुब्रमणि मार्च 2023 से जून 2024 तक थलसेना की केंद्रीय कमांड के प्रमुख (जनरल ऑफिसर-कमांडिंग-इन-चीफ, जीओसी-इन-सी) थे। अपने सैन्य करियर के दौरान किए गए उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य के लिए ले.जनरल राजा सुब्रमणि को परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

शिक्षा, सैन्य तैनाती का सार : लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी से स्नातक की डिग्री ली है। वह ब्रिटेन के ब्रेक-नेल स्थित जाइंट सर्विसेज कमांड स्टाफ कॉलेज और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (नई दिल्ली) के पूर्व छात्र रहे हैं। किंग्स कॉलेज लंदन से उन्होंने कला में परास्नातक और मद्रास विश्वविद्यालय से डिफेंस स्टडीज में एमफिल की डिग्री प्राप्त की है। 40 वर्ष से अधिक लंबी और शानदार सैन्य सेवा के दौरान उन्होंने विविध भौगोलिक परिदृश्यों, संघर्षों के बीच राष्ट्र सेवा का जरूरी दायित्व निभाया है।

ऑपरेशन राइनो में निभाई जिम्मेदारी : असम में उग्रवाद से मुकाबले के लिए शुरू किए गए अभियान ऑपरेशन राइनो अभियान के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि ने सेना की 16 गढ़वाल राइफल्स को कमांड किया। जम्मू-कश्मीर में बेहद चुनौतीपूर्ण माहौल में 168 इन्फेंट्री ब्रिगेड और केंद्रीय सेक्टर में सेना की 17वीं माउंटेन ब्रिगेड को उन्होंने नेतृत्व प्रदान किया है। इसके अलावा सेना की एक बेहद महत्वपूर्ण मानी जानी वाली दूसरी स्ट्राइक कोर भी एन.एस.सुब्रमणि ने कमांड किया है।

कजाकिस्तान में रहे रक्षा अतासे : लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि एनडीए में डिविजनल अधिकारी, माउंटेन ब्रिगेड में ब्रिगेड मेजर, कजाकिस्तान में रक्षा अताशे, सैन्य सचिवालय शाखा में उप सैन्य सचिव, सेना की पूर्वी कमांड मुख्यालय में कर्नल जनरल स्टाफ (ऑपरेशन), जम्मू कश्मीर में राष्ट्रीय राइफल्स के सेक्टर में उप कमांडर, रक्षा मंत्रालय में एकीकृत सैन्य मुख्यालय (सेना) में मिलिट्री इंटेलीजेंस में उप महानिदेशक, पूर्वी कमांड में ब्रिगेडियर जनरल स्टाफ (ऑपरेशन), वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में मुख्य प्रशिक्षक (सेना), उत्तरी कमांड मुख्यालय में चीफ ऑफ स्टॉफ जैसे शीर्ष पदों पर काम कर चुके हैं। देश की पश्चिमी और उत्तरी सीमा पर उन्हें सेना के रणनीतिक अभियानों के संबंध में व्यापक जानकारी है।

'सीआईडब्ल्यू' के महारथी हैं स्वामीनाथन : मंत्रालय के मुताबिक, वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन उप-नौसेनाप्रमुख बनाए जाने से पहले बीते वर्ष 31 जुलाई 2025 से समुद्री सेना की मुंबई मुख्यालय वाली पश्चिमी कमांड के प्रमुख (फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ) के 34वें प्रमुख के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे। भारतीय नौसेना में वह 1 जुलाई 1987 को कमीशन हुए। उन्हें संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध कौशल (सीआईडब्ल्यू) का विशेषज्ञ माना जाता है। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (खडकवासला) के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्होंने ब्रिटेन के श्रिवेनहैम स्थित जाइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज, मुंबई के करंजा में कॉलेज ऑफ नेवल वारफेयर और अमेरिका के न्यूपोर्ट स्थित यूएस नेवल वॉर कॉलेज से भी शिक्षा ग्रहण की है। जेएनयू से बीएससी, कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से टेलीकम्युनिकेशन में एमएससी, किंग्स कॉलेज लंदन से डिफेंस स्टडीज में एमए, मुंबई यूनिवर्सिटी से स्ट्रैटेजिक स्टडीज में एमफिल और इंटरनेशनल स्टडीज में एमफिल की डिग्री भी हासिल की है। वाइस एडमिरल के रैंक पर पदोन्नति से पहले नौसेना की पश्चिमी कमांड के प्रमुख, नौसेना मुख्यालय में कंट्रोलर ऑफ पर्सनल सर्विसेज व चीफ ऑफ पर्सनल के पद पर भी कृष्णा स्वामीनाथन तैनात थे।

विक्रमादित्य, मैसूर, विद्युत पर रही तैनाती : वाइस एडमिरल स्वामीनाथन को अपने सेवाकाल में परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल जैसे सम्मानों से सम्मानित किया गया है। अपने लगभग चार दशक के करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण ऑपरेशनल, स्टॉफ और प्रशिक्षण पदों पर जिम्मेदारी संभाली है। जिसमें देश का पहला स्वदेशी विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रमादित्य, मिसाइल नाशक डिस्ट्रॉयर आईएनएस मैसूर, मिसाइल पोत आईएनएस विद्युत, विनाश और मिसाइल कार्वेट आईएनएस कुलिश मुख्य रूप से शामिल है।

मातृ दिवस विशेष

मां की ममता, उसके प्रेम, उसके समर्पण और उसके त्याग की कोई सीमा नहीं होती है। हर हाल में अपनी संतान का हित, उसके सुख और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की महानता का कितना भी बखान किया जाए कम ही होगा। आइए आज मातृ दिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि अपनी मां को हमेशा खुश रखेंगे, उनकी हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

आवरण कथा

सरस्वती रमेश

मां त्याग-प्रेम की मूरत है सबसे अनमोल

प्रकृति की हर कृति अपने आप में अनूठी और अनमोल है। लेकिन मां की बात ही कुछ अलग है। मां को प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति कहें तो अतिश्योक्ति न होगी। मां की ममता के समक्ष दुनिया के सारे ऐशो-आराम, स्वर्गीय सुख, चमक-दमक फीके हैं। मां के स्नेह में, ममता में जो सुख, तृप्ति और सुकून होता है, उसे दुनिया की कोई शय नहीं दे सकती। इसीलिए उस शख्स को दुनिया में सबसे खुशनसीब माना जाता है, जिसके सिर पर मां की ममता का साया होता है। सच कहें तो मां की उपस्थिति, स्वर्ग से भी अधिक आलौकिक अनुभूति देती है। मां की इस दिव्यता को, विशेषता को मुनव्वर राणा ने अपने एक शेर में यूं समेटा है-

चलती-फिरती हुई आंखों से अजां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है।

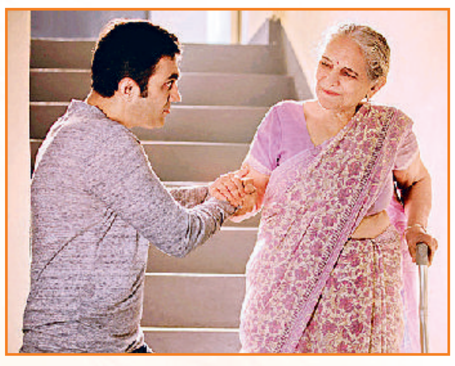

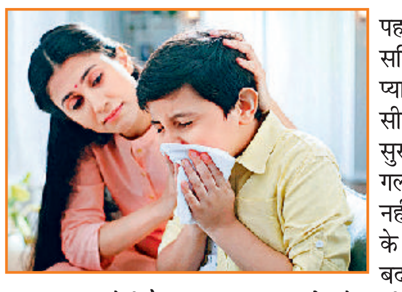

भावनाओं का दरिया है मां: हर मां के हृदय में भावनाओं का दरिया उमड़ता रहता है। यही भावनाएं मां और उसकी संतान के मध्य अनिर्वचनीय रिश्ता कायम करती हैं। एक ऐसा रिश्ता, जिसमें संसार के सभी रिश्तों की तासीर को महसूस किया जा सकता है। एक मां की उसके संतान के प्रति जैसी तड़प, प्रेम, चिंता, समर्पण और त्याग की भावना होती है, ऐसी भावना किसी और रिश्ते-नाते में नहीं देखी जा सकती है। मां अपने बच्चे की सिर्फ जन्मदात्री नहीं होती। वह उसकी प्रथम गुरु, संरक्षक, दोस्त, पालनकर्ता और मार्गदर्शक भी होती है। एक बच्चे को अपनी मां से वह सब कुछ मिलता है, जिसकी उसे वर्तमान में जरूरत है और भविष्य में जरूरत पड़ने की संभावना होती है। वैसे तो बच्चे के इर्द-गिर्द ढेर सारे संबंधों की कतार होती है। लेकिन अपनी मां से उसे जो प्राप्त होता है, उसकी भरपाई दुनिया का कोई भी रिश्ता नहीं कर सकता। नेल्सन मंडेला के शब्दों में कहें तो, 'मां का प्यार सबसे ऊंचा, अशेष और अनपेक्षित होता है।'

रुई के फाहे सा स्नेह: मां का प्यार, उसका स्नेह रुई के फाहे जैसा मुलायम और निर्दोष होता है। वह बच्चे की जरा-सी चोट पर विह्वल होने लगता है। बच्चे को जरा सी भी तकलीफ हो तो मां का मन विचलित होने लगता है। उसका प्यार देखना हो तो उसकी चिंताओं को गौर से देखिए। बच्चे की हर पल की जरूरतों के लिए मां किस हद तक फिक्रमंद होती है। उसकी दिनचर्या का निर्धारण बच्चे की जरूरतों के हिसाब से तय होता है। यहां तक कि उसके सोने-जागने का भी। एक लड़कोरी (नवजात की मां) की नींद कभी पूरी नहीं हो पाती। वो टुकड़ों-टुकड़ों में सोती हैं। बच्चे की रोने की एक आवाज पर अपने खाने की थाली सरका कर उसे पहले दूध पिलाती है। बीमार बच्चे की देख-रेख करने में तो मां अपनी भूख, प्यास, नींद तक बिसरा देती है।

कामयाबी के पीछे मां की भूमिका: किसी इंसान की कामयाबी में उसकी मां की भी भूमिका होती है। ज्यादातर सफल और महान लोगों की कामयाबी के पीछे उनकी मांओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दुनिया में ऐसे बेशुमार उदाहरण हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने संस्मरण में अपनी मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लिखा है,'मेरी मां ने मुझे शिक्षित करने और मेरे भीतर आत्मविश्वास भरने के लिए बहुत मेहनत की। दिन में वह काम पर जाती थीं, इसलिए भोर में चार बजे उठकर मुझे पढ़ाती थीं। हमारी जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद, मेरी मां ने मुझे हर पल खास महसूस कराया।' ऐसा ही एक और उदाहरण महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उनके महान आविष्कार को सारी दुनिया जानती है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि जब वह छोटे थे, तो आम बच्चों की तरह समझदार नहीं थे। उनके अध्यापक उन्हें हमेशा मंदबुद्धि कहते थे। जब उनकी मां, नैंसी को यह बात पता लगी तो वो उन्हें स्कूल से निकाल लाईं और घर पर ही पढ़ाने लगीं। कई साल बाद एडिसन ने अपनी डायरी में लिखा, 'मेरी मां ने ही मुझे बनाया। वह बहुत सच्ची थीं। मुझ पर अथाह भरोसा करती थीं। उनके स्नेह को पाकर मुझे लगा कि मेरे पास भी जीने की कोई वजह है। उन्हें मैं निराश नहीं कर सकता था।'

एक मंदबुद्धि बच्चा एक मां के संकल्प, हौसले और स्नेह की बदौलत उस सदी का जीनियस बन गया। उस मां ने अपने मंदबुद्धि बेटे से घृणा नहीं की। उससे प्रेम किया और उस पर विश्वास किया। मां के स्नेह और विश्वास में चमत्कारिक शक्ति होती है, जो संतान के जीवन को संवार देती है। कामयाबी की ऐसी लाखों कहानियां हैं, जिनके पीछे एक मां का यही विश्वास और अथाह प्रेम है।

मां कभी नहीं बदलती: दुनिया पल-पल बदलती रहती है, लेकिन मां जैसी सदियों पहले हुआ करती थीं, अब भी वैसी ही होती हैं। यानी सदियां गुजर गईं लेकिन अपनी संतान के प्रति मां का प्यार, लगाव और समर्पण बरकरार है। अपने बच्चों को सीने से लगाने वाली, आंचल में सहेजने वाली, उनकी सुरक्षा के लिए ढाल बन जाने वाली और उनकी हर गलती को क्षमा कर देने वाली मां की ममता का मोल नहीं है। लेकिन दुःखद है कि आधुनिकता, स्वार्थी सोच के प्रभाव में कई संतानों का व्यवहार अपनी मां प्रति बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि आखिर जब सदियों में मांओं का अपनी संतान से जुड़ाव नहीं बदला तो संतानों का व्यवहार मां के प्रति क्यों बदल गया? ऐसा क्या हो गया कि सभ्यता के विकास ने हमें ऐसी तहजीब सिखाई, जिसने मां का सम्मान करना भुला दिया? दरअसल, सच यह है कि विकास की चकाचौंध में हम निहायत आत्मकेंद्रित और स्वार्थी होते गए हैं। हम मां की ममता जैसे अमूल्य भाव का सम्मान करना भी भूल गए।

मदर्स-डे की महत्ता: संतोष की बात है कि हमारी इस गलती का एहसास कराने के लिए, जीवन में अपनी मां की महत्ता को याद दिलाने के लिए वर्ष में एक दिन मुकर्रर किया गया है। जिसे हम मदर्स-डे के नाम से मनाते हैं। हालांकि मां अपने बच्चों से हर दिन प्रेम, सम्मान व आत्मीयता की हकदार है। बुढ़ापे में जब उसकी हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, नजर धुंधली हो जाती है और हाथ कांपने लगते हैं, तब उसे अपने बच्चों का साथ व सहारे की जरूरत होती है। ऐसे में मदर्स-डे हमें 'मां' की उस अमूल्य ममता की याद दिलाता हैं। तो आज मदर्स-डे मनाते हुए हम जरूर संकल्प करें कि हम मां को भरपूर प्यार सम्मान न केवल आज, हर दिन देंगे। उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। *

अनुभूति / डॉ. ऋतु सारस्वत

मां के नाम बेटे की पाती

मां अपने बच्चों को केवल पालती-पोसती ही नहीं, बहुत सरल-सहज तरीके से उसके भीतर संस्कारों के बीज भी रोप देती है। इसका एहसास कई बार वर्षों बाद बच्चे को होता है। अपनी मां के प्रति एक बेटा ऐसी ही भावानुभूतियां पत्र के जरिए यहां व्यक्त कर रहा है।

मेरी प्यारी मां

जीवन में पहली बार आपको कुछ लिखकर भेज रहा हूं। सच कहूं तो समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरुआत करूं? न जाने कितनी बार लिखा और मिटाया है, हर बार लगता है कि मेरे पास कहने के लिए हजारों शब्द हैं, पर उन्हें एक-दूसरे से जोड़ ही नहीं पा रहा। पता है मां, आज मैं बाजार गया था। पढ़ते-पढ़ते थक गया था, सोचा यूं ही थोड़ा घूम लूं। तभी मेरी नजर एक दुकान में रखे बिंदी के छोटे से पैकेट पर पड़ी और मैंने बिना कुछ सोचे ढेर सारी बिंदियां खरीद लीं। जैसे ही उन्हें हाथों में लिया, यूं महसूस हुआ जैसे आपके ममतामयी हाथ मुझे स्पर्श कर रहे हों। आपकी मुस्कुराहट मेरी आंखों के सामने घूमने लगी और मन किया कि दौड़कर आऊं और आपको जोर से गले लगा लूं। मां, आपकी बहुत याद आ रही है। मां, मुझे आज भी याद है, जब भी आप कहीं बाहर से लौटकर घर आती थीं, तो मैं दौड़कर आपकी गोद में चढ़ जाता था। सबसे पहले आपके माथे से आपकी बिंदी उतार देता था। आप हैरान होकर पूछती थीं- 'बेटा, ऐसा क्यों करते हो?' मैं मासूमियत से कह देता था- 'अगर आपके माथे पर बिंदी लगी रही, तो आप फिर से बाहर चली जाओगी' आप मुस्कुरा देती थीं। मैं आपके और करीब सिमट जाता था। पर मां, बिंदी की यह कहानी यहीं तक नहीं थी। एक दिन मैं बहुत गुस्से में स्कूल से घर लौटा था, क्योंकि मेरी गलती न होने पर भी मेरी टीचर ने मुझे बहुत डांटा था। गुस्से में मैंने कह दिया, 'मेरी टीचर बहुत गंदी है' आपने तुरंत मुझे रोका और समझाया कि बड़ों के लिए ऐसे शब्द नहीं बोलते। फिर आपने मुस्कुराकर कहा, 'और अगर शिकायत करनी भी है, तो कम से कम 'बिंदी' तो लगा लो

आपकी यह बात सुनकर मैं टकटकी लगाकर आपको देखने लगा और मासूमियत से पूछ बैठा, 'तो क्या मां, मुझे किसी की शिकायत करने के लिए खुद बिंदी लगानी होगी?' आप मेरी बात सुनकर हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं और फिर बोलीं, 'अरे बुद्धू, मैं तुम्हें बिंदी लगाने के लिए नहीं कह रही और तुम बिंदी लगाओगे भी कैसे, तुम तो अभी छोटे से बच्चे हो।' मैंने भी तुरंत कहा, 'मां, मैं छोटा तो हूं ही पर मैं तो लड़का हूं, मैं बिंदी कैसे लगा सकता हूं!' मेरी यह बात सुनकर आप फिर जोर-जोर से हंसने लगीं और मैं थोड़ा खिसियाकर बोला, 'मां, प्लीज बताओ ना' तब आपने बड़े प्यार से समझाया, 'देखो, 'है' के ऊपर जब बिंदी लगती है, तो वह 'हैं' बन जाता है, और बड़ों के लिए हमेशा हमें सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। 'वह आ रही है' हम अपने किसी दोस्त के लिए कह सकते हैं, लेकिन अगर किसी बड़े के लिए कहना हो, तो हमें कहना चाहिए 'वह आ रही हैं।' और ऐसे ही न जाने आपने मुझे कितने उदाहरण देकर समझाया।

मां, पता नहीं आपके शब्दों में क्या जादू था कि उसके बाद मैं कभी यह 'बिंदी' लगाना भूल ही नहीं पाया। मेरी हर बात में, हर संबोधन में अनजाने में ही वह सम्मान जुड़ता चला गया। आपकी यह 'बिंदी' सच में कमाल की है। मां, यह मुझे बहुत बार बिल्कुल अजनबियों के भी करीब ले आती है। हमारे कॉलेज के चौकीदार भैया हों या कमरे में सफाई करने वाली आंटी जब भी मैं उनसे आदर से बात करता हूं, उनके चेहरे पर जो मुस्कुराहट आती है, वह मेरे मन को एक अलग ही सुकून देती है। एक दिन आंटी ने कहा, 'भैया, आप बहुत अच्छे हैं' और उनके ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे तेज गर्मी में अचानक बारिश हो गई हो। मां, मैं बहुत दिनों से आपको यह बताना चाह रहा था कि आपकी यह 'बिंदी' सचमुच बहुत अच्छी है पर कभी मौका ही नहीं मिला। आज जब इस बिंदी के छोटे से पैकेट को हाथ में लिया, तो लगा जैसे किसी ने मेरे हाथ में कलम थमा दी हो और जो बातें इतने दिनों से मन में थीं, वे अपने आप शब्द बनकर बहने लगीं। मां, सच कहूं आपकी यह 'बिंदी' सिर्फ आपके माथे पर लगकर आपको सुंदर नहीं बनाती बल्कि यह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत संस्कार बन गई है, जो हर रोज मुझे एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाती है।

थैंक यू सो मच मां!

-आपका बेटा

गजल / डॉ. ओम निश्चल

मां का प्यार

तुम से लिपट कर सो जाऊं मां
तो दुनिया का सुख पाऊं मां।
गोद तुम्हारी ममता का गढ़
कैसे इसको झुठलाऊं मां।
पुलकित दृष्टि तुम्हारी देखूं
आंखों में ही खो जाऊं मां।
चुपके-चुपके जो गाती हो
उस रुनझुन पर बलि जाऊं मां।
मां का प्यार अलौकिक होता
किस-किस को यह बतलाऊं मां।
मुझे छुपा लो अब आंचल में
इसी सृष्टि में रम जाऊं मां।

लघुकथाएं

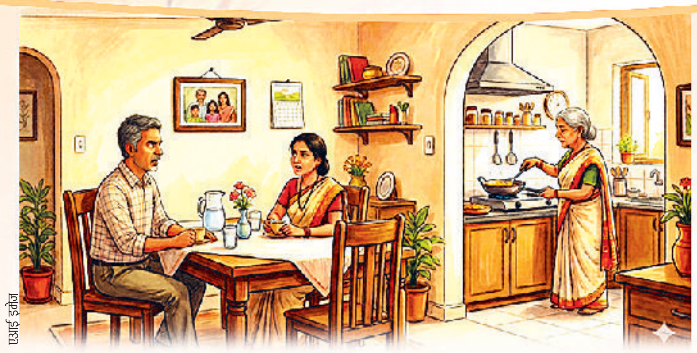

एआई इमेज

स्वाद मां के हाथों का

'मां के हाथ के गट्टे की सब्जी का जवाब ही नहीं!' मुंह में एक कौर डालते हुए शोभा के पति राकेश बोल पड़े।

'मैं कितना भी अच्छा खाना बना लूं, पर पता नहीं क्यों इनके मुंह से मेरी प्रशंसा के एक शब्द भी नहीं निकलते?' यह सोचकर शोभा के मन में कहीं ना कहीं अपनी सासू मां के प्रति ईर्ष्या के भाव बने रहते। उसकी सासू मां इन बातों से अनभिज्ञ आए दिन अपने बेटे के लिए नए-नए पकवान बनाती रहतीं। एक बार शोभा के पिताजी की तबियत ज्यादा खराब हो गई। आनन-फानन में वह मायके चली गई। अपने आठ वर्षीय बेटे को भी साथ नहीं ले जा पाई, क्योंकि उसके एग्जाम चल रहे थे। करीब दस दिन वह अपने मायके में रही। पिताजी की तबियत में सुधार होते ही वह अपने घर लौट आई। जैसे ही वह घर आई, उसका बेटा उससे लिपट गया और बड़ी ही मासूमियत से बोला, 'मम्मा आप इतने दिनों के लिए क्यों चली गई थीं? मुझे दादी के हाथ का खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था।' 'वो क्या है न बहू, बच्चों को अपने मां का हाथ का खाना ही अच्छा लगता है, क्योंकि बच्चा शुरू से ही अपनी मां के हाथ का खाना ज्यादा खाता है। इसलिए उसके मुंह में वहीं स्वाद चढ़ जाता है। इसके अलावा मां का स्नेह और अपनापन भी तो उस खाने में शामिल होता है।' उसकी सासू मां ने सहज स्वर में कहा। 'इतनी छोटी-सी बात वह कैसे नहीं समझ पाई और बेवजह मां-बेटे से हमेशा चिढ़ती रही।' शोभा मन ही मन में बोली। शोभा के पति उसकी भाव-भंगिमा देखकर उसके अंदर चल रहे भावों को भांप गए। इसलिए उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोले, 'तुम भी बहुत अच्छा खाना बनाती हो, वो तो मैं तुम्हें चिढ़ाने के लिए तुम्हारे सामने मां की तारीफ करता रहता हूं।' 'अच्छा...जाइए मैं आपसे बात नहीं करूंगी।' कहकर वह गुस्से में अपने कमरे में चली गई। इस पर राकेश भी उसे मनाने के लिए उसके पीछे-पीछे कमरे में पहुंच गए। *

-शीला श्रीवास्तव

पैसे हैं पर मां नहीं

'साहब, मेरी पासबुक देखकर बताइए, क्या खाते में पैसे आए हैं?' बूढ़ी महिला ने गिड़गिड़ाते हुए बैंक क्लर्क प्रमोद से विनती की। 'मांजी, आप से कितनी बार कहा कि आपके खाते में बैलेंस ही नहीं है!' प्रमोद झुंझला कर बोला। 'साहब, मैं बहुत गरीब हूं। खाने-पीने के भी पैसे नहीं हैं। मेरा बेटा हर महीने मुझे तीन हजार रुपए भेजता है।' बूढ़ी औरत रोते हुए बोली। 'भेजता रहा होगा, लेकिन पिछले तीन महीनों से उसने एक भी रुपया नहीं भेजा है, माता जी। मैं आपको पैसे कहां से दे दूं?' प्रमोद झल्लाते हुए बोला। उसकी तेज आवाज सुनकर मैनेजर रूपांग मेहता ने अपने केबिन से बाहर आकर पूछा, 'क्या बात है प्रमोद, मांजी को क्या परेशानी है?' 'सर, ये मांजी रोज आकर बैलेंस चेक करने को कहती हैं। इनके खाते में पैसा ही नहीं है, मैं क्या करूं?' प्रमोद ने जवाब दिया। मेहता साहब ने बूढ़ी महिला की ओर देखा। लगभग सत्तर साल की उस महिला की फटी साड़ी, टूटा चश्मा और हाथ में लाठी, उनकी गरीबी को बयां कर रही थी। 'मांजी, आप रोज क्यों आती हैं?' मेहता साहब ने पूछा। वह बूढ़ी महिला बोली, 'मेरा नाम सविता है साहब। दस साल पहले मेरे पति की शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। मैंने चार घरों में काम करके अपने बेटे मयंक को पढ़ाया और उसे कंप्यूटर इंजीनियर बनाया। पिछले साल उसकी शादी हुई और अब वह बेंगलुरु में नौकरी करता है। वह हर महीने तीन हजार रुपए भेजता था, लेकिन तीन महीने से खाते में पैसे आ ही नहीं रहे है। लगता है शायद पैसे गलती से किसी और खाते में जा रहे होंगे। मेरे पास दवा और खाने के भी पैसे नहीं हैं। आंखों में भी मोतियाबिंद है, काम भी नहीं हो पाता।' यह कहते हुए सविता रो पड़ी। मेहता साहब का दिल भर आया। उन्होंने पूछा, 'क्या आप के पास बेटे का नंबर है?' सविता ने एक मुड़ा-तुड़ा कागज उनकी ओर बढ़ा दिया। मेहता साहब ने उस नंबर पर फोन लगाया। दूसरी ओर से फोन उठा तो वह बोले, 'हैलो, मयंक से बात करवा दीजिए।' दूसरी तरफ से किसी महिला ने पूछा, 'मैं उनकी पत्नी माया बोल रही हूं, मयंक बाहर गए हैं। आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं बिलासपुर से बैंक मैनेजर रूपांग मेहता बोल रहा हूं। आपकी सास यहां आई हुई हैं, मयंक ने तीन महीने से उन्हें पैसे नहीं भेजे क्या?' 'अरे सर, कब तक पैसे भेजते रहेंगे उनको? हमारी भी जरूरतें हैं। हम लोग सिंगापुर घूमने का प्लान बना रहे हैं।' माया ने बेरुखी से कहा। 'लेकिन मांजी के पास खाने और दवा के पैसे भी नहीं हैं!' मेहता साहब थोड़ा तल्खी से बोले। 'तो हम क्या करें? क्या हमने उनका ठेका ले रखा है? कहीं भी चली जाएं, किसी वृद्धाश्रम में क्यों नहीं चली जातीं?' इतना कहकर माया ने फोन काट दिया। यह सुनकर मेहता साहब स्तब्ध रह गए। कैसे बेटे-बहू हैं? उन्होंने माताजी से बिना कुछ कहे अपने खाते से तीन हजार रुपए निकाले और सविता को देते हुए कहा, 'लो मांजी, आपके बेटे ने पैसे भेज दिए हैं।' सविता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे, 'भगवान आप का भला करे।' कह कर वह रो पड़ी। 'अब आप का बेटा हर महीने पैसे भेजेगा।' मेहता साहब बोले। सविता खुश होकर चली गई। उनके जाने के बाद प्रमोद ने आश्चर्य से पूछा, 'सर, आपने अपने पास से पैसे दे दिए?' मेहता साहब भावुक होकर बोले, 'मैं भी गरीब परिवार से हूं। मेरे पिता की मृत्यु के बाद मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया। मैं सोचता था कि जब पैसे कमाऊंगा तो मां के सारे सपने पूरे करूंगा। लेकिन सात साल पहले जब मेरी नौकरी लगी तभी मेरी मां चल बसीं। जब मां थी, तब पैसे नहीं थे और आज पैसे हैं, पर मां नहीं हैं। इसीलिए इस मां की बेबसी मुझसे देखी नहीं गई।' *

-वीरेंद्र बहादुर सिंह

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

ताकि बचा रहे आदमीपन

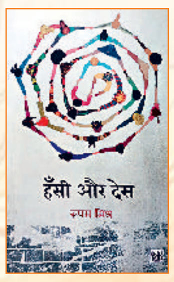

हाल में युवा कवयित्री रूपम मिश्र का दूसरा कविता संग्रह 'हंसी और देस' प्रकाशित होकर आया है। ये कविताएं हमारे समय, समाज और देश की तमाम स्याह-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। देशज भाषा के रचाव और लोकजीवन के राग ने इन कविताओं के निहितार्थ को और भी प्रभावी बना दिया है। *'जीत के आसार न देखते हुए भी लड़ना/ लड़ाई की परंपरा को जिंदा रखना था।'* जैसी पंक्तियां उस सतत संघर्ष को प्रतिबिंबित करती हैं, जो आदमीपन को बचाए रखने के लिए जरूरी है। यहां स्त्री विमर्श की कोरी नारेबाजी नहीं, सदियों पुरानी उस कंडीशनिंग की पड़ताल की गई है, जिसने स्त्रियों के एक वर्ग को चेतनाशून्य बनाकर हर हाल में पुरुषों की सेविका बनने को बाध्य कर रखा है। *'जो मार खा लेती हैं फिर उठकर उन्हीं मर्दों के लिए सबसे अच्छा अचार/सबसे ज्यादा स्वाद वाली सब्जी बना देती हैं।'* प्रेम को भी रूपम, बनी-बनाई परिभाषा से इतर बिल्कुल अलग भावभूमि पर उतरकर महसूसती और व्यक्त करती हैं। इसकी बानगी *'हमने देखा एक-दूसरे को ऐसे जैसे/भूख की यातना में जिया मनुष्य रोटी को देखता हो।'* जैसी पंक्तियों में देखी जा सकती है। *

पुस्तक: हंसी और देस (कविता संग्रह), **लेखिका:** रूपम मिश्र,
मूल्य: 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा- रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का कटनी बनेगा राष्ट्रीय मॉडल

कटनी बनेगा माइनिंग कैपिटल, सोने के साथ अब कटनी के बड़वारा में डोलोमाइट के भंडार-ब्लॉक्स आरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मप्र का कटनी जिला देश के महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क, मार्बल और लेटराइट जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध कटनी अब स्वर्ण अयस्क के साथ ही डोलोमाइट के विशाल भंडार खनन के लिए तैयार हैं। अब कटनी 'माइनिंग कैपिटल' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। कटनी केवल 'चूना नगरी' तक सीमित नहीं रहेगा, यह खनिज आधारित औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार खनिज संपदा के वैज्ञानिक, पारदर्शी और जनहितकारी उपयोग के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। कटनी के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा में 50 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कॉर्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है। इस निर्णय से कटनी में खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे।

सोने के साथ तांबा, जिंक, लेड और चांदी के भंडार

इमलिया क्षेत्र में केवल सोना ही नहीं, बल्कि तांबा, लेड, जिंक और चांदी जैसे बहुमूल्य खनिजों के भंडार भी पाए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज कटनी को देश के प्रमुख बहु-खनिज क्षेत्रों में स्थापित करेगी। इन खनिज संसाधनों का उपयोग प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों के आधार पर इस क्षेत्र में स्वर्ण भंडार की संभावना

डॉ. यादव ने कटनी को 'कनकपुरी' अर्थात 'स्वर्ण नगरी' के रूप में विकसित करने की परिकल्पना को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि कटनी की धरती केवल खनिज संपदा का भंडार नहीं, बल्कि मप्र की औद्योगिक प्रगति और आर्थिक शक्ति का नया आधार बन रही है। कटनी की स्लीमनाबाद तहसील के इमलिया गांव, जिसे स्थानीय स्तर पर सुनाही के नाम से भी जाना जाता है। यहॉ पर लगभग 3.35 लाख टन से अधिक स्वर्ण अयस्क मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह खोज लगभग 50 वर्षों की लंबी भू-वैज्ञानिक प्रक्रिया और सर्वेक्षण के बाद की गई है। वर्ष 1974 में प्रारंभ हुए भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों के आधार पर इस क्षेत्र में स्वर्ण भंडार की संभावना व्यक्त की गई थी।

माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0 से मिला वैश्विक निवेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में अगस्त 2025 में आयोजित 'माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0' ने कटनी को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेश मानचित्र पर नई पहचान दिलाई। कॉन्क्लेव में 56 हजार 414 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रमुख उद्योग समूहों और निवेशकों के साथ वन-टू-वन चर्चा कर कटनी की खनिज क्षमता और औद्योगिक संभावनाओं को विस्तार से प्रस्तुत किया था। कॉन्क्लेव में 8 बड़ी कंपनियों ने निवेश में रुचि दिखाई थी। इन निवेश प्रस्तावों से सीमेंट, मिनरल प्रोसेसिंग, ऊर्जा, धातु प्रसंस्करण और निर्माण क्षेत्र में बड़े स्तर पर औद्योगिक विस्तार होने की संभावना है। इससे हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होंगे।

50 वर्ष के लिए खनन समझौता

स्वर्ण अयस्क क्षेत्र के विकास के लिए मुंबई की 'प्रॉस्पेक्ट रिसोर्स मिनरल प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी ने 121 करोड़ रुपए से अधिक की बोली लगाकर 50 वर्षों के लिए खनन लीज प्राप्त की है। इससे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश, औद्योगिक गतिविधियां और रोजगार बढ़ने की संभावना है। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल खनिज उत्खनन तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय स्तर पर खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना, वैल्यू एडिशन और रोजगार सृजन सुनिश्चित करना भी है।

खबर संक्षेप

हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष ने साइट विजिट की

भोपाल। हाउसिंग बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष ओम जैन ने अपना पदभार संभाल लिया है। ओम जैन ने शुक्रवार को बोर्ड मुख्यालय पर्यावास भवन में मंडल के कार्यों की समीक्षा की। बोर्ड कमिश्नर गौतम सिंह ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से अध्यक्ष ओम जैन को बोर्ड के समस्त कार्यों और प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी। बैठक में चेयरमैन ओम जैन ने कहा कि मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिये ज्यादा से ज्यादा घर बनाने पर जोर दिया जाए। साथ ही बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों में भी एफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट को बढ़ाया जाए। बैठक के बाद ओम जैन ने हाउसिंग बोर्ड के निर्माणाधीन तुलसी ग्रीन्स प्रोजेक्ट की साइट विजिट की।

बिजली कंपनी की वेंडर मीट 15 को

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी 15 मई को गोविंदपुरा स्थित पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग सेंटर में वेंडर मीट का आयोजन करेगी। यह वेंडर मीट पॉवर ट्रांसफॉर्मर, स्ट्रेन हार्डवेयर एवं इंसुलेटर सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं के लिए आयोजित की जा रही है। वेंडर एंड कॉन्ट्रेक्टर मीट कंपनी की क्रय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं दक्षता को बढ़ावा देने तथा विक्रेताओं के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है।

कलेक्टर के समर्थन में उतरे विधायक मिश्रा

भोपाल। रीवा जिले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कर्मचारियों और प्रशासन के बीच चल रहे विवाद के बीच सेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा खुलकर रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के समर्थन में उतर आए हैं। विधायक अभय मिश्रा ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पंचायत अमले और कुछ अधिकारियों-कर्मचारियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रशासन की सख्ती से घबराकर कुछ लोग आंदोलन और दबाव की राजनीति कर रहे हैं। विधायक अभय मिश्रा ने कहा कि चिंता मत करो कलेक्टर साहब, मेरे पास सबके भ्रष्टाचार की फाइलें हैं। मैं जिला पंचायत अध्यक्ष रहा हूं, कौन क्या करता था सब जानता हूं। जरूरत पड़ी तो सारी फाइलें सामने रख दूंगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों से पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग में भ्रष्टाचार और लापरवाही का खेल चलता रहा है। अब जब प्रशासन जवाबदेही तय कर रहा है तो भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारी विरोध कर रहे हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान से की शिक्षा नीति पर चर्चा, नितिन ने की मप्र सरकार की प्रशंसा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन को दिया मप्र आने का निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन से की अहम चर्चा, कहा- शुभेंदु के नेतृत्व में खिलेगा विकास का नया सूरज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 8 मई को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नई दिल्ली में मुलाकात की। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन से संगठन और सरकार को लेकर लंबी चर्चा की। डॉ. यादव ने उन्हें मप्र आने का निमंत्रण भी दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन ने भी मप्र सरकार के काम पर प्रसन्नता जाहिर की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भी प्रदेश का दौरा करने के लिए कहा।

शिक्षा मंत्री प्रधान जून के पहले या दूसरे हफ्ते में भोपाल आ सकते हैं। इस बीच डॉ. यादव ने शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल के नेता चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि शुभेंदु के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में विकास का नया सूरज उगेगा। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुझे इस बात का संतोष और आनंद है कि मप्र में सरकार बनने के बाद हमने कई जन कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं। राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन के साथ कई राष्ट्रीय मुद्दों पर बात की। हमारा राज्य बेहतर संगठन वाला प्रदेश है। हमने राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ संगठन-सरकार की चर्चा की। उन्होंने हमारे कामकाज पर प्रसन्नता जाहिर की। हमने उन्हें प्रदेश आने का निमंत्रण भी दिया है। भविष्य में हमारे प्रदेश में सिंहस्थ सहित कई बड़े आयोजन होने वाले हैं। इन आयोजनों में सरकार और संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन को कलाकृति भेंट करते सीएम डॉ. यादव।

केंद्रीय मंत्री प्रधान को पुष्पगुच्छ भेंट करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल बढ़ेगा आगेः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज ही बंगाल में विधायक दल ने नए नेता का चयन किया है। हमारा सौभाग्य है कि आजादी के 75 वर्ष में पश्चिम बंगाल में कमल खिला है और बंगाल में शुभेंदु अधिकारी विधायक दल के नेता चुन लिए गए हैं। शुभेंदु शनिवार को शपथ ग्रहण करेंगे। विधायक दल के पर्यवेक्षक के नाते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्वयं वहां उपस्थित हैं। बंगाल की जीत के बाद देशभर में प्रसन्नता का माहौल है। अब बंगाल में विकास का सूरज निकलेगा। उन्होंने कहा कि शुभेंदु के नेतृत्व में देश के बाकी राज्यों के साथ-साथ बंगाल भी कदम से कदम मिलाकर विकास करेगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ेगा। बंगाल देश के साथ विकास करने के लिए सदैव तत्पर रहा है, कांग्रेस-कम्युनिस्ट और टीएमसी ने बंगाल को बहुत पीछे धकेला है। लेकिन, अब इतिहास को पीछे छोड़ बंगाल आगे बढ़ेगा। मैं शुभेंदु अधिकारी और सारे मित्रों को बधाई देता हूं।

पूरे देश के लिए मॉडल बनेंगे मध्य प्रदेश सांदीपनि विद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम अगर शिक्षा नीति-2020 की बात करें, तो यह सबसे पहले मप्र में लागू हुई। हमारे सांदीपनि विद्यालय पूरे देश के लिए मॉडल बनेंगे। हमने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को निमंत्रण दिया कि वे दो दिन यहां दौरा करें। हमारे सांदीपनि विद्यालय देखें। हम चाहते हैं कि उच्च शिक्षा-तकनीकी शिक्षा सहित विषयों को लेकर मप्र सरकार भारत सरकार के साथ मिलकर काम करे। डॉ. यादव ने बताया कि शिक्षा मंत्री ने उन्होंने आश्वस्त किया कि जून के फर्स्ट या सेकंड सप्ताह में वे आएंगे। हम भारत सरकार के साथ उस दिशा में काम करना चाह रहे हैं, जिसमें शिक्षा को लेकर नए प्रयोग हों, युवाओं को गुणवत्ता और रोजगारपरक शिक्षा मिले, युवाओं को आज के समसामयिक विषयों में दक्ष करें।

मध्य प्रदेश में फिर होगी प्रशासनिक सर्जरी

डेढ़ साल से ज्यादा कार्यकाल वाले सीईओ और अफसर बदलेंगे

कुछ विभागों में मंत्रियों, अफसरों में समन्वय की कमी भी बदलाव का कारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश में 26 आईएएस और 62 आईपीएस अधिकारियों के तबादलों के बाद अब एक और बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी चल रही है। इस फेरबदल में जिला पंचायतों के सीईओ, नगर निगम आयुक्तों समेत सचिव और अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों के विभागों में बदलाव होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार डेढ़ से दो साल का कार्यकाल पूरा कर चुके अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दी जा सकती हैं।

सरकार मंत्रालय स्तर पर भी बड़े बदलाव की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि प्रमुख सचिव (पीएस) और अपर मुख्य सचिव (एसीएस) स्तर के अधिकारियों के विभागों में फेरबदल किया जाएगा। कुछ विभागों में मंत्रियों और अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी को भी बदलाव का कारण माना जा रहा है। प्रदेश में 2017 बैच के आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बनाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पहली सूची में राहुल नामदेव, योगेश तुकाराम और सौरभ संजय सोनवणे को मौका मिला है। वहीं बैच के वरिष्ठ अधिकारी अभिलाष मिश्रा भी कलेक्टर पद की दौड़ में माने जा रहे हैं। अंकिता धाकरे और डॉ. परीक्षित झाड़े भी प्रतीक्षा सूची में बताए जा रहे हैं।

मंत्रालय में विभागीय फेरबदल संभव

एसीएस अनुपम राजन, रश्मि अरुण शमी, दीपाली रस्तोगी और संजय दुबे के विभागों में भी बदलाव की चर्चा है। इसके अलावा प्रमुख सचिव स्तर पर अमित राठौर (वाणिज्यिक कर), राघवेंद्र सिंह (उद्योग), गुलशन बामरा (जनजातीय कार्य), ई. रमेश कुमार (सामाजिक न्याय) और विवेक पोरवाल (राजस्व) के विभागों में भी फेरबदल संभव माना जा रहा है।

जिला पंचायत सीईओ भी बदलेंगे

2017 बैच के अधिकारियों को कलेक्टर बनाए जाने के बाद जिला पंचायतों में पदस्थ कई सीईओ बदले जा सकते हैं। इनमें ऐसे अधिकारी शामिल हैं, जिन्होंने डेढ़ से दो वर्ष का कार्यकाल पूरा कर लिया है। संभावित नामों में गजेंद्र सिंह नागेश (नरसिंहपुर), सिद्धार्थ जैन (इंदौर), अभिषेक चौधरी (धार), नवीत कुमार धुर्वे (टीकमगढ़), अक्षत जैन (बैतूल), काजल जावला (बड़वानी), नागार्जुन गोड़ा (खंडवा), अभिषेक सराफ (बालाघाट) और विवेक केवी (सागर) शामिल बताए जा रहे हैं।

सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को दबोचा

18 किलो गांजे के साथ ओड़िशा के 3 तस्कर छग स्टेशन के बाहर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला मुख्यालय में रेलवे स्टेशन के बाहर 18 किलो गांजा के साथ रायगढ़ पुलिस ने ओडिशा के 3 तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गांजा को मध्यप्रदेश ले जाकर बेचने की योजना थी, उससे पहले ही वे लोग पुलिस गिरफ्त में आ गए।

रायगढ़ पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 08 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन के सामने पार्किंग क्षेत्र में शिव मंदिर के पास तीन संदिग्ध व्यक्ति बैग लेकर बैठे हैं जिसके पास मादक पदार्थ गांजा है और वे कहीं जाने की लिये वाहन का इंतजार कर रहे हैं। इस सूचना के बाद कोतवाली पुलिस, साइबर थाना के अलावा रेलवे पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी करते हुए तीनों संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम सिद्धांत गोन्डा उम्र 28 वर्ष निवासी डिमरीकाल थाना खजुरीपाड़ा जिला कंधमाल (ओडिशा), कश्यप साहनी उम्र 45 वर्ष, निवासी घोड़ापथरा थाना खजुरीपाड़ा जिला कंधमाल (ओडिशा) तथा श्रीमती चंद्रिका साहनी पति कश्यप साहनी उम्र 40 वर्ष निवासी घोड़ापथरा थाना खजुरीपाड़ा जिला कंधमाल (ओडिशा) बताया।

पश्चिम बंगाल की जनता ने विकास, राष्ट्रहित और सुशासन को समर्थन दिया : नायब सैनी

■ शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे सीएम, शुभेंदु अधिकारी को दी बधाई

चंडीगढ़। हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को पश्चिम बंगाल में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी व बंगाल की जनता को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक दिन है और यह जीत वर्ष 2047 के विकसित भारत के संकल्प की जीत है। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की ऐतिहासिक धरा पश्चिम बंगाल देश को नई दिशा देने का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई सरकार प्रदेश के विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने विकास, राष्ट्रहित और सुशासन के पक्ष में अपना समर्थन दिया है। केंद्र और राज्य मिलकर विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेंगे।

महापौर और उप महापौर का किया स्वागत

नई दिल्ली। इलीट सर्किल संस्था द्वारा नवनिर्वाचित महापौर प्रवेश वाही एवं उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अनेक जज, उद्योगपति, IAS, IRS एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। महापौर वाही ने दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर एवं सुरक्षित बनाने के लिए शीघ्र ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया। चेयरमैन राकेश गुप्ता ने कहा कि दिल्लीवासियों को ट्रिपल इंजन सरकार से बड़ी उम्मीदें हैं।

कार्रवाई...हाईवे पर ट्रैफिक जाम लगाने के आरोप में पुलिस का कांग्रेस नेताओं पर एक्शन

नेता प्रतिपक्ष सिंघार, बच्चन और सचिन समेत कई कांग्रेस नेताओं पर केस हुआ दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को प्रदेशभर में कांग्रेस द्वारा किए गए चक्काजाम आंदोलन के बाद कई जिलों में पुलिस ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकतार्ओं के खिलाफ कार्रवाई की। मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे सहित कई प्रमुख मार्गों पर प्रदर्शन और यातायात बाधित करने के मामलों में पुलिस ने केस दर्ज किए हैं, वहीं कुछ जिलों में नेताओं को हिरासत में भी लिया गया। प्रदेश कांग्रेस द्वारा किसानों को समर्थन मूल्य, फसलों के उचित दाम और कथित किसान विरोधी नीतियों के विरोध में यह आंदोलन किया गया था। आंदोलन के दौरान एनएच-3 सहित करीब 747 किलोमीटर क्षेत्र में प्रदर्शन हुए, जिनमें किसान, कांग्रेस कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारी शामिल रहे।

धार जिले के खलघाट में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मंत्री बाला बच्चन और सचिन यादव समेत कई नेताओं ने हाईवे पर प्रदर्शन किया। इसके बाद पुलिस ने जाम लगाने के आरोप में प्रकरण दर्ज किया। वहीं गुना, शिवपुरी और ग्वालियर जिलों में भी चक्काजाम करने वाले कांग्रेस नेताओं और कार्यकतार्ओं को हिरासत में लिया गया। पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर दमनात्मक रवैये का आरोप लगाया है। आंदोलन के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को पंचायत स्तर तक ले जाया जाएगा और मुख्यमंत्री निवास घेराव जैसे कदम भी उठाए जाएंगे।

उमंग सिंघार

बाला बच्चन

छतरपुर में केन-बेतवा विस्थापितों के समर्थन में गरजे विक्रांत

बोले- 50 क्या, 1000 लोगों पर एफआईआर हो जाए, फिर भी किसानों की लड़ाई जारी रहेगी

छतरपुर में आदिवासी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया के आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शक्ति प्रदर्शन किया। यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लोकेंद्र वर्मा और एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष राजवर्धन मिश्रा के नेतृत्व में शहर में भव्य बाइक रैली निकाली गई। कार्यक्रम के दौरान विक्रांत भूरिया ने केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित किसानों और विस्थापित परिवारों के समर्थन में प्रशासन और सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसानों के हक की लड़ाई किसी भी कीमत पर बंद नहीं होगी। उन्होंने दो टूक कहा कि अगर 50 लोगों पर एफआईआर हुई है तो क्या, 1000 लोगों पर भी एफआईआर हो जाए तो हम पीछे हटने वाले नहीं हैं।

विक्रांत भूरिया

आदिवासी परिवारों के अधिकारों की अनदेखी की जा रही

भूरिया ने आरोप लगाया कि केन-बेतवा परियोजना के नाम पर किसानों और आदिवासी परिवारों के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि विस्थापितों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी। वहीं कार्यक्रम से पहले सामाजिक कार्यकर्ता और कांग्रेस नेता अमित भटनागर को पुलिस द्वारा नजरबंद किए जाने पर भी नेताओं ने नाराजगी जताई। कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन पर लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि आंदोलन करने वालों को डराने और रोकने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

देश के पांच राज्यों में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भारतीय राजनीति की बदलती दिशा और दशा को साफ उजागर करते हैं। ये चुनावी नतीजे जाहिर तौर पर भविष्य में होने वाले छोटे-बड़े चुनावों पर गहरी छाप छोड़ने वाले हैं। कोई राजनीतिक दल अगर इन चुनाव नतीजों को महज पश्चिम बंगाल, असम और तमिननाडु तक सीमित होने की बात करता है तो उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता पर सवालिया निशान जरूर उठते हैं। बीजेपी और उसके विरोधी दल दोनों, अगर अपनी वर्तमान राजनीतिक रणनीति पर चलते रहे, तो ये चुनावी रुझान और भी मजबूत होने की पूरी संभावना है। इन चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। बड़ा सवाल यह भी है कि टीएमसी और डीएमके जैसी पार्टियां, जिन्हें विचारधारा या कार्यकर्ता-आधारित होने के बजाय व्यक्तित्व-आधारित माना जाता है, इन प्रमुख नेताओं की फीकी पड़ती चमक के साथ अपना अस्तित्व बनाए रख पाएंगी या नहीं। जाहिर तौर पर विपक्षी नेताओं का बीजेपी की शरण में आना बढ़ेगा और बीजेपी विरोधी गठबंधन और कमजोर हो सकता है। स्पष्ट रूप से कहें तो भारतीय राजनीति को अवसरवाद से अपने आप को मुक्त करना होगा। आधुनिक राजनीति में कब क्या होगा, इस संबंध में निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

विस चुनाव : ध्रुवीकरण बना अहम फैक्टर

विश्लेषण

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

> **पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है। केरल में वामपंथी दलों को कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने हराया, तो पश्चिम बंगाल में कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी ने अलग-अलग चुनाव लड़े। ये मतभेद इन पार्टियों के अंदरूनी तनावों को उजागर करते हैं। टीवीके को कांग्रेस द्वारा समर्थन देने के बाद डीएमके सांसद अब लोक सभा में कांग्रेस सांसदों से दूर बैठे नजर आएंगे। इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है।**

हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भारतीय राजनीति की बदलती दिशा और दशा को साफ उजागर करते हैं। ये चुनावी नतीजे जाहिर तौर पर भविष्य में होने वाले छोटे-बड़े चुनावों पर गहरी छाप छोड़ने वाले हैं। कोई राजनीतिक दल अगर इन चुनाव नतीजों को महज पश्चिम बंगाल, असम और तमिननाडु तक सीमित होने की बात करता है तो उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता पर सवालिया निशान जरूर उठते हैं। बीजेपी और उसके विरोधी दल दोनों, अगर अपनी वर्तमान राजनीतिक रणनीति पर चलते रहे, तो ये चुनावी रुझान और भी मजबूत होने की पूरी संभावना है। वर्तमान चुनाव परिणामों का पहला स्पष्ट संदेश तो यह है कि भारतीय राजनीति में 'मुस्लिम तुष्टिकरण' का प्रभाव कम हो गया है। अब 'एम' पर 'एच' हावी हो रहा है। कम से कम पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव परिणाम तो इसकी ओर सीधा इशारा कर रहे हैं। इन दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे बताते हैं कि हिंदू वोटों के एकीकरण ने 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के प्रभाव को तेजी से बेअसर किया है।

हिन्दू वोटों में एकजुटता

बीजेपी विरोधी पार्टियों विशेषकर तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और डीएमके की हिंदू-विरोधी नीतियों और बयानों ने इस भावना का तेजी से प्रचार-प्रसार किया है। पहले हिंदू मतदाता बंटे हुए थे, लेकिन समय के साथ वे बीजेपी के पीछे एकजुट हो गए। इस एकजुटता ने उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में बीजेपी की जीत में योगदान दिया है, जहां कभी 'एम-वाई' फैक्टर निर्णायक भूमिका निभाता था। असम में बीजेपी की हैट्रिक जीत ने हिंदू एकीकरण को और मजबूत किया है।

इसी तरह पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने लगातार अपना जनाधार बढ़ाया है, जिससे वामपंथी और कांग्रेस हाशिए पर चले गए हैं। लंबे समय से पश्चिम बंगाल की राजनीतिक प्रवृत्ति, गैर-बीजेपी दलों के बीच मुस्लिम समुदाय के प्रति झुकाव की रही है। इसमें 35 वर्षों का वामपंथी शासन और फिर पिछले 15 वर्षों में सत्तारूढ़ रही ममता बनर्जी की टीएमसी का है। असम और पश्चिम बंगाल के चुनावी परिणाम स्पष्ट तौर पर बताते हैं कि हिंदू विरोधी नीतियां राजनीतिक रूप से अब उलटी पड़ सकती हैं।

टीवीके की दमदार परफॉर्मेंस

तमिलनाडु में भी जिस डीएमके ने हिंदू-विरोधी रुख अपनाया, उसको जनता ने सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। 2026 के चुनावों के दौरान एक्टर विजय की नवगठित पार्टी टीवीके ने इस तरह की छवि से परहेज किया और नतीजे बताते हैं कि उनकी पार्टी को हिंदुओं के सभी वर्गों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। सुपरस्टार विजय के नेतृत्व वाली टीवीके की दमदार परफॉर्मेंस पारंपरिक पार्टियों के लिए एक गंभीर चेतावनी है। तमिलनाडु के नतीजों का स्पष्ट संदेश है कि अगर स्थापित पार्टियां अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पातीं तो मतदाता बिना किसी राजनीतिक बोझ के नए दलों का समर्थन करने में कोई झिझक नहीं करेगा। एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन का सत्ता विरोधी लहर का फायदा न उठा पाना और एक नई राजनीतिक ताकत के हाथों अपनी पकड़ खोना, गंभीर आत्मनिरीक्षण का विषय है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, केरल में पिनाराई विजयन और तमिलनाडु में एमके स्टालिन जैसे नेताओं की चुनावी हार के बाद, यह स्पष्ट हो गया है कि अब दिग्गजों के युग का अंत हो गया है और जनता राजनीतिक प्रभुत्व को नहीं मानती।

वंशवादी राजनीति की धारणा

बड़ा सवाल यह भी है कि टीएमसी और डीएमके जैसी पार्टियां, जिन्हें विचारधारा या कार्यकर्ता-आधारित होने के बजाय व्यक्तित्व-आधारित माना जाता है, इन प्रमुख नेताओं की फीकी पड़ती चमक के साथ अपना अस्तित्व बनाए रख पाएंगी या नहीं। दूसरी ओर अभिषेक बनर्जी या उदयनिधि स्टालिन जैसे नेताओं का अगर उदय होता भी है तो ये दोनों वंशवादी राजनीति की धारणा को ही और मजबूत करेंगे। ऐसी स्थिति में राज्यों में राजनीतिक स्थिरता को दीर्घकालिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। बीजेपी में हिमंता बिस्वा सरमा और शुभेंदु अधिकारी जैसे नेताओं का बढ़ता कद विपक्ष के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। सरमा पूर्व कांग्रेस नेता हैं और शुभेंदु अधिकारी पूर्व टीएमसी नेता। इन दोनों नेताओं ने अपने-अपने राज्यों में हिंदुत्व के प्रतीक के रूप में अपनी छवि बदली। इस नीति का अनुसरण कई अन्य विपक्षी नेता भी कर सकते हैं जो वंशवादी राजनीति और अपनी पार्टियों के हिंदू विरोधी रुख के बोझ तले दबे हुए हैं। जाहिर तौर पर इससे विपक्षी नेताओं का बीजेपी की शरण में आना बढ़ेगा और बीजेपी विरोधी गठबंधन और कमजोर हो सकता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है।

आगे क्या

2027 : में पंजाब, यूपी, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर में चुनाव होंगे।

2028 : में पंजाब, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, नागालैंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मिजोरम में चुनाव होंगे।

2029 : में आम चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में दिलचस्प चुनावी टक्कर देखने को मिलेगी।

पार्टियों में अंदरूनी तनाव उजागर

केरल में वामपंथी दलों को कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने हराया, तो पश्चिम बंगाल में कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी ने अलग-अलग चुनाव लड़े। ये मतभेद इन पार्टियों के अंदरूनी तनावों को उजागर करते हैं। टीवीके को कांग्रेस द्वारा समर्थन देने के बाद डीएमके सांसद अब लोक सभा में कांग्रेस सांसदों से दूर बैठे नजर आएंगे। 2027 में पंजाब, यूपी, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर में चुनाव हैं। 2028 में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, नागालैंड, त्रिपुरा,मेघालय और मिजोरम में नई सरकार चुनी जाएगी। 2029 में आम चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में दिलचस्प चुनावी टक्कर देखने को मिलेगी।

माताओं की हिस्सेदारी को मिले मान-सम्मान

मदर्स डे

डॉ. मोनिका शर्मा

वरिष्ठ स्तंभकार

माताओं के हिस्से स्नेह ही नहीं , संघर्ष भी आता है। इस भूमिका को जीते हुए अधिकतर स्त्रियां भावनात्मक धरातल पर उलझनों का सामना करती हैं। तकनीक और बदलती जीवनशैली ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। सतही स्तर पर देखें तो आज के दौर की मां का जीवन और जद्दोजहद आसान होती प्रतीत होती हैं, पर वास्तविक परिप्रेक्ष्य में उनकी उलझनें बढ़ी हैं। कामकाजी माताओं का बढ़ते आंकड़े और आर्थिक आत्मनिर्भरता ने परवरिश के मोर्चे पर उनकी आपाधापी में इजाफा ही किया है। वस्तुतः, मिलेनियल मांओं की उलझनें सबसे अधिक हैं। ज्ञात हो कि 1981–1996 के बीच जन्मी महिलाओं की यह पीढ़ी मातृत्व के मोर्चे पर आधुनिक तकनीक को साधने के साथ ही परंपरागत जीवन की डोर भी थामे हुए हैं। डिजिटल युग की पहली अभिभावक पीढ़ी का हिस्सा कही जाने वाली ये माताएं तकनीकी कौशल, परिवेश के प्रति सजग और बच्चों के पालन-पोषण के मोर्चे पर जागरूक दृष्टिकोण अपनाती हैं। माताओं की इस पीढ़ी के लिए बच्चों का शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य भी अहम है।

डिजिटल पीढ़ी की ये माताएं बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने को भी प्राथमिकता देती हैं। चिंतनीय यह है कि गहरी भावनात्मक समझ रखने वाली मिलेनियल माताएं स्वयं थकान और उलझनों से जूझ रही हैं। टॉकर रिसर्च द्वारा 'इट्स ए फैमिली थिंग' के साथ मिलकर 2 हजार अमेरिकी महिलाओं पर किए गए सर्वे में सामने आया कि इसमें से लगभग आधी मिलेनियल माताएँ स्वयं को मानसिक रूप से टूटा-थका हुआ और असंतुष्ट पाती हैं। वहीं 19 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें असंतोष और नाराजगी महसूस होती है। 40 फीसदी माताओं ने कहा कि अच्छे से घर और दूसरे दायित्व संभालने पर भी उन्हें श्रेय नहीं मिलता। घर-परिवार में मांओं की भागदौड़ और भागीदारी को न समझने की स्थितियां दुनिया के हर समाज में एक सी हैं। यही वजह है कि इस अध्ययन के परिणाम गौर करने योग्य हैं। कहना गलत नहीं होगा कि एक साथ कई भूमिकाएं निभा रहीं माताओं की इस पीढ़ी के जिम्मेदारियों का बोझ कई मोर्चों पर थका रहा है। शिक्षित सजग कामकाजी माताएं हों या तकनीक-सामाजिक माहौल को पहले से बेहतर समझने-अपनाने वाली गृहिणियां, परवरिश के हर पहलू पर खरा उतरने को प्रयासरत हैं। ऐसे में जरूरी है कि समाज और परिवार में उनकी इस महती भूमिका को मान मिलना चाहिए। माताओं के स्वास्थ्य चिंताओं और मातृत्व से जुड़ी जद्दोजहद को समझना चाहिए। नई पीढ़ी का पालन-पोषण करने वाली माताओं की परिवार ही नहीं समाज निर्माण में रेखांकित करने योग्य भूमिका है। ध्यातव्य है कि वर्ष 2026 के लिए मातृ दिवस थीम 'राष्ट्र के मूक वास्तुकार' है। यह विषय सही मायने में माताओं के माताओं देश की भावी पीढ़ी का पालन-पोषण करने वाली माताओं की विशेष भूमिका की ओर ध्यान खींचता है। उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखने और मौन ताकत को समझने पर केंद्रित है। ऐसे में माताओं की शक्ति, प्रेम और बलिदान का उत्सव मनाने वाल यह दिन पीढ़ियों को आकार देने वाले स्नेहमयी नेतृत्व की संघर्षशील भूमिका को समझने का संदेश भी लिए है। भारत के सामाजिक-पारिवारिक ढांचे में मातृत्व की जिम्मेदारी के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ीं कई परेशानियां उनके हिस्से आती हैं। प्रसवोत्तर अवसाद से लेकर शारीरिक व्याधियां तक घेर लेती हैं। तकलीफदेह है कि गांवों से लेकर महानगरों तक मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने की भागदौड़ से उपजी भावनात्मक टूटन के दौर में भी अपनों का सहयोग नहीं मिलता। सहयोग सामंजस्य की कमी भी एक वजह है कि सिंगल चाइल्ड वाले परिवार बढ़ रहे हैं। औद्योगिक संगठन एसोचैम की सामाजिक विकास शाखा के सर्वे के मुताबिक 35 फीसदी कामकाजी माएं दूसरा बच्चा नहीं चाहतीं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार हमारे देश में करीब 72 फीसदी महिलाएं मां बनने के बाद नौकरी दे दूरी बना लेती हैं। कार्यरत महिलाओं की बड़ी संख्या का आयुवर्ग परिवार बनाने वाला ही होता है। असल में देखा जाए तो मातृत्व की जिम्मेदारी उठाने वाली महिलाएं भी देश की श्रमशक्ति का अहम हिस्सा हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी यह भागीदारी बहुत मायने रखती है। कुछ समय पहले हुए अध्ययन के अनुसार मां का काम किसी नौकरी में करने वाले काम के मुकाबले ढाई गुना ज्यादा होता है। यह अध्ययन कहता है कि एक मां बच्चे की देखभाल में 98 घंटे प्रति सप्ताह काम करती है। हर दिन घंटों मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने की भागदौड़ से भावनात्मक टूटन और थका देने वाली दिनचर्या में अपनों का सहयोग बेहद आवश्यक है। भावी नागरिकों का भविष्य बनाते हुए देश को गढ़ने वाली माताओं के प्रति सराहना भरा भाव और अपनों का संबल जरूरी है। राष्ट्र के मूक वास्तुकारों के रूप में उनकी भागीदारी बहुत गंभीरता से समझी जानी चाहिए।

बंगाल में संगठनात्मक स्थिरता बनेगी भाजपा के लिए चुनौती

चिंतन

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

हाल में संपन्न पांच राज्यों के चुनावों में जिन तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, उनमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण पश्चिम बंगाल रहा। सत्ता प्राप्त कर एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी को उसका बहु प्रतीक्षित परिणाम मिला, वही दूसरी ओर यह भी तथ्य है कि बंगाल में शासन का रास्ता फिलहाल इतना आसान रहने वाला प्रतीत नहीं होता। बंगाल में कठिन सिर्फ शासन चलाने का नहीं वरन आमूलचूल परिवर्तन का भी है। भारतीय जनता पार्टी के लिए शासन से पहले सबसे पहली चुनौती होगी संगठनात्मक स्थिरता की। हालांकि बीते दस वर्षों में पार्टी ने जमीनी स्तर पर निश्चित ही अपना विस्तार किया है, जिसका परिणाम इस चुनाव में भारी बहुमत के रूप में दिखा है। इस विस्तार के इस पक्ष को भी नकारा नहीं जा सकता है कि इसमें अन्य दलों विशेषकर तृणमूल कांग्रेस से आए नेताओं की बड़ी भूमिका है। आजादी के बाद से सत्ता चाहे कांग्रेस की रही हो, वामपंथ की या तृणमूल की बंगाल में हमेशा कैडर आधारित राजनीति रही है। ऐसे में भविष्य के लिए यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या भारतीय जनता पार्टी भी सिर्फ चुनावी सक्रियता से आगे बढ़कर अपने शासनकाल में अपना एक मजबूत कैडर तैयार कर पाएगी। बंगाल में अल्संख्यक वोट को साधने के लिए समीकरण बनाना भारतीय जनता पार्टी के लिए दूसरी सबसे बड़ी चुनौती होने वाली है। चूंकि अभी तक अधिकतर अल्पसंख्यक वोट बैंक विपक्षी पार्टियों के साथ रहा है और आने वाले चुनावों में इसकी निर्णायक भूमिका हो सकती तो भाजपा को यह समझते हुए कि इसे नजरअंदाज करके नहीं चला जा सकता, उस दिशा में रणनीति बनानी होगी। भारतीय जनता पार्टी को यदि व्यापक सामाजिक स्वीकार्यता प्राप्त करनी है तो उसे अपने राजनीतिक संदेश को केवल ध्रुवीकरण तक सीमित रखने के बजाय विकास, रोजगार, शिक्षा और स्थानीय समस्याओं के समाधान से जोड़ना होगा। बंगाल में बेरोजगारी, उद्योगों की कमी, पलायन और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दे लगातार चर्चा में रहते हैं। ये सारी समस्या जमीनी है जिन्हें वास्तविक समाधान की आवश्यकता है। भविष्य में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए इस ओर भी ध्यान देने की जरूरत होगी। वैचारिक संघर्ष चुनावों के समय तो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण एवं कारगर सिद्ध होता है लेकिन लंबे समय तक सिर्फ इसपर निर्भर नहीं रहा जा सकता।

> ***चाहे प्रशासनिक स्तर पर हो या जनता के स्तर पर भाजपा को यह सिद्ध करना होगा कि यह सत्ता परिवर्तन लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर रहा है ।***

एक समय के बाद जनसरोकार केंद्रित राजनीति न होने से किसी भी पार्टी की चाहे कितनी भी मजबूत वैचारिक जड़ें हों, उसे सत्ता से बाहर का रास्ता देखना पड़ता है। बंगाल में इसका जीता-जागता उदाहरण कांग्रेस के बाद वामपंथ उसके बाद तृणमूल और उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के रूप में दिखाई देता है ।एक अन्य महत्वपूर्ण काम जो भारतीय जनता पार्टी को करना पड़ेगा, वह है पार्टी का एक चेहरा स्थापित करना। राजनीतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनेक बार सत्ता में किसी भी नेता को बिठाना पड़ता है, लेकिन जनता में अपने विश्वास को गहरा करने के लिए एक कोर नेता की जरूरत होती ही है। भले मौजूदा समय में शुभेंदु अधिकारी बंगाल में पार्टी के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हों, लेकिन वह भी पार्टी के कोर कार्यकर्ता नहीं हैं और अभी कुछ ही वर्ष पहले तृणमूल से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं। इन समस्याओं के अलावा जिन मुद्दों और वादों पर इस बार चुनाव लड़ा गया था, उनको पूरा करने की ओर प्रयास करना भी अत्यंत आवश्यक होगा। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार सीमा सुरक्षा और घुसपैठ को एक बड़ा मुद्दा बनाया था और साथ में यह भी आरोप लगाया था कि तत्कालीन सरकार केंद्र सरकार के साथ बांग्लादेश के साथ लगी सीमा पर बाड़ेबंदी को लेकर सहयोग नहीं कर रही। इस वजह से बंगाल में लगातार अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों का आना हो रहा है। इस मुद्दे ने इस बार के चुनावों में जनता को जबरदस्त तरीके से प्रभावित भी किया। अब जनता को इस बात की प्रतीक्षा रहेगी कि सत्ता परिवर्तन के बाद इन दोनों बिंदुओं पर सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाते हैं। कुल मिलाकर चाहे प्रशासनिक स्तर पर हो या जनता के स्तर पर भारतीय जनता पार्टी को यह सिद्ध करना होगा कि यह सत्ता परिवर्तन लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर रहा है ।

असम : वैचारिक मुकाबले ने बदला राजनीतिक परिदृश्य

स्थिति

डॉ. चंद्र त्रिखा

वरिष्ठ साहित्यकार

असम में चुनाव परिणाम, चौंकाने वाले नहीं हैं, लेकिन उनका विश्लेषण चौंकाने वाला है। इस नए नजरिए का सबसे बड़ा कारण अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) का पतन है। इस बार चुनावों से राज्य में एक स्पष्ट राजनीतिक बदलाव देखने को मिला है।

कांग्रेस ने अधिकतर मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने हिंदू वोटों के एकजुट समूह, जिनमें आदिवासी और चाय बागान मजदूर शामिल हैं, उन सभी सीटों पर जीत दर्ज की है। इस प्रवृत्ति के पीछे सबसे बड़ा कारण ऑल-इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) का पतन था, वह पार्टी जिसने असम में बंगाली भाषी मुसलमानों को राजनीतिक स्थान दिया, जिन्हें अक्सर 'मिया' कहा जाता है और जो असम की कुल आबादी का 35 प्रतिशत हैं। कई वर्षों तक, अल्पसंख्यक वोट, विशेषकर निचले असम और बराक घाटी में, कांग्रेस और एआईयूडीएफ के बीच बंटे रहे। इस विभाजन ने अक्सर भाजपा को कई सीटों पर और यहां तक कि सहयोगी एजीपी को भी फायदा पहुंचाया। इस बार इस चुनाव में मुस्लिम समुदायों के बीच रणनीतिक मतदान भी काफी देखने को मिला।

कई मतदाताओं का मानना था कि केवल कांग्रेस ही भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में है, जिसके कारण उन सीटों पर भी एकजुटता देखने को मिली, जहां कांग्रेस के उम्मीदवारों को विशेष रूप से मजबूत नहीं माना जाता था। इसी बीच, हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और क्षेत्र की सीमाओं से परे हिंदू वोटों को एकजुट करने में कामयाबी हासिल की। ऊपरी असम, उत्तरी तट और मध्य असम के कई हिस्सों में भाजपा चुनाव को एक प्रत्यक्ष वैचारिक मुकाबले में बदलने में सफल रही, जिससे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बाहर कांग्रेस के लिए बहुत कम गुंजाइश बची। एक अन्य प्रमुख कारक दरांग और नागांव जैसे जिलों में चलाए गए बेदखली अभियानों का प्रभाव था। असम में हार के बाद गौरव गोगोई ने पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं,

> **कई हिस्सों में भाजपा चुनाव को एक प्रत्यक्ष वैचारिक मुकाबले में बदलने में सफल रही, जिससे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बाहर कांग्रेस के लिए बहुत कम गुंजाइश बची।**

मगर उन्हें पूरी स्थिति चुनावों से पूर्व ही समझ में आ जानी चाहिए थी। भाजपा के प्रभामंडल के और मोदी- अमित शाह लहर को जहां कई मुस्लिम मतदाताओं ने भय और असुरक्षा की भावना से देखा, वहीं बहुसंख्यक समुदाय के मतदाताओं के एक बड़े वर्ग, विशेष रूप से स्वदेशी असमिया भूमिपुत्रों ने इन्हें मजबूत प्रशासनिक कार्रवाई और भूमि संरक्षण उपायों के रूप में देखा। परिणाम स्वरूप दोनों पक्षों में समानांतर एकीकरण हुआ। मुस्लिम, जिनमें ज्यादातर निचले असम के बंगाली भाषी मुस्लिम शामिल थे, कांग्रेस की ओर आकर्षित हुए और बहुसंख्यक समुदाय के मतदाता भाजपा के पीछे एकजुट हो गए।

एआईयूडीएफ के बारे में बनी धारणा ने भी अहम भूमिका निभाई। कई मतदाताओं का मानना था कि यह पार्टी भाजपा विरोधी वोटों को बांटकर अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा की मदद कर रही है। राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा को दिए गए इसके समर्थन ने इस धारणा को और मज़बूत किया। परिणामस्वरूप कई अल्पसंख्यक मतदाताओं ने एआईयूडीएफ का साथ छोड़ दिया और कांग्रेस को समर्थन दिया। 2023 के परिसीमन अभ्यास ने असम के राजनीतिक समीकरणों को भी काफी हद तक बदल दिया। निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को इस तरह से पुनर्निर्धारित किया गया कि मिश्रित आबादी वाली सीटों की संख्या कम हो गई और जनसांख्यिकीय रूप से अधिक ध्रुवीकृत निर्वाचन क्षेत्र बन गए। पहले कांग्रेस अल्पसंख्यकों के समर्थन और हिंदू वोटों के एक वर्ग के संयोजन से सीटें जीत लेती थी, लेकिन परिसीमन के बाद, कई सीटें या तो स्पष्ट रूप से बहुसंख्यक-बहुल या मुस्लिम-बहुल हो गईं।

पहले लगभग 35 सीटों पर मुसलमानों का दबदबा रहता था, लेकिन परिसीमन के बाद मुस्लिम वर्चस्व घटकर लगभग 22 सीटों तक ही सीमित रह गया। अंतिम परिणाम में असम की इस राजनीतिक वास्तविकता में आए बदलाव की झलक दिखी। वैसे भी इससे कांग्रेस मुख्य रूप से मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में ही प्रतिस्पर्धी बनी रही, जबकि भाजपा ने राज्य के अधिकांश बहुसंख्यक-केंद्रित क्षेत्रों में अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया इसलिए 2026 के फैसले ने असम की राजनीति में एक गहरे परिवर्तन को उजागर किया है। धीरे-धीरे समुदाय आधारित चुनावी एकीकरण को रास्ता दे रही है।

तमिलनाडु में नई राजनीतिक-संस्कृति का अभ्युदय

दृष्टिकोण

डॉ. विजेन्द्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

तमिलनाडु में नए चुनाव परिणाम, सिर्फ सत्ता-परिवर्तन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक नई राजनीतिक-संस्कृति के अभ्युदय से जुड़े हैं। शुरुआती दौर में कांग्रेस के रंग में कुछ वर्ष बिताने के बाद द्रमुक व उससे उपजे कुछ अन्य छोटे-छोटे शिविरों के मध्य ही 58 वर्षों तक इस प्रदेश की राजनीति केंद्रित रही।

यह भी एक विलक्षण सत्य है कि इस प्रदेश में सत्ता के केन्द्र में द्रविड़, फिल्मी-संसार का लम्बी अवधि तक वर्चस्व रहा है। इस बार चुनावों से पहले यही माना जा रहा था कि मुख्यमंत्री स्टालिन की द्रमुक को सत्ता से बेदखल करना उनके प्रतिपक्षियों के लिए आसान नहीं रहेगा, लेकिन डीएमके ने शासन के पांच साल पूरे करने के बाद अगले चुनाव में भी जीत हासिल की हो, ऐसा दो बार ही हुआ है। इसके अलावा डीएमके ने 2021 का विधानसभा चुनाव जीता था और 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले दो साल में ऐसा क्या हुआ? ज्यादा कुछ नहीं, सिवाय इसके कि एआईएडीएमके और कमज़ोर हो गई। यह विरोध मुख्यतः हिन्दी विरोध की मानसिकता से ही उपजा। यह भी एक विसंगति है कि दक्षिणी-भारत हिंदी प्रचार सभा व दैनिक राजस्थान पत्रिका सरीखे हिन्दी-मीडिया की व्यापक स्वीकार्यता के बावजूद हिन्दी विरोध मतदाताओं के समक्ष मुख्य मुद्दा बना रहा है। ऐसे में सामाजिक स्तर पर एक बदलाव की ओर उन्मुख होता है।

संभावना थी कि एआईएडीएमके डीएमके की जगह लेगी, लेकिन इस बार एआईएडीएमके की कमज़ोरी के कारण टीवीके उभरकर सामने आई। टीवीके के इस प्रदर्शन के पीछे विजय के वीएमआई फैन क्लब ने गत 15 वर्ष से जमीनी स्तर पर किया। वर्ष 2021 के स्थानीय निकाय चुनाव में भी वीएमआई का प्रदर्शन बेहतरीन रहा था। फिर भी लोगों ने टीवीके जैसी नई पार्टी को जनादेश तो दिया, लेकिन इतनी मज़बूती से नहीं कि वह प्रत्यक्ष रूप से सत्ता में आ सके और यहीं पर उसकी परीक्षा होगी कि वो शासन को चलाने के साथ-साथ राजनीति करने में कैसे संतुलन बनाती है। ऐसी

> **संभावना थी कि एआईएडीएमके डीएमके की जगह लेगी, लेकिन इस बार एआईएडीएमके की कमज़ोरी के कारण टीवीके उभरकर सामने आई।**

परिस्थितियों से निपटना किसी नई पार्टी के लिए आसान नहीं होता। इसमें कोई संदेह नहीं कि सत्ता के खेल का सामना करना और उसे खेलना बिल्कुल दूसरी बात है। 14वीं शताब्दी में मुस्लिम सल्तनत और बाद में विजयनगर साम्राज्य का शासन रहा। 18वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजों ने मद्रास प्रेसीडेंसी की स्थापना की।

1916 में गैर-ब्राह्मण हितों की रक्षा के लिए जस्टिस पार्टी बनी। इसने 1921 में पहली बार प्रत्यक्ष चुनाव जीता। स्वतंत्रता के बाद के दौर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पहले 20 वर्षों तक कांग्रेस का एकछत्र राज रहा। ओ.पी. रामास्वामी रेड्डियार आजादी के बाद पहले मुख्यमंत्री बने। बाद में के. कामराज के नेतृत्व में राज्य ने औद्योगिक और शैक्षिक प्रगति की। द्रविड़ राजनीति का उदय (1967 से 2026 तक) 1967 में हिंदी विरोधी आंदोलनों के बाद द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया, जिसके बाद से राज्य में केवल द्रविड़ दलों का ही शासन रहा है।

द्रमुक का शासन : सी. एन. अन्नादुराई पहले द्रविड़ मुख्यमंत्री बने। उनके बाद एम. करुणानिधि ने कई बार सत्ता संभाली। ए.आई.डी.एक.के. का जन्म वर्ष 1972 में हुआ। एम. जी. रामचंद्रन ने अलग होकर अन्नाद्रमुक बनाई। अन्नाद्रमुक ने जे. जयललिता के नेतृत्व में राज्य पर लंबे समय तक शासन किया। दशकों तक सत्ता द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच घूमती रही। वर्ष 2021 में एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में आई। टीवीके के सामने दो बड़ी बाधाएं हैं। पहली, छोटी पार्टियां- जैसे वीसीके (दो विधायक), सीपीएम (दो विधायक), सीपीआई (दो विधायक), एएमएमके (एक विधायक) और पीएमके (चार विधायक), अभी तक औपचारिक तौर पर अपना रुख साफ नहीं किया है और उनमें से कुछ को वैचारिक मतभेद भी सुलझाने हैं। पीएमके, एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा रही है, जबकि वीसीके और दोनों कम्युनिस्ट पार्टियां डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हैं। वर्तमान स्थितियां, राजनीतिक स्थिरता की ओर कब लौटेंगी, इसके लिए अभी प्रतीक्षा करनी होगी।

टीवीके का उदय इस बात का साक्षी है कि तमिलनाडु की जनता एक बेहतर विकल्प के तलाश में है। भारतीय राजनीति को अवसरवाद से अपने आप को मुक्त करना होगा। आधुनिक राजनीति में कब क्या होगा, इस संबंध में निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

दिल्ली नालंदा डायलॉग 2026

गहन बौद्धिक संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ ही शासन ज्ञान परंपराएं, सभ्यतागत चिंतन और साहित्यिक विरासत पर मंथन शुरु

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गहन बौद्धिक संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के मंच के रूप में अपनी पहचान को और सशक्त बनाते हुए, नालंदा लिटरेचर फेस्टिवल 9 एवं 10 मई 2026 को दिल्ली नालंदा डायलॉग 2026 का आयोजन कर रहा है। यह दो दिवसीय संवाद इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के कमलादेवी कॉम्प्लेक्स स्थित मल्टीपरपज़ हॉल, नई दिल्ली में आयोजित होगा। फेस्टिवल की एक प्रमुख पहल के रूप में आयोजित यह डायलॉग 100 से अधिक वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधियों, नीति-निर्माताओं, विद्वानों, लेखकों, राजनयिकों, युवा सिविल सेवकों एवं उभरती प्रतिभाओं को एक मंच पर एकत्र करेगा। यह शासन, संस्कृति और साहित्य विषय पर केंद्रित रहेगा।

100 से अधिक वरिष्ठ प्रतिनिधि होंगे शामिल

9-10 मई को वैश्विक विमर्श का केंद्र रहेगी दिल्ली

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के कमलादेवी कॉम्प्लेक्स में सत्र

मंथन से पहले सांस्कृतिक प्रस्तुति

सभ्यताएं विचारों, अभिव्यक्ति और संवाद से होती हैं जीवित

पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह, अध्यक्ष, नालंदा लिटरेचर फेस्टिवल ने कहा कि सभ्यताएं केवल शक्ति से नहीं, बल्कि विचारों, अभिव्यक्ति और सतत संवाद की परंपरा से जीवित रहती हैं। यह उसी ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास है, जहां ज्ञान केवल संचित नहीं होता, बल्कि उसे जिया, साझा किया और पीढ़ियों के बीच संवाद के माध्यम से विकसित किया जाता है।

दीर्घकालिक संवाद का संकेत

शासन, संस्कृति और बौद्धिक विमर्श के अग्रणी विचारकों की सहभागिता के साथ यह एक दीर्घकालिक, बहु-शहर एवं अंतरराष्ट्रीय संवाद श्रृंखला की शुरुआत का संकेत देता है।

पहला दिन शासन व्यवस्था और संस्थागत विकास पर केंद्रित रहा

पहला दिन शासन व्यवस्था और संस्थागत विकास पर केंद्रित रहा, जिसमें अमरजीत सिन्हा, अंजू रंजन, मुग्धा सिन्हा आदि शामिल थे।

चंचल कुमार ने किया उद्घाटन सत्र को संबोधित

उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्तव्य चंचल कुमार द्वारा दिया जाएगा। पद्म विभूषण डॉ. सोनल मान सिंह, अमिताभ कांत एवं के.एन. श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि थे।

आज भाषाओं, ज्ञान संरक्षण और बौद्धिक संरचनाओं पर चर्चा होगी

आज भारतीय भाषाओं, ज्ञान संरक्षण और भविष्य की बौद्धिक संरचनाओं पर चर्चा होगी, जिसमें प्रो. कपिल कपूर, प्रो. एम. जे. वारसी, कौशल किशोर और सुरेखा साहू शामिल होंगे। जनसंपर्क और अकादमिक संवाद पर सत्रों में विश्वपति त्रिवेदी, तजेंद्र सिंह लूथरा, अशुतोष अग्निहोत्री और शुभा शर्मा भाग लेंगे। तकनीक और ज्ञान के संबंध पर सत्र में प्रो. उमा कंजीलाल, डॉ. आनंद कुमार और डॉ. अमित पांडे एआई और डिजिटल नवाचार की भूमिका पर चर्चा करेंगे। विलियम डैलरिम्पल के साथ एक विशेष सत्र नालंदा की बौद्धिक विरासत पर केंद्रित होगा, जिसके बाद दिल्ली–नालंदा घोषणा प्रस्तुत की जाएगी।

खबर संक्षेप

महाराणा ने पूरा जीवन मातृभूमि को समर्पित किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने शनिवार को राष्ट्र के महान योद्धा और वीरता एवं पराक्रम के अमर प्रतीक

महाराणा प्रताप को जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, महान योद्धा और पराक्रम के अमर प्रतीक महाराणा प्रताप को जयंती पर हार्दिक श्रद्धांजलि। उन्होंने पूरा जीवन मातृभूमि के सम्मान में समर्पित किया।

शोभनदेव बने बंगाल में नेता प्रतिपक्ष

कोलकाता। बंगाल में 15 साल बाद सत्ता से बाहर हुई टीएमसी ने शनिवार को वरिष्ठ नेता शोभनदेव

चट्टोपाध्याय को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया। भाजपा की जीत के बाद राजनीति में बड़े बदलाव के बीच पार्टी ने विधानसभा में अपनी नई टीम का ऐलान किया है। फिरहाद हकीम को मुख्य सचेतक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

केरल में सीएम को लेकर फंसा पेच

नई दिल्ली। केरल में नए सीएम को लेकर कांग्रेस में सस्पेंस बरकरार है। दिल्ली में मल्लिकार्जुन

खरगे के आवास पर 3घंटे चली बैठक में कोई सहमति नहीं बन पाई। सभी विधायकों ने 'वन-लाइन रेजोल्यूशन' पास कर अंतिम फैसला खरगे और राहुल गांधी पर छोड़ दिया है। केरल अब इस बात का बेसब्री से इंतजार कर रहा है।

आतंकी धमकी...भाजपा मुख्यालय की सुरक्षा बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली में स्टेट भाजपा ऑफिस पर आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया गया है। इससे

आसपास की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई है। आतंकी दिल्ली भाजपा मुख्यालय और आसपास के सरकारी दफ्तरों को निशाना बना सकते हैं। अलर्ट मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं।

पश्चिम बंगाल में शपथ ग्रहण स्थल ब्रिगेड परेड ग्राउंड पर दिखी एनडीए की एकजुटता

हिंसा में मारे गए कार्यकर्ताओं से मिले पीएम मोदी और कहा जान गंवाने वाले कार्यकर्ताओं का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा

शपथ के बाद अभिवादन करते मंत्रिगण

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में शपथ ग्रहण स्थल ब्रिगेड परेड ग्राउंड पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुवेंदु अधिकारी के साथ मंच के नजदीक तक रोड शो किया। सुवेंदु खुद भगवा रंग के कुर्ते में थे। प्रधानमंत्री जैसे ही मंच पर पहुंचे, एनडीए और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की कतार नजर आई। कई राज्यों के मुख्यमंत्री और एनडीए के वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद थे। शपथ ग्रहण होने के बाद शुभेंदु सभी नेताओं का अभिवादन करते हुए प्रधानमंत्री के पास तक आए। उन्होंने झुककर प्रधानमंत्री को प्रणाम किया। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अधिकारी की 6 बार पीठ थपथपाई। जब सुवेंदु योगी आदित्यनाथ के पास पहुंचे तो योगी ने उन्हें भगवा अंगवस्त्र पहुंचाया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान सीएम अधिकारी के अलावा पांच अन्य मंत्रियों ने शपथ लिए।बंगाल में भाजपा लंबे समय के बाद अपनी सरकार बनाई है। इसे के साथ आज बंगाल में शपथ ग्रहण के साथ सरकार का गठन हो गया है। भाजपा नेता अधिकारी प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हैं। उनके साथ 4 और विधायकों ने शपथ ली है। इसमें एक नाम है अग्निमित्रा पॉल। यह भाजपा की राज्य उपाध्यक्ष हैं। पॉल ने आसनसोल दक्षिण से चुनाव जीता है।

मंच पर रही 30 से ज्यादा एनडीए नेताओं की उपस्थिति

यहां जान गंवाने वाले 300 लोगों की याद में बना स्मारक

शपथ ग्रहण के बाद पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल की राजनीतिक हिंसा में जान गंवाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं देबासिस मंडल, सौमित्र घोषाल और आनंद पॉल के परिजनों से मुलाकात की। भाजपा ने संदेश दिया है कि बंगाल में राजनीतिक हिंसा में जान गंवाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

जान गंवाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं से पीएम मोदी ने की बात

पीएम मोदी ने मिथुन के साथ गर्मजोशी से हाथ मिलाया

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती से मुलाकात की। पीएम मोदी ने मंच से उतरते समय मिथुन चक्रवर्ती के साथ गर्मजोशी से हाथ मिलाया और बातचीत की। चर्चा है कि दोनों के बीच मंच पर कुछ देर के लिए खास बातचीत हुई।

साधु-संत ने लगाए जयकारे शंख भी फूंका

समारोह में पहुंचे साधु-संत 'जयकारे' लगाते नजर आए। साथ ही, कुछ संतों ने 'शंख' भी फूंका। एक अन्य साधु ने कहा कि अब राम राज्य शुरू हो गया है। आज पश्चिम बंगाल में सनातनी सरकार बनने जा रही है। हम सनातनी के तौर पर आए हैं।

शपथ लेते ही सुवेंदु का ऐलान

बंगाल का होगा पुनर्निर्माण, शिक्षा-संस्कृति सुधारेंगे

सुवेंदु ने कहा कि वह अपने सरकारी कामकाज की शुरुआत जोरसांको ठाकुरबाड़ी में श्रद्धांजलि और प्रार्थना करने के बाद करेंगे। उन्होंने कहा कि यह दिन सिर्फ बंगाल ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक है। उनकी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता बंगाल का पुनर्निर्माण होगी। शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक पहचान बनाएंगे।

अधिकारी के शपथ लेते ही भावुक हुईं मां

अब आरजी कर पीड़िता को मिले न्याय

मुख्यमंत्री अधिकारी की मां गायत्री अधिकारी ने बेटे के मुख्यमंत्री बनने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि वे खुद बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि सुवेंदु पर कई बार जानलेवा हमले भी हुए थे। अब उम्मीद है कि आरजीकर पीड़िता की मां को न्याय मिलेगा।

शेख हसीना का संदेश

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में बंगाल अहम

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री

अध्यक्ष शेख हसीना ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच सच्ची दोस्ती के इतिहास में पश्चिम बंगाल की एक खास जगह है।

योगी का 'खास' तोहफा, सुवेंदु को पहनाया भगवा गमछा

जब सुवेंदु अधिकारी सभी नेताओं से मुलाकात कर रहे थे, तब उत्तर प्रदेश के सीएण योगी आदित्यनाथ ने अपना गमछा उन्हें पहनाया। मुख्यमंत्री योगी की ओर से दिया गया यह भगवा गमछा एक खास तोहफा माना जा रहा है।

राज्य में सुरक्षा, विकास और एकता का युग आएगा: गडकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इंस्टाग्राम के माध्यम से सफल कार्यकाल की कामना की और विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में राज्य में सुरक्षा, विकास और एकता का एक नया युग आएगा।

यह अहम बदलाव रहा, केंद्र का पूरा समर्थन: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस ऐतिहासिक जीत और बदलाव को अहम बताया और पश्चिम बंगाल के विकास के लिए केंद्र की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। घुसपैठियों पर भी बात की।

यह बंगाल में बदलाव का प्रतीक: नबीन

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने सुवेंदु अधिकारी को बधाई देते हुए इसे पश्चिम बंगाल में बदलाव का प्रतीक बताया। इससे यहां का गौरवशाली इतिहास फिर से जीवित होगा। लोगों को सुरक्षा मिलेगी।

टैगोर संस्कृति व बौद्धिक विरासत के प्रतीक: प्रधान

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक्स पर लिखा कि 'पोचिशे बोइशाख' के पावन अवसर पर गुरुदेव को याद करना विशेष महत्व रखता है। उन्होंने टैगोर को भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत का महान प्रतीक बताया।

चुनाव आयोग का रवैया पक्षपात पूर्ण रहा: अभिषेक

टीएमसी के महासचिव अभिषेक बेनर्जी ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। एक्स पर पोस्ट कर लिखा, हमने एक बेहद मुश्किल चुनाव लड़ा है, जिसमें कथित तौर पर लगभग 30 लाख वोटरों को बाहर कर दिया गया।

पीए चंद्रनाथ हत्याकांड

बदायूं पहुंची बंगाल पुलिस की टीम, फिर संभल में दी दबिश

एजेंसी ▶▶ बदायूं

पश्चिम बंगाल में भाजपा के घोषित मुख्यमंत्री चेहरे और वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) की हत्या के मामले की जांच अब उत्तर प्रदेश तक पहुंच गई है। इसी सिलसिले में आरोपियों की तलाश करते हुए बंगाल पुलिस की टीम शुक्रवार देर रात बदायूं पहुंची। जांच के दौरान आरोपियों के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल संभल जिले के गुन्नौर क्षेत्र में मिलने के बाद बंगाल पुलिस वहां दबिश देने के लिए रवाना हुई थी। बताया जा रहा है कि बंगाल पुलिस की टीम को तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन के आधार पर गुन्नौर पहुंचना था, लेकिन पुराने प्रशासनिक रिकॉर्ड और जानकारी के चलते टीम भ्रमवश बदायूं पहुंच गई। गुन्नौर क्षेत्र पहले बदायूं का हिस्सा था फिर संभल जिला बनने के बाद शामिल कर दिया गया।

तमिलनाडु में सरकार बनाने का रास्ता हो गया साफ

आखिरकार थलापति को मिली 'विजय' जुटाया 118 का आंकड़ा व शपथ आज

वीसीके ने भी समर्थन दिया

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

थलापति विजय ही तमिलनाडु में सरकार बनाएंगे। शनिवार को उनको एक और पार्टी का समर्थन मिल गया, जिसके बाद सरकार बनाने के 118 सीट के जादुई आंकड़े को उनकी पार्टी ने पार कर लिया है। विजय को कांग्रेस, सीपीआई सीपीआई- एम के बाद वीसीके ने समर्थन दिया है। शनिवार को वीसीके के प्रेसिडेंट ने शाम को समर्थन पत्र सौंपा। विजय की पार्टी आधव अर्जुन ने कहा कि वीसीके के थोल थिरुमावलवन ने सी. जोसेफ विजय के टीवीके को सपोर्ट कन्फर्म किया है। विजय तमिलनाडु में कोएलिशन सरकार चलाएंगे। वीसीके के पास 2 विधायकों का समर्थन है। राज्यपाल को दावा पेश कर दिया है। चर्चा है कि आज 3.15 बजे वे पद की शपथ ग्रहण करेंगे।

शपथ में देरी.. कार्यकर्ता ने खुद को लगाई आग

तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई। यहां विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री

कड़गम' यानी टीवीके के एक पदाधिकारी ने पार्टी प्रमुख के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर बनी अनिश्चितता से आहत होकर आत्मदाह का प्रयास किया। घटना तिरुनेलवेली जिले के चेट्टीकुलम के पास एक गांव की है। 47 वर्षीय इसक्कियप्पन, जो टीवीके के वल्लियूर यूनियन के स्वयंसेवक विंग के उप सचिव के रूप में कार्यरत हैं। बताया जा रहा है कि वह इस बात को लेकर गहरे मानसिक तनाव में थे कि उनके नेता विजय का शपथ ग्रहण समारोह कब होगा और इसे लेकर सस्पेंस क्यों है?

राजस्थान के बाड़मेर में तप गई धरती

45 डिग्री में 'आग' बनी धरती रेत के टीले तवे जैसे तपने लगे

एजेंसी ▶▶ बाड़मेर

सरहदी बाड़मेर में गर्मी अपने चरम पर है। तापमान 45 डिग्री के पार पहुंचते ही रेत के टीले तवे जैसे तपने लगे हैं। दोपहर में रेत पर कुछ सेकंड खड़ा रहना भी मुश्किल हो रहा है। लोग घरों में कैद हैं और सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। लू ने जनजीवन को बेहाल कर दिया है। पश्चिमी राजस्थान का सरहदी बाड़मेर जिला इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। धरती मानो 'आग' उगलने लगी है। दूर-दूर तक फैले रेत के टीले दिन चढ़ते ही इतने गर्म हो रहे हैं कि उन पर 10 सेकंड खड़े रहना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। सुबह 9 बजे तक सामान्य दिखने वाला मौसम दोपहर होते-होते विकराल रूप ले लेता है। दोपहर 12 बजे के बाद तेज धूप और लू के थपेड़ों से बाजार सूने पड़ने लगते हैं। रेगिस्तानी इलाकों और रेत के टीलों पर ज्यादा असर है।

भाजपा युवा मोर्चा नेता की रेल मंत्री से भेंट

रीवा-दुर्ग एक्सप्रेस ट्रेन चलाने व पार्थिव देह परिवहन की व्यवस्था करने की मांग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रीय मंत्री, भाजपा युवा मोर्चा गौरव तिवारी ने नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर विंध्य क्षेत्र की दो प्रमुख जनहित मांगें रखीं। उन्होंने आग्रह किया कि रेलवे द्वारा यात्री ट्रेनों के माध्यम से

मेट्रो शहरों से छोटे शहरों-कस्बों तक मृत स्वजनों के शवों का न्यूनतम खर्च में सम्मानजनक एवं सुविधाजनक परिवहन सुनिश्चित करने की व्यवस्था शुरू की जाए। तिवारी ने कहा कि रीवा-दुर्ग ट्रेन से विंध्य और छत्तीसगढ़ के औद्योगिक व शैक्षणिक क्षेत्रों के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा। पार्थिव देह परिवहन की व्यवस्था शोक-संतप्त परिवारों के लिए बड़ी राहत होगी। रेल मंत्री के सकारात्मक आश्वासन के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रमुख बिंदु

रीवा-दुर्ग नई एक्सप्रेस ट्रेन

तिवारी ने बताया कि मध्यप्रदेश के विंध्य क्षेत्र, विशेषकर रीवा संभाग के हजारों नागरिक रोजगार, शिक्षा एवं व्यवसाय के लिए प्रतिदिन छत्तीसगढ़ के दुर्ग, भिलाई व रायपुर जाते हैं। वर्तमान में रीवा से दुर्ग के बीच कोई सीधी रेल सेवा उपलब्ध न होने से यात्रियों को अत्यंत असुविधा होती है। उन्होंने 'रीवा-दुर्ग एक्सप्रेस' नाम से नियमित ट्रेन शीघ्र प्रारंभ करने का अनुरोध किया। रेल मंत्री ने शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया।

पार्थिव देह का न्यूनतम खर्च पर परिवहन

तिवारी ने दूसरा महत्वपूर्ण जनहित विषय रखते हुए कहा कि अनेक परिवारों को अपने दिवंगत परिजनों की पार्थिव देह को दूरस्थ शहरों से गृह नगर तक लाने में आर्थिक व व्यवस्थागत कठिनाई होती है।

दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में अंतरराष्ट्रीय नेत्र सम्मेलन

नेत्र चिकित्सा और शोध के क्षेत्र को देंगे नई दिशा

आर्मी हॉस्पिटल, नेत्र रोग विभाग सोसाइटी का आयोजन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में 9 और 10 मई को देश की पहली अंतरराष्ट्रीय नेत्र विज्ञान शोध कॉन्फ्रेंस आयोजित होने जा

रही है। यह आयोजन आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल), नई दिल्ली के नेत्र रोग विभाग और ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। 'एआईओएस- एएफओयू 2026' नामक इस 2 दिनी सम्मेलन का उद्घाटन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, तीनों सेनाओं के प्रमुख और रक्षा सचिव की उपस्थिति इस कार्यक्रम की रणनीतिक और राष्ट्रीय महत्व को दर्शाती है। इसे भारत में नेत्र चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है, जहां सैन्य और सिविल चिकित्सा जगत एक साझा मंच पर आएंगे।

200 प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ होंगे शामिल

इस सम्मेलन में देशभर से 200 प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ और सैन्य चिकित्सा से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे। कार्यक्रम में नेत्र विज्ञान की सभी

प्रमुख शाखाओं जैसे कॉर्निया, रेटिना, ग्लूकोमा, ऑक्युलर सर्जरी और एडवांस्ड डायग्नोस्टिक्स पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। देश के प्रतिष्ठित संस्थानों एम्स नई दिल्ली, पीजीआई चंडीगढ़, एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट हैदराबाद, शंकर नेत्रालय चेन्नई और अरविंद आई केयर सिस्टम से 100 से अधिक विशेषज्ञ फैकल्टी भी भाग लेंगे। यह मंच नवीनतम चिकित्सा तकनीकों और शोध को साझा करने का अवसर देगा। युवा डॉक्टरों के लिए कौशल को निखारने का अवसर भी होगा।

2 विश्वविख्यात विशेषज्ञों की रहेगी उपस्थिति

इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 2 विश्वविख्यात विशेषज्ञ भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम, यूके के प्रोफेसर हरमिंदर सिंह दुआ, जो कॉर्नियल रिसर्च और 'दुआ लेयर' की खोज के लिए वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध हैं, अपने अनुभव साझा करेंगे। वहीं सिंगापुर के टैन टॉक सेंग हॉस्पिटल के वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. कॉलिन सियांग हुई टैन भी रेटिना इमेजिंग, डायबिटिक रेटिनोपैथी और एआई आधारित नेत्र निदान पर अपने शोध प्रस्तुत करेंगे।

आईटीआर रिटर्न भरते समय बरतें सावधानी, छोटी गलती भी भारी

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना आज के डिजिटल दौर में पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है, लेकिन इसमें लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर साल बड़ी संख्या में लोग खुद ही ऑनलाइन आईटीआर भरते हैं, फिर भी छोटी-छोटी गलतियों के कारण उनका रिटर्न अटक जाता है या उन्हें इनकम टैक्स विभाग से नोटिस मिल जाता है। कई बार लोग गलत फॉर्म चुन लेते हैं, तो कभी अपनी आय की पूरी जानकारी नहीं देते। वहीं, कुछ करदाता रिटर्न भरने के बाद उसका ई-वेरिफिकेशन करना ही भूल जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। इसके अलावा पर्सनल डिटेल्स में त्रुटि, टैक्स रिजीम का गलत चयन या फॉर्म 26एएस और एआईएस से मिलान न करना भी भारी पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि आईटीआर फाइल करते समय हर स्टेप को समझदारी और सावधानी के साथ पूरा किया जाए, ताकि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

सही फॉर्म का चयन पहली शर्त

■ आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में सबसे अहम कदम है सही फॉर्म का चुनाव।
■ आईटीआर-1 उन व्यक्तियों के लिए है जिनकी आय सैलरी, एक मकान और अन्य स्रोतों से होती है।
■ आईटीआर-2 उन लोगों के लिए है जिनकी बिजनेस इनकम नहीं है, लेकिन अन्य स्रोतों से आय है।
■ आईटीआर-3 बिजनेस या प्रोफेशन से जुड़े लोगों के लिए होता है।
■ आईटीआर-4 अनुमानित आय वालों के लिए है।
■ गलत फॉर्म चुनने से आपका रिटर्न रिजेक्ट हो सकता है या प्रोसेस में देरी हो सकती है।

ई-वेरिफिकेशन भूलना पड़ सकता है भारी

आईटीआर फाइल करने के बाद सबसे बड़ी गलती जो लोग करते हैं, वह है उसे वेरिफाई न करना। अगर आपने 30 दिनों के भीतर अपने रिटर्न को ई-वेरिफाई नहीं किया, तो इसे मान्य नहीं माना जाएगा। आप नेट बैंकिंग, आधार ओटीपी या ईवीसी के जरिए आसानी से वेरिफिकेशन कर सकते हैं।

पर्सनल डिटेल्स में गलती रोक सकती है रिफंड

■ नाम, पता, पैन, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि या असेसमेंट ईयर जैसी जानकारी में छोटी सी गलती भी आपके रिफंड को रोक सकती है।
■ इसलिए फॉर्म भरते समय हर जानकारी को दोबारा जांचना बेहद जरूरी है।
■ साथ ही टैक्स रिजीम (पुरानी या नई) का गलत चयन भी आपकी टैक्स देनदारी को प्रभावित कर सकता है।
■ पूरी आय का खुलासा करना जरूरी
■ -कई करदाता सिर्फ सैलरी इनकम ही दिखाते हैं और अन्य स्रोतों को नजरअंदाज कर देते हैं।

आईटीआर में हर तरह की आय दिखाएं

■ बैंक ब्याज ■ किराया ■ कैपिटल गेन ■ अन्य आय
■ यहां तक कि टैक्स फ्री आय को भी दिखाना चाहिए, ताकि आप सही तरीके से छूट का दावा कर सकें।

26एएस और एआईएस से जरूर करें मिलान

■ आईटीआर भरते समय फॉर्म 26एएस और एनुअल इंफोर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) का मिलान जरूरी है।
■ इनमें आपके टीडीएस, टीसीएस और एडवांस टैक्स की पूरी जानकारी होती है।
■ अगर जानकारी और इन रिकॉर्ड्स में अंतर पाया गया, तो रिफंड अटक सकता है या नोटिस मिल सकता है
■ अगर आपने एक वित्त वर्ष में एक से अधिक कंपनियों में काम किया है, तो हर कंपनी से फॉर्म 16 लेना जरूरी है। ऐसा न करने पर आपकी कुल आय गलत दिख सकती है और टैक्स कैलकुलेशन भी प्रभावित हो सकता है।

एडवांस टैक्स समय पर भरें

■ एडवांस टैक्स न भरना या देर से भरना भी एक आम गलती है। ■ इसे चार किस्तों में भरना होता है।
■ 15 जून ■ 15 सितंबर ■ 15 दिसंबर ■ 15 मार्च
■ समय पर भुगतान नहीं तो 1% तक की पेनल्टी।

सावधानी ही बचाव

आईटीआर फाइलिंग एक जरूरी वित्तीय जिम्मेदारी है, जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियां न सिर्फ आपके रिफंड को रोक सकती हैं, बल्कि आपको टैक्स नोटिस का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए सही फॉर्म का चयन, सभी आय का खुलासा, दस्तावेजों का मिलान और समय पर वेरिफिकेशन ये सभी कदम बेहद महत्वपूर्ण हैं। अगर आप थोड़ी सावधानी और समझदारी से आईटीआर फाइल करते हैं, तो न सिर्फ प्रक्रिया आसान हो जाएगी, बल्कि आप किसी भी तरह की परेशानी से भी बच सकेंगे।

बाजार गिरे या चढ़े, बढ़ेगा पैसा ऐसे बनाएं निवेश का मास्टर प्लान

एक्सपर्ट के 5 फॉर्मूले अपनाने से आपका पोर्टफोलियो बनेगा 'मुनाफे की मशीन'

70:30 फॉर्मूला सुरक्षित निवेश और तेज ग्रोथ का संतुलन बनाएगा

मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां बनती हैं लंबी रेस के घोड़े, विविधीकरण से घटेगा जोखिम

बिजनेस डेस्क

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन 2026 का बाजार पहले से ज्यादा जटिल और अवसरों से भरा हुआ नजर आ रहा है। ऐसे समय में निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है कैसे निवेश करें, ताकि जोखिम भी कम रहे और रिटर्न भी बेहतर मिले? पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ कोई भी निवेशक अपने पोर्टफोलियो को "मुनाफे की मशीन" में बदल सकता है। आज के दौर में केवल शेयर खरीदना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि किस तरह का पोर्टफोलियो हर तरह के बाजार चाहे तेजी हो या गिरावट में संतुलन बनाए रख सके। निवेश का असली खेल 'टाइमिंग' नहीं, बल्कि 'टाइम इन मार्केट' है। यानी जितना ज्यादा समय आप बाजार में टिके रहते हैं, उतना ही ज्यादा कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में निवेश के लिए '70:30' का फॉर्मूला सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक माना जा रहा है। इस फॉर्मूले के तहत निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 70% हिस्सा मजबूत और स्थापित कंपनियों में लगाते हैं, जिन्हें 'कोर होल्डिंग्स' कहा जाता है। ये कंपनियां मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर मैनेजमेंट और स्थिर आय के लिए जानी जाती हैं। बाजार में गिरावट के समय यही कंपनियां आपके निवेश को सुरक्षा देती हैं। वहीं, बाकी 30% हिस्सा 'टैक्टिकल इन्वेस्टमेंट' के लिए रखा जाता है। इसमें उभरते हुए सेक्टर्स, हाई ग्रोथ कंपनियां या शॉर्ट-टर्म ट्रेंड्स को ध्यान में रखकर निवेश किया जाता है। यह हिस्सा आपके पोर्टफोलियो को अतिरिक्त ग्रोथ देने का काम करता है। इस तरह यह फॉर्मूला सुरक्षा और आक्रामक ग्रोथ के बीच संतुलन बनाता है।

गिरावट में घबराएं नहीं, मौके पहचानें, धैर्य बनाए रखें

सही कंपनी का चयन ही असली खेल

शेयर बाजार में सफल निवेश केवल सही समय पर पैसा लगाने से नहीं, बल्कि सही कंपनी चुनने से तय होता है। विशेषज्ञों के अनुसार निवेश करने से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय स्थिति और उसकी 'इकोनॉमिक मोट' को समझना बेहद जरूरी है। 'इकोनॉमिक मोट' का अर्थ उस विशेष ताकत से है, जो किसी कंपनी को प्रतिस्पर्धियों से अलग और मजबूत बनाती है। यह ताकत मजबूत ब्रांड वैल्यू, उन्नत तकनीक, बड़ा मार्केट शेयर, कम लागत पर उत्पादन या ग्राहकों का भरोसा हो सकती है।यदि किसी कंपनी का कारोबार लगातार बढ़ रहा हो, उसका कर्ज नियंत्रित हो और प्रबंधन पारदर्शी तरीके से काम करता हो, तो बाजार में आने वाली अस्थायी गिरावट का उस पर सीमित असर पड़ता है। ऐसी कंपनियां लंबे समय में निवेशकों को स्थिर और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल सोशल मीडिया ट्रेंड, अफवाहों या 'हॉट टिप्स' के आधार पर निवेश करना जोखिम बढ़ा सकता है। निवेशकों को जल्दबाजी से बचते हुए कंपनी के फंडामेंटल्स, भविष्य की संभावनाओं और बिजनेस की गुणवत्ता का गहराई से विश्लेषण करना चाहिए।

विविधीकरण और लंबी अवधि

निवेश की दुनिया में एक पुरानी कहावत है "सारे अंडे एक टोकरी में मत रखो।" यही सिद्धांत शेयर बाजार में भी लागू होता है। विविधीकरण का मतलब है अपनी पूंजी को अलग-अलग सेक्टर्स और कंपनियों में बांटना ताकि किसी एक सेक्टर में गिरावट का असर पूरे पोर्टफोलियो पर न पड़े। उदाहरण के तौर पर, अगर आप केवल आईटी सेक्टर में निवेश करते हैं और उस सेक्टर में गिरावट आती है, तो आपका पूरा निवेश प्रभावित हो सकता है। लेकिन अगर आपने फाइनेंशियल, कंजम्पशन, मैन्युफैक्चरिंग और फार्मा जैसे अलग-अलग सेक्टर्स में निवेश किया है, तो एक सेक्टर की कमजोरी दूसरे सेक्टर की मजबूती से संतुलित हो सकती है। इसके साथ ही, लंबी अवधि का नजरिया बेहद जरूरी है। कई निवेशक छोटी-छोटी गिरावट से घबरा जाते हैं और जल्दबाजी में अपने निवेश को बेच देते हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि जो निवेशक लंबे समय तक टिके रहते हैं, वही असली फायदा उठाते हैं। कंपाउंडिंग की ताकत समय के साथ ही काम करती है और धीरे-धीरे आपकी संपत्ति को कई गुना बढ़ा देती है और आपको पता भी नहीं चलता।

भावनाओं पर नियंत्रण सफल निवेशक की असली पहचान

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान या जानकारी से नहीं मिलती, बल्कि आपके व्यवहार और मानसिकता पर भी निर्भर करती है। बाजार में गिरावट के समय घबराहट और तेजी के समय लालच ये दोनों भावनाएं निवेशकों को गलत फैसले लेने पर मजबूर करती हैं। एक सफल निवेशक वही होता है जो इन भावनाओं पर नियंत्रण रख सके। जब बाजार गिरता है, तो उसे खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए बशर्ते कंपनी के फंडामेंटल्स मजबूत हों। वहीं, तेजी के दौर में बिना सोचे-समझे निवेश करने से बचना चाहिए। एक तरह से निवेश में 'इमोशनल फायरवॉल' बनाना जरूरी है, जो आपको बाजार के शोर से दूर रखे और आपके फैसलों को तार्किक बनाए रखे। अनुशासन और धैर्य ही लंबे समय में बड़ी संपत्ति बनाने का आधार होते हैं।

सादगी, अनुशासन व धैर्य ही असली मंत्र

2026 के बदलते आर्थिक माहौल में निवेश करना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। अगर आप 70:30 का संतुलित फॉर्मूला अपनाते हैं, मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों को चुनते हैं, अपने निवेश को विविध बनाते हैं और भावनाओं पर नियंत्रण रखते हैं, तो बाजार की हर स्थिति में अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। याद रखें, शेयर बाजार में कोई शॉर्टकट नहीं होता। यहां सफलता उन्हीं को मिलती है जो धैर्य रखते हैं, अनुशासन का पालन करते हैं और लंबी अवधि के लिए निवेश करते हैं। अगर आप इन सिद्धांतों पर टिके रहते हैं, तो बाजार चाहे गिरे या चढ़े आपकी दौलत लगातार बढ़ती जाएगी।

डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में 25% की छलांग मौका या जोखिम? ऐसे में क्या करें निवेशक

■ एक माह की रैली ने निवेशकों के लिए बढ़ाया आकर्षण
■ लेकिन एक्सपर्ट्स ने दे दी सावधानी बरतने की सलाह
■ जियोपॉलिटिकल हालात व बढ़ते रक्षा खर्च ने दी रफ्तार
■ चक्रीय प्रकृति वाला डिफेंस सेक्टर, उतार-चढ़ाव को रहें तैयार

पिछले एक महीने में डिफेंस सेक्टर से जुड़े म्यूचुअल फंड्स ने करीब 20% से 25% तक का शानदार रिटर्न दिया है। इतनी तेज बढ़त ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है और कई लोग इस सेक्टर में निवेश के अवसर तलाशने लगे हैं। लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी के पीछे मजबूत फंडामेंटल्स से ज्यादा जियोपॉलिटिकल कारण और बाजार का मोमेंटम जिम्मेदार है। ऐसे में बिना सोचे-समझे निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। जानकारों के अनुसार, निवेशकों को सिर्फ हालिया रिटर्न देखकर फैसले नहीं लेने चाहिए। बाजार में छोटी अवधि की तेजी अक्सर बाहरी घटनाओं से प्रभावित होती है, जबकि लंबी अवधि में किसी भी निवेश का प्रदर्शन उसकी कमाई, वैल्यूएशन और बिजनेस ग्रोथ पर निर्भर करता है।

जियोपॉलिटिकल तनाव बना तेजी का बड़ा कारण

डिफेंस सेक्टर में आई हालिया तेजी का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियां हैं। जब दुनिया में अस्थिरता बढ़ती है, तो सरकारें रक्षा खर्च बढ़ाती हैं, जिससे इस सेक्टर की कंपनियों को अधिक ऑर्डर मिलने लगते हैं। इसका सीधा असर इन कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े म्यूचुअल

फंड्स पर पड़ता है। हालांकि लंबे समय में डिफेंस सेक्टर की संभावनाएं मजबूत हैं जैसे कि भारत में स्वदेशीकरण को बढ़ावा, बढ़ता रक्षा बजट और मजबूत ऑर्डर बुक, लेकिन इस सेक्टर में प्रोजेक्ट्स को पूरा होने में समय लगता है।

'मोमेंटम फेज' में है डिफेंस सेक्टर

फिलहाल डिफेंस सेक्टर एक 'मोमेंटम फेज' से गुजर रहा है। यानी बाजार में तेजी से पैसा आ रहा है और निवेशकों का झुकाव इस सेक्टर की ओर बढ़ गया है। एक ही महीने में 20-25% तक का रिटर्न इस बात का संकेत है कि कीमतें कंपनियों के वास्तविक प्रदर्शन से ज्यादा बाजार की भावना और निवेश के फ्लो से प्रभावित हैं।

एसआईपी बनाम लंपसम : कैसे करें निवेश?

हालिया तेजी के बाद डिफेंस सेक्टर के वैल्यूएशन ऊंचे हो चुके हैं। ऐसे में एकमुश्त (लंपसम) निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसके बजाय एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर विकल्प है। एसआईपी का फायदा यह है कि निवेशक बाजार के उतार-चढ़ाव को औसत कर सकता है और जोखिम को कम कर सकता है।

डाइवर्सिफिकेशन ही सुरक्षित रास्ता

एक्सपर्ट्स का मानना है कि सीधे डिफेंस सेक्टर में निवेश करने के बजाय डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश करना ज्यादा सुरक्षित है। जैसे फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स—ये विभिन्न सेक्टर्स में निवेश करते हैं और जोखिम को संतुलित रखते हैं। इन फंड्स में डिफेंस सेक्टर का एक्सपोजर भी होता है, लेकिन यह सीमित होता है, जिससे निवेशक को इस सेक्टर की ग्रोथ का फायदा तो मिलता है, लेकिन जोखिम कम रहता है। डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में हालिया तेजी आकर्षक जरूर है, लेकिन यह स्थायी नहीं हो सकती। निवेशकों को केवल शॉर्ट टर्म रिटर्न देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए।

पहली ईएमआई चल रही है, फिर भी चाहिए लोन?

■ एफओआईआर का खेल : इनकम का कितना हिस्सा ईएमआई में जा रहा
■ ईएमआई ज्यादा तो लोन मुश्किल, बैंक कैसे तय करते हैं आपकी क्षमता
■ लोन का टाइप भी अहम : होम, पर्सनल या क्रेडिट कार्ड का फर्क

सावधानी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में लगभग हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी लोन की ईएमआई चुका रहा है। चाहे वह होम लोन हो, कार लोन या फिर क्रेडिट कार्ड का बकाया। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या पहले से ईएमआई चलने के बावजूद नया लोन मिल सकता है? जवाब है हां, मिल सकता है, लेकिन इसके लिए कुछ जरूरी शर्तों को पूरा करना होता है। बैंक सिर्फ आपकी सैलरी देखकर लोन मंजूर नहीं करते, बल्कि यह भी देखते हैं कि आपकी आय का कितना हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है और आपके पास कितना पैसा बच रहा है। यही गणित तय करता है कि आप नए लोन के लिए योग्य हैं या नहीं।

ईएमआई घटाएं, लोन की राह बनाएं, छोटे बदलाव का बड़ा असर

एफओआईआर क्या है

जब आप किसी बैंक या फाइनेंशियल संस्थान में लोन के लिए आवेदन करते हैं, तो सबसे पहले आपकी आय और खर्च का विश्लेषण किया जाता है। इसमें एक अहम भूमिका निभाता है एफओआईआर यानी फिक्स्ड ऑब्जेक्शन टू इनकम रेशियो। एफओआईआर यह बताता है कि आपकी कुल मासिक आय का कितना हिस्सा पहले से चल रही ईएमआई में खर्च हो रहा है। उदाहरण के तौर पर, अगर आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और आप 40,000 रुपये ईएमआई दे रहे हैं, तो आपका एफओआईआर 40% होगा। बैंक आमतौर पर 50% से कम एफओआईआर को सुरक्षित मानते हैं। अगर यह अनुपात 60% या उससे ज्यादा हो जाता है, तो बैंक को लगता है कि आप पर कर्ज का बोझ ज्यादा है, जिससे नए लोन की मंजूरी मुश्किल हो सकती है।

ईएमआई ज्यादा होने पर मुश्किल

जितनी ज्यादा आपकी मौजूदा ईएमआई होगी, उतनी ही कम आपकी नई लोन लेने की क्षमता होगी। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप नया लोन भी बिना किसी परेशानी के चुका सकें। अगर आपकी आय का बड़ा हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है, तो बैंक के लिए यह जोखिम बढ़ जाता है कि आप भविष्य में भुगतान करने में चूक कर सकते हैं। इसी वजह से ज्यादा ईएमआई वाले ग्राहकों को या तो लोन नहीं मिलता या फिर कम राशि का लोन ऑफर किया जाता है।

लोन का प्रकार भी करता है असर

■ सिर्फ ईएमआई की राशि ही नहीं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आपका लोन किस प्रकार का है।
■ होम लोन : इसे सबसे सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इसके बदले संपत्ति गिरवी होती है।
■ कार लोनः मध्यम जोखिम की श्रेणी में आता है।
■ पर्सनल लोनः इसमें जोखिम ज्यादा होता है, क्योंकि यह बिना किसी गारंटी के दिया जाता है।
■ क्रेडिट कार्ड बकायाः इसे सबसे ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है।
■ बैंक ऐसे ग्राहकों को प्राथमिकता देते हैं, जिनका कर्ज संतुलित और नियंत्रित होता है। अगर आपके पास ज्यादा अनसिक्योर्ड लोन (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड) हैं, तो नया लोन मिलने में दिक्कत हो सकती है।

क्या ईएमआई कम करके बढ़ा सकते हैं लोन की संभावना?

अगर आप नया लोन लेना चाहते हैं, तो अपनी मौजूदा ईएमआई को कम करना एक अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए आप छोटे-छोटे लोन पहले बंद कर सकते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और ईएमआई 50,000 रुपये है (एफओआईआर = 50%)। अगर आप 5,000 रुपये की ईएमआई वाला लोन बंद कर देते हैं, तो एफओआईआर घटकर 45% हो जाएगा। इससे आपकी लोन लेने की क्षमता बढ़ सकती है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि लोन बंद करने के बाद इसका असर आपके क्रेडिट रिकॉर्ड में दिखने में 30—45 दिन का समय लग सकता है।

क्रेडिट स्कोर बनाम ईएमआई

लोन लेते समय क्रेडिट स्कोर भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आमतौर पर 750 या उससे अधिक का स्कोर अच्छा माना जाता है और इससे बैंक का भरोसा बढ़ता है। लेकिन सिर्फ अच्छा क्रेडिट स्कोर होना ही काफी नहीं है। अगर आपकी ईएमआई पहले से ज्यादा है और एफओआईआर उच्च स्तर पर है, तो लोन मिलने में परेशानी हो सकती है।

सरल शब्दों में ऐसे समझें

■ क्रेडिट स्कोर बैंक का भरोसा बढ़ाता है
■ एफओआईआर (ईएमआई का बोझ) तय करता है कि कितना लोन मिलेगा
■ नया लोन लेने से पहले ध्यान रखें ये बातें
■ अपनी सभी ईएमआई की सही जानकारी बैंक को दें, कुछ भी छिपाने की कोशिश न करें।
■ कोशिश करें कि आपकी कुल ईएमआई आपकी आय के 40% के आसपास ही रहे।
■ छोटे और अनावश्यक लोन को पहले बंद करें।
■ क्रेडिट कार्ड का बकाया समय पर चुकाएं।
■ खर्च और कर्ज के बीच संतुलन बनाए रखें।
■ सही बैलेंस से ही मिलेगा नया लोन

सही संतुलन बनाए रखें

अगर आपके ऊपर पहले से ईएमआई चल रही है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको नया लोन नहीं मिल सकता। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी आय, खर्च और कर्ज के बीच सही संतुलन बनाए रखें। एफओआईआर को नियंत्रित रखना, क्रेडिट स्कोर अच्छा बनाए रखना और अनावश्यक कर्ज से बचना—ये तीन बातें आपको आसानी से नया लोन दिला सकती हैं। सही प्लानिंग के साथ आप न सिर्फ नया लोन ले सकते हैं, बल्कि अपनी वित्तीय स्थिति को भी मजबूत बना सकते हैं।

रिस्क है, लेकिन सही प्लान के साथ यही बन सकता है सबसे बड़ा मौका

धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग से शुरू करें काम

जॉब छोड़ें व बन जाएं खुद के बॉस, कम निवेश में तगड़ी कमाई के रास्ते बदलते दौर में नौकरी नहीं, स्किल और सोच भी बन रही है असली ताकत

आईडिया

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई लोगों को सीमित लगता है। बढ़ती महंगाई, सीमित सैलरी ग्रोथ और काम का दबाव ये सभी कारण लोगों को खुद का बिजनेस शुरू करने की ओर प्रेरित कर रहे हैं। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और जोखिम भरा फैसला होता है, लेकिन सही योजना, स्किल और मार्केट की समझ के साथ यह कदम आपकी जिंदगी बदल सकता है। अगर आप भी अपने करियर में बदलाव चाहते हैं और खुद का काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो मौजूदा ट्रेंड्स के आधार पर कुछ ऐसे बिजनेस आइडियाज हैं, जिन्हें कम निवेश में शुरू करके अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर काम आप अपनी मौजूदा स्किल्स के दम पर ही शुरू कर सकते हैं। इससे आप खुद के बॉस बनकर अच्छी कमाई कर सकते हैं और अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं।

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है।

सही योजना बदल सकती है जिंदगी

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना आसान नहीं है, लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम आपकी पूरी जिंदगी बदल सकता है। इन 5 बिजनेस आइडियाज की खासियत यह है कि ये वर्तमान ट्रेंड्स पर आधारित हैं और इनमें ग्रोथ की जबरदस्त संभावनाएं हैं। अगर आप धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग के साथ काम करते हैं, तो शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन सफलता बड़ी जरूर होगी। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है। इसलिए किसी भी नए बिजनेस की शुरुआत से पहले अपने कौशल, अनुभव, बजट और बाजार की वास्तविक जरूरतों को समझना बेहद जरूरी है।

कंसल्टेंसी/फ्रीलांसिंग : अनुभव कमाई का जरिया

आज का समय 'स्किल इकॉनमी' का है, जहां आपकी योग्यता ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी होती है। अगर आपने किसी कॉर्पोरेट सेक्टर में काम किया है जैसे आईटी, मार्केटिंग, एचआर या फाइनेंस तो आप आसानी से कंसल्टेंसी या फ्रीलांसिंग एजेंसी शुरू कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको बड़े ऑफिस या भारी निवेश की जरूरत नहीं होती। एक लैपटॉप, अच्छा इंटरनेट और प्रोफेशनल नेटवर्क ही आपकी शुरुआत के लिए काफी हैं। शुरुआत में आप छोटे क्लाइंट्स के साथ काम करके धीरे-धीरे अपनी टीम बना सकते हैं। कंसल्टेंसी बिजनेस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कमाई की कोई सीमा नहीं होती। शुरुआती स्तर पर ही 50 हजार से 1.5 लाख रुपये महीना कमाना संभव है।

क्लाउड किचन : खाने के बिजनेस में मौका

खाने-पीने का बिजनेस हमेशा से लाभदायक रहा है, लेकिन अब इसका स्वरूप बदल चुका है। आज लोग रेस्टोरेंट जाने के बजाय घर बैठे खाना ऑर्डर करना ज्यादा पसंद करते हैं। यही वजह है कि क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। क्लाउड किचन की खासियत यह है कि इसमें आपको रेस्टोरेंट की तरह महंगा सेटअप या बड़ी जगह की जरूरत नहीं होती। आप अपने घर से या छोटे किचन स्पेस से भी शुरुआत कर सकते हैं। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन करके आप अपने प्रोडक्ट को बड़े बाजार तक पहुंचा सकते हैं। इस बिजनेस में लागत अपेक्षाकृत कम होती है, जबकि मुनाफे की संभावना ज्यादा होती है। सही क्वालिटी और मार्केटिंग के साथ आप पहले ही महीने से अच्छी कमाई शुरू कर सकते हैं।

ई-कॉमर्स/ड्रॉपशिपिंग : स्मार्ट तरीका

डिजिटल इंडिया के इस दौर में ऑनलाइन बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है। ई-कॉमर्स और ड्रॉपशिपिंग ऐसे मॉडल हैं, जिनमें आप बिना ज्यादा निवेश के अपना ऑनलाइन स्टोर शुरू कर सकते हैं। ड्रॉपशिपिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें आपको प्रोडक्ट स्टॉक करने की जरूरत नहीं होती। जब ग्राहक ऑर्डर करता है, तो सप्लायर सीधे उस प्रोडक्ट को ग्राहक तक पहुंचाता है। इससे आपको गोदाम या इन्वेंट्री की चिंता नहीं रहती। यह बिजनेस पूरी तरह से ऑटोमेशन और डिजिटल मार्केटिंग पर आधारित है। सही रणनीति के साथ आप घर बैठे ही अच्छी कमाई कर सकते हैं। टेक गैजेट्स, किचन आइटम्स, हैंडीक्राफ्ट्स और इको-फ्रेंडली प्रोडक्ट्स जैसे सेगमेंट में काफी संभावनाएं हैं। यह बिजनेस धीरे-धीरे आपको 'पैसिव इनकम' का स्रोत भी दे सकता है, जहां आप सोते हुए भी कमाई कर सकते हैं।

ईवी चार्जिंग/ग्रीन एनर्जी : कल बनें लीडर

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने एक नए बिजनेस सेक्टर को जन्म दिया है ईवी चार्जिंग स्टेशन। आने वाले वर्षों में यह सेक्टर तेजी से बढ़ने वाला है, जिससे इसमें निवेश करने वालों के लिए बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। आप रेजिडेंशियल सोसाइटी, मॉल या कमर्शियल एरिया में ईवी चार्जिंग पॉइंट लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके साथ ही, ईवी मेंटेनेंस और रिपेयरिंग सर्विस जोड़कर अपनी आय को और बढ़ा सकते हैं। हालांकि इस बिजनेस में शुरुआती निवेश थोड़ा ज्यादा होता है, लेकिन इसकी लॉन्ग-टर्म संभावनाएं बेहद मजबूत हैं। अगर आप शुरुआती दौर में इस सेक्टर में कदम रखते हैं, तो आने वाले समय में बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं।

डिजिटल कंटेंट/ऑनलाइन कोर्स

अगर आपके पास किसी विषय की गहरी जानकारी है चाहे वह स्टॉक मार्केट हो, पढ़ाई, फिटनेस, कुकिंग या टेक्नोलॉजी तो आप उसे डिजिटल कंटेंट या ऑनलाइन कोर्स के रूप में बदल सकते हैं। आज के समय में यूट्यूब, सोशल मीडिया और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स के जरिए लाखों लोग अपनी स्किल्स को बिजनेस में बदल रहे हैं। इस मॉडल की खासियत यह है कि इसमें आप खुद का ब्रांड बनाते हैं और आपकी कमाई आपकी मेहनत और पहचान पर निर्भर करती है। शुरुआत में आपको एक अच्छे स्मार्टफोन, माइक्रोफोन और बेसिक एडिटिंग सेटअप की जरूरत होती है। जैसे-जैसे आपका कंटेंट लोकप्रिय होता है, आपकी कमाई भी तेजी से बढ़ती जाती है। यह बिजनेस आपको नाम, पैसा और स्वतंत्रता तीनों देता है।

खेलों में बेटियों का बढ़ रहा रुतबा, पर चोट और एनीमिया बने चुनौती

- फीमेल एथलीट ट्रायड खतरा, विशेषज्ञ बोले-सही डाइट और ट्रेनिंग जरूरी
- पीरियड्स, एनीमिया और हड्डियों की कमजोरी बना सबसे बड़ा खतरा
- एसीएल इंजरी से स्ट्रेस फ्रेक्चर तक कर रहे खिलाड़ियों को परेशान
- कमजोर डाइट और ओवर ट्रेनिंग बना रही शरीर को अंदर से कमजोर
- पीरियड्स व हार्मोनल बदलाव भी प्रभावित करते हैं प्रदर्शन व रिकवरी
- महिला खिलाड़ियों में कैल्शियम व विटामिन-डी की भारी कमी

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

खेलों में महिला खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी सफलता देश के लिए गर्व का विषय है, लेकिन इन उपलब्धियों के पीछे शारीरिक और मानसिक संघर्ष की एक कठिन कहानी भी छिपी है। लगातार कठिन ट्रेनिंग, पोषण की कमी, हार्मोनल बदलाव और चोटों का बढ़ता खतरा महिला खिलाड़ियों के सामने बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। पीजीआईएमएस रोहतक के खेल चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, महिला एथलीटों में एसीएल इंजरी, स्ट्रेस-फ्रैक्चर, एनीमिया और फीमेल एथलीट ट्रायड जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि सही पोषण, वैज्ञानिक ट्रेनिंग, पर्याप्त आराम और मानसिक सहयोग के बिना खिलाड़ियों का प्रदर्शन और करियर दोनों प्रभावित हो सकते हैं। वहीं, कई सामाजिक मिथक और आर्थिक परेशानियां भी महिला खिलाड़ियों के संघर्ष को और कठिन बना देती हैं।

- एनीमिया से घट रहा स्टैमिना, बढ़ रही थकान और चोट का जोखिम

एआई जेनरेटेड फोटो

घुटने और कंधे की चोटें सबसे आम

पीजीआईएमएस रोहतक के खेल चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष और वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. राजेश रोहिल्ला के अनुसार, महिला खिलाड़ियों में घुटने की चोटें, विशेषकर एसीएल का फटना, सबसे अधिक देखा जाता है। इसके अलावा पैटेलोफेमोरल दर्द, रोटेटर कफ इंजरी (कंधे की चोट), स्ट्रेस-फ्रैक्चर, और एंकल स्प्रेन (टखने की मोच) की समस्या भी आम है। आयरन की कमी (एनीमिया) से मांसपेशियों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है, जिससे जल्दी थकान, एकाग्रता में कमी और स्टेमिना गिर जाता है। कई खिलाड़ी शाकाहारी भोजन और डाइटिंग के कारण भी एनीमिया का शिकार हो जाती हैं।

हार्मोनल बदलावः पीरियड्स और प्रदर्शन

स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. हेमलता के अनुसार महिला खिलाड़ियों की शारीरिक बनावट, जैसे चौड़ा पेल्विस और कमजोर हैमस्ट्रिंग, उन्हें घुटने व लिगामेंट इंजरी के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है। मासिक धर्म के दौरान हार्मोनल बदलाव के कारण चोटों की संख्या तो नहीं बढ़ती, लेकिन उनकी गंभीरता अधिक हो सकती है। मेंस्ट्रुअल साइकिल के दौरान एस्ट्रोजन और प्रोजेस्ट्रोन के स्तर में उतार-चढ़ाव आता है, जिससे लिगामेंट्स में ढीलापन बढ़ता है और रिकवरी धीमी हो जाती है। कम ऊर्जा और खराब पोषण के कारण हड्डियों का घनत्व घटता है, जिससे स्ट्रेस-फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। अत्यधिक ट्रेनिंग और भोजन में कमी से आयरन, कैल्शियम और विटामिन-डी की कमी हो सकती है। एनीमिया होने पर मांसपेशियों तक ऑक्सीजन कम पहुंचती है, जिससे जल्दी थकान, स्टैमिना में गिरावट, ध्यान की कमी और प्रदर्शन पर सीधा असर पड़ता है।

कुछ मिथक भी करते हैं परेशान : कोच

कोच अमनप्रीत का कहना है कि महिला और पुरुष खिलाड़ियों के लिए कोई अलग रिकवरी प्लान नहीं होता, लेकिन हर खिलाड़ी का रिकवरी रेट और एनर्जी लेवल अलग होता है। एलीट (उच्च) स्तर पर पहुंचने के बाद हर खिलाड़ी के लिए कस्टमाइज्ड ट्रेनिंग प्लान बनाया जाता है। पीरियड्स महिला खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती है, जिससे लगभग 70% लड़कियों को ट्रेनिंग और कॉम्पिटिशन के दौरान समस्या होती है। लड़कियां लड़कों की तुलना में अधिक अनुशासित होती हैं, जिससे उनके परिणाम बेहतर आते हैं। उन्होंने कहा कि कई खिलाड़ियों को भ्रम होता है कि पेट में चोट लगने से भविष्य में बच्चे नहीं होते या नाक की हड्डी निकलवानी पड़ती है। उन्होंने इसे पूरी तरह से झूठा और मिथक बताते हुए कहा कि वे खुद को कभी कमजोर न समझें। खेल से ऐसी कोई दिक्कत नहीं होती। इसलिए इन मिथकों से परेशान न हों और अपने खेल पर ध्यान दें।

कई समस्याएं झेलनी पड़ी : भारती

खिलाड़ी भारती ने बताया कि जब खेलना शुरू किया तो उस समय काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा था। उस समय इतना ज्ञान नहीं होता था, डाइट की समस्या थी, पारिवारिक समस्या भी है। मैं एक मजदूर की बेटी हूं। मां सुदेश हाउस-वाइफ (गृहिणी) हैं, पिता दिलबाग भट्ठे पर काम किया करते थे। खाना-पीना, डाइट, कपड़े, जूते, कुछ भी नहीं हो पाता था इस तरह की बहुत समस्या थी।

चोटें बढ़ने के मुख्य कारण

- शरीर में कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और विटामिन-डी की कमी
- ओवर ट्रेनिंग और पर्याप्त आराम न मिलना
- गलत लैंडिंग तकनीक और अचानक ट्रेनिंग बढ़ाना
- महिलाओं में चौड़ा पेल्विस होने से घुटनों पर अधिक दबाव
- कमजोर हैमस्ट्रिंग और मांसपेशियों का असंतुलन
- फीमेल एथलीट ट्रायड (कम ऊर्जा, पीरियड्स अनियमितता और हड्डियों की कमजोरी)

चोट के मुख्य लक्षण

- घुटने, टखने या कंधे में लगातार दर्द और सूजन।
- चलने, दौड़ने या हाथ उठाने में परेशानी।
- हड्डियों में धीरे-धीरे बढ़ने वाला दर्द।
- क्लिक या क्रैक जैसी आवाज आना।
- आयरन की कमी होने पर थकान।
- कम सहनशक्ति, चक्कर, ध्यान में कमी।
- स्टैमिना और फोकस में कमी।
- पीरियड्स (मासिक धर्म) का अनियमित होना या लंबे समय तक बंद रहना।

इलाज और बचाव

- संतुलित डाइट जिसमें प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और विटामिन-डी शामिल हों
- नियमित स्ट्रेंथ और न्यूरोमस्कुलर ट्रेनिंग
- चोट लगने पर तुरंत फिजियोथेरेपी और मेडिकल जांच
- ट्रेनिंग के बीच पर्याप्त आराम और रिकवरी
- सही वार्म-अप और कूल-डाउन एक्सरसाइज
- गंभीर स्थिति में सर्जरी और लंबी पुनर्वास प्रक्रिया अपनाई जाती है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
हैदराबाद	11	7	4	14
गुजरात	11	7	4	14
पंजाब	10	6	3	13
बेंगलुरु	10	6	4	12
राजस्थान	11	6	5	12
चेन्नई	10	5	5	10
कोलकाता	10	4	5	9
दिल्ली	11	4	7	8
मुंबई	10	3	7	6
लखनऊ	10	3	7	6

ऑरेंज कैप

हेनरिक क्लासेन
494 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
17 विकेट
बेंगलुरु

आईपीएलः गिल-सुदर्शन की फिफ्टी, राशिद को 4 विकेट

रॉयल्स पर 77 रन की जीत से टाइटंस ने बढ़ाया प्लेऑफ की ओर कदम

एजेंसी ▶▶ जयपुर

- गुजरात की लगातार चौथी जीत
- राशिद बने मैन आफ द मैच

कप्तान शुभमन गिल की 84 रन की विस्फोटक पारी और साई सुदर्शन के शानदार अर्धशतक के बाद राशिद खान (33 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के कमाल से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी-20 के अहम मुकाबले में शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को 77 रन से शिकस्त देकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया। टाइटंस ने मौजूदा सत्र का अपना सबसे बड़ा स्कोर चार विकेट पर 229 रन बनाने के बाद रॉयल्स की पारी को 16.3 ओवर में 152 रन पर समेटकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस बड़ी जीत से टाइटंस की टीम अपना नेट रन रेट सुधारने में सफल रही। टीम की यह 11 मैचों में सातवीं जीत है और वह 14 अंक के साथ तालिका में पांचवें से दूसरे स्थान पर पहुंच गई। रॉयल्स इतने ही मैचों में पांचवीं हार के बाद 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गई है। राशिद को गेंदबाजी में जेसन होल्डर (12 रन पर तीन विकेट) और कागिसो रबाडा (33 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। मोहम्मद सिराज ने चार ओवर में 55 रन लुटाए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी का अहम विकेट चटकाया। रॉयल्स के लिए रविंद्र जडेजा ने 25 गेंदों में 38, वैभव सूर्यवंशी ने 16 गेंदों में 36 और ध्रुव जुरेल ने 10 गेंदों में 24 रन का योगदान दिया।

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर गिल ने बाएं पैर में परेशानी के बावजूद 44 गेंदों में नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से तेजतर्रार 84 रन बनाए। सुदर्शन ने 36 गेंदों में छह चौके और दो छक्कों की सहायता से 55 रन की उपयोगी पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। पारी के अंतिम ओवरों में वॉशिंगटन सुंदर ने भी आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 20 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए, जबकि राहुल तेवतिया ने चार गेंदों में नाबाद 14 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

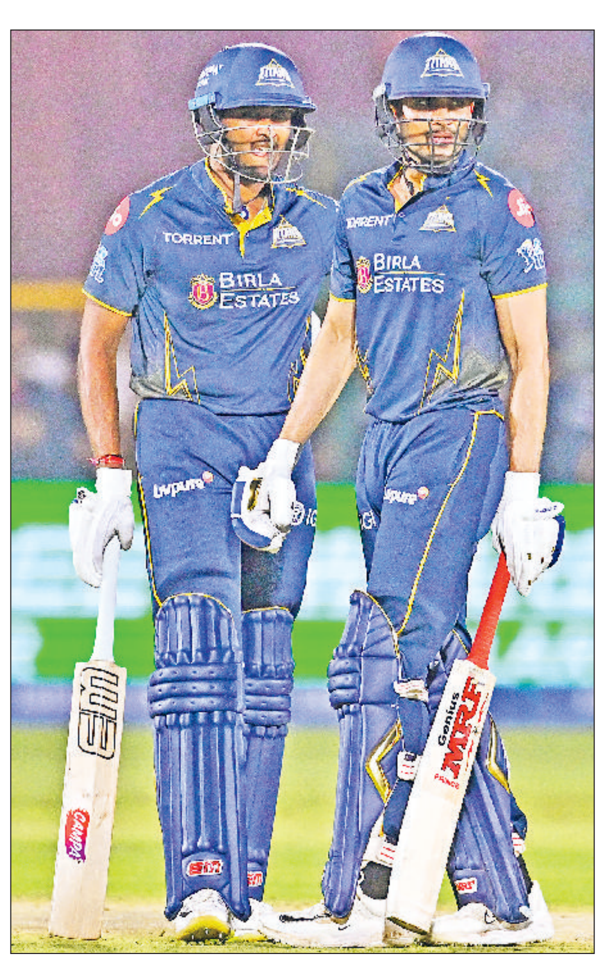

गुजरात-229/4 (20)

खिलाड़ी	रन
सुदर्शन का आर्चर बो यश राज	55
गिल का देशपांडे बो बृजेश	84
जोस बटलर का फरेरा बो जडेजा	13
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	37
होल्डर का जायसवाल बो बृजेश	07
राहुल तेवतिया नाबाद	14

अतिरिक्तः 19
कुल योगः 20 ओवर में चार विकेट पर 229 रन
विकेट पतनः 1-118, 2-150, 3-185, 4-205
गेंदबाजीः आर्चर 3-0-46-0, देशपांडे 4-0-52-0, बृजेश 4-0-47-2, यश राज 4-0-37-1, जडेजा 4-0-34-1, फरेरा 1-0-11-0

रॉयल्स-152/10 (16.3)

खिलाड़ी	रन
यशस्वी का सिंधू बो रबाडा	03
वैभव का अरशद बो सिराज	36
ध्रुव जुरेल बो राशिद	24
शिमरोन का होल्डर बो रबाडा	06
रविंद्र जडेजा पगबाधा राशिद	38
डोनोवन फरेरा बो राशिद	04
शुभमन दुबे बो राशिद	15
दासून का गिल बो होल्डर	16
जोफ्रा का बटलर बो होल्डर	05
तुषार का वाशिंगटन बो होल्डर	01
बृजेश शर्मा नाबाद	01

अतिरिक्तः 03
कुल योगः (16.3 ओवर में सभी आउट) 152 रन
विकेट पतनः 1-38, 2-40, 3-68, 4-87, 5-91, 6-115, 7-136 , 8-141, 9-151
गेंदबाजीः सिराज 4-0-55-1, रबाडा 3-0-33-2, साई 1-0-8-0, राशिद 4-0-33-4, वाशिंगटन 2-0-10-0, होल्डर 2.3-0-12-3

मुंबई के खिलाफ आज चैलेंजर्स को खेलनी होगी विस्फोटक पारी

मैच का समयः शाम 7.30 बजे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पिछले दो मैच में हार से वापसी के लिए बेताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल में उसके बल्लेबाजों को दमदार प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी और अपने पहले चार मैच जीते थे। तब उसके लिए प्लेऑफ में प्रवेश महज एक औपचारिकता लग रहा था। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। मौजूदा चैंपियन टीम अपने पिछले 5 मैचों में से 3 मैच हार गई है, जिससे उसके समीकरण बिगड़ गए हैं। आरसीबी अभी 10 मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है और वह प्लेऑफ में पहुंचने का मजबूत दावेदार है।

प्लेऑफ की आस बचाने उतरेगी सीएसके, एलएसजी से भिड़ंत आज

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

मैच : दोपहर 3.30 बजे

अंकतालिका में छठे स्थान पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए रविवार को सबसे निचले पायदान पर मौजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब सीएसके शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है। उसके अभी तक के अभियान में निरंतरता का अभाव रहा है। उसने अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान दोनों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। पांच बार का चैंपियन सीएसके अब चेपॉक में वापसी करेगा। उसके पास एलएसजी के खिलाफ लय हासिल करने का बेहतरीन मौका है।

LOST AND FOUND

I, Ajay Sharma S/o Shri Manohar Lal Sharma R/o A-10/13 E. C. T. P. Phase - 2 , Kolkata Municipal Corporation , Kasba- Kolkata - 700107 do hereby solemnly affirm and inform that I have lost / misplaced my original Chain of property No. 241, West Guru Angad Nagar , Laxminagar , Delhi - 110092 and not traceable by my best efforts . I have already lodge a lost report in this regard on dated 24/04/2026 Vide L.R. No. - 256024/2026. I have not mortgage the above said original documents with any Bank or any other financial institution in any manners and I have not taken any Loan against the above said Property.

Ajay Sharma

खबर संक्षेप

शंघाई विश्व कप : जाधव ने जीता कांस्य पदक

शंघाई। विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के मौजूदा चैंपियन साहिल जाधव ने तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में पुरुष कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। यह विश्व कप में उनका पहला पदक भी है। महाराष्ट्र के 25 वर्षीय तीरंदाज जाधव ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से हराकर मौजूदा टूर्नामेंट में भारत का पहला पदक हासिल किया। भारत ने इस पदक के साथ कंपाउंड वर्ग में अपने अभियान का भी समापन किया। इस वर्ग में भारत के अन्य खिलाड़ी पदक जीतने में नाकाम रहे थे। भारत को कंपाउंड टीम स्पर्धाओं में मजबूत टीम माना जाता है लेकिन उसकी सभी टीम शुरुआती दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुने गए फर्नांडीस और 'बनी'

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस को फुटबॉल कवर करने वाले पत्रकारों ने इंग्लैंड में खेलने वाले खिलाड़ियों में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना जबकि मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खादिजा 'बनी' शॉ ने दूसरी बार महिलाओं का पुरस्कार जीता। इंग्लैंड में फुटबॉल का सत्र जबकि अंतिम दौर में चल रहा है तब फर्नांडीस ने फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन की ओर से दिए जाने वाला यह पुरस्कार हासिल किया। उन्होंने इस सत्र में मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से 19 गोल करने में मदद की, जो कि रिकॉर्ड से सिर्फ एक कम है। उन्होंने टीम को चैंपियंस लीग में जगह दिलाने में भी मदद की। पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने आर्सेनल के डेक्लान राइस और मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हालैंड को पीछे छोड़ा। उन्हें फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन के 900 से अधिक सदस्यों में से 45 प्रतिशत मत मिले। वह 2010 में वायने रूनी के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के पहले खिलाड़ी हैं। यह पुरस्कार 1947 से दिया जा रहा है और इस प्रकार यह दुनिया का सबसे पुराना व्यक्तिगत फुटबॉल पुरस्कार है। शॉ ने आर्सेनल की एलेशिया रूसो और चेल्सी की लॉरेन जेम्स को पीछे छोड़कर यह पुरस्कार जीता। उन्होंने 21 मैचों में सबसे अधिक 19 गोल करके मैनचेस्टर सिटी को 10 साल में पहली बार महिला सुपर लीग का खिताब दिलाया।

प्रिजमिक का बड़ा उलटफेर जोकोविच टूर्नामेंट से बाहर

रोम। छह बार के इटैलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच दुनिया के 79वें नंबर के खिलाड़ी डारियो प्रिजमिक से तीन सेट हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। प्रिजमिक ने पहला सेट हारते हुए जोरदार वापसी की और दूसरा और तीसरा सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। प्रिजमिक ने जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह पहली बार है जब जोकोविच इटैलियन कैपिटल में अपने शुरुआती मैच में हारे हैं। प्रिजमिक ने अब दो टॉप 10 जीत हासिल की हैं। उन्होंने पिछले महीने मैड्रिड में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के तीसरे राउंड में बेन शेल्टन को हराया था। 20 साल के प्रिजमिक का लक्ष्य पहली बार इस लेवल पर चौथे राउंड में पहुंचना है। उन्हें अगला मैच उगो हम्बर्ट से खेलना है।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित मूल दस्तावेज गुम हो गए हैं और अधोहस्ताक्षरी के अभिलेखों में नहीं मिल रहे हैं:

विनिमय विलेखः वासिका संख्या 1590 दिनांक 07–09–2000

बिक्री विलेखः वासिका संख्या 2669 दिनांक 29–03–2004

बिक्री विलेखः वासिका संख्या 5396 दिनांक 14–03–2005

सभी दस्तावेज उप–पंजीयक कार्यालय, सोहना में पंजीकृत हैं।

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त मूल दस्तावेज प्राप्त होते हैं या मिलते हैं, तो उनसे अनुरोध है कि वे इन्हें यथाशीघ्र अधोहस्ताक्षरी को सौंप दें।

इस संबंध में हरियाणा पुलिस, गुरुग्राम में शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है।

एस.डी./–
व्हाइटलैंड कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड
टावर 1, 10वीं मंजिल, वर्ल्डमार्क, सेक्टर 65, गुरुग्राम– 122202
संपर्क संख्याः 9090900772

पुखराज ने 72 का कार्ड खेलकर 13-अंडर का बनाया

गिल ने रोमांचक प्लेऑफ में जीता पहला एडीटी खिताब

एजेंसी ▶▶ कुआलालंपुर

पुखराज सिंह गिल ने 'आर एंड ए' की एडीटी प्लेयर्स चैंपियनशिप के तीन खिलाड़ियों के रोमांचक प्ले-ऑफ में धैर्य बनाए रखते हुए खिताब अपने नाम किया। गिल ने शुरुआती दौर से ही बढ़त कायम रखते हुए दबाव भरे पलों में मानसिक मजबूती दिखाई और पहली बार यह खिताब जीतने में सफल रहे। आईजीपीएल में खेलने वाले गिल ने अंतिम दौर में लय से भटकते हुए 72 का कार्ड खेलकर कुल 13-अंडर का स्कोर बनाया। उनके साथ थानाविन ली (68) और सीन रामोस (68) भी बराबरी पर रहे। गिल ने प्ले-ऑफ के दूसरे होल के बाद खिताब के साथ पुरस्कार के तौर पर 19,250 डॉलर की राशि भी अपने नाम की। इस जीत के साथ गिल ने एडीटी ऑर्डर ऑफ मेरिट की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। चार प्रतियोगिताओं के बाद गिल फिलहाल ऑर्डर ऑफ मेरिट में तीसरे स्थान पर हैं।

जीत का इंतजार काफी लंबा : गिल

गिल ने कहा, इस जीत का इंतजार काफी लंबा रहा। यह एहसास अविश्वसनीय है। मुझे लगता है कि इसे पूरी तरह महसूस करने में थोड़ा समय लगेगा, लेकिन फिलहाल मैं बेहद उत्साहित हूं। मलेशिया में यह सप्ताह शानदार रहा। पहली बार इस कोर्स पर खेलते हुए मुझे इसका डिजाइन बहुत पसंद आया। यह मेरे खेल के अनुकूल था और खुशी है कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सका। उन्होंने कहा, अंतिम क्षणों में मुकाबला मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा रोमांचक हो गया और मामला प्ले-ऑफ तक पहुंच गया। वहां जीत हासिल करने के बाद मैं खुद को सातवें आसमान पर महसूस कर रहा हूं। इस जीत का एहसास पूरी तरह दिल में उतरने में अभी थोड़ा समय लगेगा।

जीएसएल ने किया है पोत का निर्माण, लगाई गई 50% से अधिक स्वदेशी सामग्री

तटरक्षकबल के बेड़े में शामिल हुआ नई पीढ़ी का जहाज 'अचल', बढ़ेगी क्षमता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

घरेलू सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारतीय तटरक्षकबल की क्षमताओं में शनिवार को इजाफा देखने को मिला है। जिसकी बड़ी वजह गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन के साथ निर्मित जहाज 'अचल' को तटरक्षकबल की सेवाओं में शामिल किया जाना है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह जहाज नई पीढ़ी की अदम्य श्रेणी में तीव्र गति के जहाजों की श्रृंखला का एक आधुनिक जहाज है। जिसकी मदद से तटरक्षकबल की परिचालन क्षमता को और अधिक मजबूती मिलेगी। जहाज के अचल नाम का अर्थ अडिग है। जो कि भारतीय तटरक्षकबल की राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा, समुद्र में जीवन बचाने और भारतीय समुद्री सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसकी अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। जहाज में 50% से अधिक स्वदेशी सामग्री लगाई गई है।

इन कार्यों में सक्षम है अचल

अचल एक अत्याधुनिक पोत है, जिसकी मदद से तटरक्षकबल समुद्री अभियानों की व्यापक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सक्षम है। तटीय, अपतटीय निगरानी, अवरोधन गतिविधि, खोज एवं बचाव, तस्करी रोधी अभियान और समुद्री प्रदूषण से निपटने जैसे कार्यों में भी यह पूरी तरह से उपयोगी साबित होगा। जहाज को एक कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्रालय के अपर सचिव-महानिदेशक (अधिग्रहण) ए.अंबरासु द्वारा औपचारिक रूप से तटरक्षकबल में शामिल किया गया। इस मौके पर बल के उत्तर पश्चिम क्षेत्र के कमांडर इंस्पेक्टर जनरल टेकुर शशि कुमार, जीएसएल के प्रतिनिधि और केंद्र-राज्य सरकारों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अमेरिका के राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस के अवसर पर...

व्हाइट हाउस में गूंजे यजुर्वेद के मंत्र, ट्रंप बोले- अमेरिका की पहचान ईश्वर से जुड़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया की सबसे ताकतवर इमारतों में गिने जाने वाले व्हाइट हाउस में गुरुवार को वैदिक मंत्रों की गूंज सुनाई दी। अमेरिका के राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस के अवसर पर हिंदू परंपरा के अनुसार शांति पाठ किया गया, जिससे पूरा माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा और सनातन संस्कृति की ध्वनि से भर उठा। न्यू जर्सी स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के एक स्वयंसेवक ने व्हाइट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया और यजुर्वेद के शांति पाठ का उच्चारण किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संदेश जारी करते हुए कहा कि अमेरिका की पहचान आस्था, प्रार्थना और ईश्वर में विश्वास से जुड़ी रही है।

मंत्रों का उच्चारण करते पंडित

विश्व शांति की कामना की गई

वैदिक मंत्रों में आकाश, पृथ्वी, जल, वनस्पतियों, देवताओं और सम्पूर्ण सृष्टि में शांति की कामना की गई। प्रति वर्ष मई के पहले गुरुवार को मनाया जाता है। अमेरिका में राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस हर वर्ष मई के पहले गुरुवार को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1952 में अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पारित कानून के तहत हुई थी। इस वर्ष अमेरिका के सभी 50 राज्यों और वॉशिंगटन डीसी में हजारों प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं।

खबर संक्षेप

आईएमएफ ने पाक को 11 हजार करोड़ का कर्ज दिया

इस्लामाबाद। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड ने 1.2 अरब डॉलर यानी 11,322.25 करोड़ रुपए के कर्ज की मंजूरी दे दी है। यह राशि दो अलग-अलग वित्तीय कार्यक्रमों के तहत जारी की जा रही है। अब तक पाकिस्तान कुल 8.4 अरब डॉलर (79,256.44 करोड़ रुपए) के दो ऋण पैकेजों में से 4.5 अरब डॉलर यानी 42,458.81 करोड़ रुपए प्राप्त कर चुका है। यह राशि अगले हफ्ते की शुरुआत में जारी कर दी जाएगी। जिससे केंद्रीय बैंक का रिजर्व 17 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा।

क्रिप्टोकरेंसी मामले में ईडी ने किए 3 अरेस्ट

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े धनशोधन मामले में कथित क्रिप्टो हैकर श्रीकृष्ण रमेश उर्फ 'श्रीकि' समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीकि, रॉबिन खंडेलवाल और सुनीश हेगड़े को 8 मई को हिरासत में लिया गया। उन्हें शनिवार को बेंगलुरु की एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 10 दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। केंद्रीय एजेंसी ने इस मामले में 20 अप्रैल को छापेमारी की थी। हैकर श्रीकि और उसके सहयोगियों पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वेबसाइटों को हैक करने, बिटकॉइन चुराने और इन्हें बेचने का आरोप है। और इन चुराए गए 'वर्चुअल डिजिटल एसेट्स' (वीडीए) को क्रिप्टो प्लेटफॉर्म पर बेचने का आरोप लगाया गया था।

ट्रंप ने क्यूबा की संस्थाओं को किया प्रतिबंधित

हवाना। अमेरिका ने क्यूबा पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए नई पाबंदियों का ऐलान किया है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि प्रतिबंध क्यूबा की जनता पर नहीं, बल्कि वहां की सत्ता से जुड़े आर्थिक नेटवर्क पर लगाए गए हैं। नई पाबंदियों का सबसे बड़ा निशाना जीएईएसए बना है, जो क्यूबा की क्रांतिकारी सशस्त्र सेनाओं द्वारा संचालित विशाल कारोबारी समूह है। इसके अलावा कनाडा की कंपनी शेरिट इंटरनेशनल के साथ चल रहे संयुक्त उपक्रम मोआ निकल पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं।

इसके बाद शेरिट इंटरनेशनल ने क्यूबा से अपना कारोबार समेटने की घोषणा कर दी, जिससे द्वीप देश में उसकी 32 साल पुरानी मौजूदगी समाप्त हो जाएगी।

अमेरिकी मीडिया का दावा

ईरान-अमेरिका के बीच अगले हफ्ते पाकिस्तान में होगी चर्चा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी सीजफायर को लेकर बातचीत चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान की ओर से अमेरिकी प्रस्ताव पर जवाब आ सकता है। इस बीच अमेरिकी मीडिया ने दावा किया है कि अमेरिका और ईरान के बीच अगले हफ्ते की शुरुआत में पाकिस्तान में बातचीत हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि दोनों पक्ष एक पन्ने के 14-बिंदुओं वाले मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) को तैयार करने के लिए मध्यस्थों के साथ काम कर रहे हैं। इसका उद्देश्य युद्ध खत्म करने की दिशा में एक महीने तक चलने वाली बातचीत के लिए रूपरेखा तय करना है। बता दें, इससे पहले भी पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच दो दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन दोनों बैठकें विफल रहीं।

इजराइल-लेबनान के बीच 14-15 मई को बातचीत

अमेरिकी विदेश विभाग ने जानकारी दी है कि इजराइल और लेबनान के बीच अगले दौर की बातचीत 14 और 15 मई को होगी। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच एक व्यापक शांति और सुरक्षा समझौता करना है। साथ ही इसमें हिजबुल्लाह से जुड़े मुद्दों पर भी बात होगी। अमेरिका इस पूरी बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता थॉमस टॉमी पिगॉट ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि आने वाली बातचीत 23 अप्रैल को हुई बातचीत के आधार पर आगे बढ़ेगी। उस बैठक का नेतृत्व खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया था। अमेरिका इन दो दिनों की बातचीत में दोनों देशों की सरकारों के बीच तालमेल बिठाने का काम करेगा। दोनों देशों के प्रतिनिधि शांति और सुरक्षा के ढांचे पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

... तो हम दूसरा रास्ता अपनाएंगे: ट्रंप

राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया कि अगर बातचीत में रुकावट आती है तो वॉशिंगटन अपना रुख और सख्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर सब कुछ ठीक नहीं हुआ, तो हम दूसरा रास्ता अपनाएंगे। अगर चीजें सही नहीं रहीं तो हम 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' पर वापस जा सकते हैं, लेकिन यह 'प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस' होगा। यानी इसमें कुछ और कदम भी शामिल होंगे। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जो फिलहाल इटली के दौरे पर हैं, ने उम्मीद जताई कि ईरान की ओर से एक 'गंभीर प्रस्ताव' आएगा। रुबियो का मानना है कि ईरान के भीतर की राजनीतिक अस्थिरता और वहां का खराब सिस्टम बातचीत में देरी का एक बड़ा कारण हो सकता है।

जयशंकर ने त्रिनिदाद और टौबेगो की पीएम कमला प्रसाद बिसेसर से की मुलाकात

सौर ऊर्जा आधारित आधुनिकीकरण सहित कई एमओयू

द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए नए विचारों और पहलों पर की बातचीत

एजेंसी ▶▶ पोर्ट ऑफ स्पेन

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की पीएम कमला प्रसाद-बिसेसर के साथ व्यापक बातचीत की, जिसमें भारत और इस दो द्वीपों वाले राष्ट्र के बीच द्विपक्षीय सहयोग के विस्तार के लिए नए विचारों और पहलों पर चर्चा की गई। जयशंकर शुक्रवार को परामारिबो से पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे। यह उनकी जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एंड टोबैगो की तीन देशों की यात्रा का अंतिम चरण है। इस यात्रा का उद्देश्य कैरेबियाई देशों के साथ भारत की सहभागिता को और मजबूत करना था।

जयशंकर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आज शाम पीएम कमला प्रसाद-बिसेसर और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ हमारी द्विपक्षीय साझेदारी की व्यापक समीक्षा की।

पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा पिछले वर्ष किए गए वादों को पूरा करने के साथ-साथ हमने द्विपक्षीय सहयोग में नए विचारों और पहलों की भी चर्चा की। इससे पहले जयशंकर ने कमला प्रसाद-बिसेसर के साथ स्कूली बच्चों को भारत में निर्मित लैपटॉप वितरित करने के कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

जयशंकर ने कहा कि भारत के त्रिनिदाद एवं टोबैगो के साथ परंपरागत रूप से बेहद हमेशा से बेहद आत्मीय और मित्रतापूर्ण रहे हैं। ये संबंध साझा इतिहास, उपनिवेशवाद के खिलाफ हमारे संघर्ष और क्रिकेट के हमारे विशेष जुड़ाव पर आधारित हैं

पीएम कमला प्रसाद बिसेसर के साथ विदेश मंत्री एस. जयशंकर

1 भारत निर्मित लैपटॉप दिए

त्रिनिदाद और टोबैगो के स्कूली बच्चों को भारत निर्मित लैपटॉप वितरित किए

2 एमओयू साइन किया

'आयुर्वेद पीठ' की स्थापना सहित कई एमओयू

क्रिकेट ने रिश्तों को दी खास पहचान

जयशंकर ने एक ध्वजारोहण समारोह में भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच गहरे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि क्रिकेट ने दोनों देशों के रिश्तों को एक 'विशेष आयाम' दिया है। विदेश और कैरिकॉम (कैरेबियन कम्युनिटी एंड कॉमन मार्केट) मामलों के मंत्रालय में आयोजित समारोह में जयशंकर ने कहा कि भारत के त्रिनिदाद एवं टोबैगो के साथ परंपरागत रूप से बेहद हमेशा से बेहद आत्मीय और मित्रतापूर्ण रहे हैं। ये संबंध साझा इतिहास, उपनिवेशवाद के खिलाफ हमारे संघर्ष और क्रिकेट के हमारे विशेष जुड़ाव पर आधारित हैं। लेकिन अगर हमारे संबंधों को कोई खास आयाम देता है तो वह निश्चित रूप से क्रिकेट है। भारतीय लंबे समय से वेस्टइंडीज के क्रिकेटरों के प्रशंसक रहे हैं।

लोकप्रिय स्ट्रीट फूड 'डबल्स' का लुत्फ उठाया

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा के दौरान यहां के लोकप्रिय स्ट्रीट फूड 'डबल्स' का स्वाद चखा। इस पर कैरेबियाई देश की पीएम बिसेसर ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच बढ़ते सांस्कृतिक संबंधों का उदाहरण है। 'डबल्स' त्रिनिदाद और टोबैगो का एक बेहद लोकप्रिय स्ट्रीट फूड है, जिसकी जड़ें भारतीय प्रवासी समुदाय से जुड़ी हैं। इसमें मसालेदार छोले को दो तली हुई पतली रोटियों के बीच परोसा जाता है। स्वादिष्ट और छोले होने के कारण इसकी तुलना अक्सर भारत के छोले-भटूरे से की जाती है।

एआई पर सहयोग बढ़ाएंगे भारत-अमेरिका

समाज के विकास के लिए सुरक्षित तकनीक पर 'मिलकर' करेंगे काम

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की पूरी क्षमता हासिल करने के लिए भारत और अमेरिका को खुलेपन के सिद्धांतों पर आगे

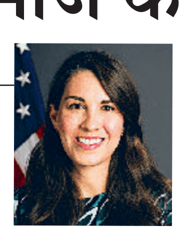

बढ़ना होगा और विरोधी देशों पर किसी भी प्रकार की तकनीकी निर्भरता से बचना होगा। अमेरिकी विदेश विभाग की डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी बेथानी मॉरिसन ने शुक्रवार को आयोजित यूएस-इंडिया एआई एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी फोरम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस कार्यक्रम का आयोजन यूएस-इंडिया एआई और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी फोरम की ओर से किया गया था।

पीएम मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की

मॉरिसन ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार साफ तौर पर समझती है कि एआई तकनीक का इस्तेमाल दोनों देशों की समृद्धि और विकास के लिए होना चाहिए, लेकिन साथ ही इससे जुड़े सुरक्षा खतरों को लेकर भी सतर्क रहना जरूरी है। अमेरिका और भारत तकनीकी नवाचार के अगले दौर में एक मजबूत साझेदार के रूप में उभर रहे हैं। दोनों देश मिलकर एआई के भविष्य को दिशा देंगे और वैश्विक स्तर पर नई तकनीकी नेतृत्व क्षमता विकसित करेंगे।

27 हजार करोड़ से ज्यादा के घोटाले के हैं आरोप

अनिल अंबानी समूह पर मुंबई में 17 ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ चल रही जांच में सीबीआई ने शनिवार को मुंबई में 17 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। सीबीआई की यह कार्रवाई रिलायंस एडीए ग्रुप की तीन कंपनियों रिलायंस टेलिकॉम लि., रिलायंस कॉमर्शियल फायनेंस लि. और रिलायंस होम फायनेंस लि. से जुड़े मामलों में की गई। इन कंपनियों और इनके डायरेक्टर्स पर बैंकों के हजारों करोड़ रुपए के फंड में कथित गड़बड़ी और धोखाधड़ी का आरोप है। सीबीआई ने जिन जगहों पर छापेमारी की, उनमें कंपनियों के डायरेक्टर्स के घर और उन इंटरमीडियरी कंपनियों के दफ्तर शामिल हैं।

फर्जी लेनदेन का शक

सीबीआई का कहना है कि छापेमारी के दौरान कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि कई इंटरमीडियरी कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं, जिससे फर्जी लेनदेन और फंड डायवर्जन का शक और गहरा गया है। यह कार्रवाई मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत की ओर से 8 मई 2026 को जारी सर्च वारंट के आधार पर की गई।

अनिल अंबानी के खिलाफ 7 केस दर्ज

सीबीआई के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में अनिल अंबानी समूह के खिलाफ कुल सात केस दर्ज किए गए हैं। ये मामले विभिन्न सरकारी बैंकों और एलआईसी की शिकायतों के आधार पर दर्ज हुए हैं। आरोप है कि इन मामलों में करीब 27,337 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। जांच एजेंसी पहले भी इन मामलों में 14 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है।

अमरनाथ यात्रा 2026 से पहले सुरक्षा सख्त

पाक की नई साजिश का मिला अलर्ट, पंजाब-जम्मू सीमा सील

एजेंसी ▶▶ कठुआ

पंजाब के जालंधर में धमाकों के बाद कठुआ में हाई अलर्ट जारी किया गया है। विशेष तौर पर प्रवेश द्वार लखनपुर और पंजाब को कठुआ से जोड़ने वाले सभी सीमा पर।

पंजाब पुलिस की ओर से बाकायदा जम्मू कश्मीर पुलिस को आगाह किया गया है कि पंजाब में होने वाले धमाकों के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ था और आईएसआई इसी तरह की नापाक हरकत को कठुआ में भी अंजाम दे सकता है। लिहाजा वे सतर्क रहें। वहीं पंजाब पुलिस के अधिकारियों और कठुआ पुलिस के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने माधोपुर नाके और लखनपुर नाके पर संयुक्त रूप से जांच की। जहां तैनात पुलिस कर्मियों से कहा गया कि वे सतर्क रहें। आने जाने वाले संदिग्ध लोगों पर नजर रखें।

माधोपुर नाके पर चेकिंग करती पुलिस

होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हादसा

भारतीय चालक दल की नाव में लगी आग, एक की मौत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

7-8 मई को मध्यरात्रि भारतीय ध्वज वाले कार्गो जहाज 'अल फ़ैज़ नूर सुलेमानी' दुबई से यमन की ओर जा रहा था। 07-08 मई की मध्यरात्रि में में भारतीय समयानुसार लगभग 2.30 बजे स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ के पास पहुंचते समय क्रॉसफ़ायर के दौरान एक ड्रोन ने जहाज पर हमला किया।

हमले के वक्त सामान्य माल से लदी एक लकड़ी के जहाज पर 18 भारतीय क्रू मेंबर्स सवार थे। हमले में भारतीय नाविक अल्ताफ तलाब केर की मौत हो गई, जबकि 4 भारतीय क्रू मेंबर्स घायल हो गए। चालक दल के सदस्यों को उस क्षेत्र से गुजर रहे एक जहाज ने बचाया। एक भारतीय चालक दल के सदस्य का हाथ टूट गया, दूसरे की चिन पर एक तेज वस्तु टकराया जबकि दो अन्य मामूली रूप से झुलस गए।

एआई जनरेटेड इमेज

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109